THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 358 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.7 2080 शनिवार, 16 मार्च-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तेलंगाना का पुनर्निर्माण

महालक्ष्मी

- सभी महिलाओं के लिए आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा
- 26.45 करोड़ से अधिक ने लाभ उठाया

प्रजा पालना

- प्रजावाणी कार्यक्रम प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को
- धरना चौक का पुन:उद्धार
- ज्योतिबा फुले प्रजा भवन में सभी जनता का प्रवेश
- सभी पात्र लोगों को सफेद राशन कार्ड जारी करने का निर्णय लिया गया
- विधानसभा में वित्त, बिजली और सिंचाई पर श्वेत पत्र जारी किया गया.

महिला शक्ति

- 5 वर्षों में महिला समूहों को मिलेंगे 1 लाख करोड़ रुपये
- 5000 महिला समूहों को प्रत्येक वर्ष 5000 करोड़ रुपये ऋण
- ब्याज मुक्त ऋण और रुपये 10 लाख दुर्घटना बीमा
- महिला समूहों को मिड-डे मील कार्य दिया जाएगा
- महिला समूह ऋण पर बीमा

प्रशिक्षण एवं रोजगार

- प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में अम्बेडकर नॉलेज सेंटर
- जीनोम वैली चरण–2
- 65 आईटीआई में कौशल केंद्र
- 3 जिलों में ग्रीनफील्ड फार्मा क्लस्टर्स

शिक्षा क्षेत्र

- हर गाँव में सरकारी विद्यालय
- राज्य शिक्षा आयोग
- एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यकों के लिए एकीकृत परिसर
- सरकारी भूमियों पर मॉडल स्कूल
- शिक्षक रिक्त पदों पर भर्ती हेतु अधिसूचना
- मेडिकल, नर्सिंग, फिजियोथेरेपी कॉलेज को मंजूरी देने की योजना

शहरी विकास

- मुसी रिवर फ्रंट विकास
- मेहदीपट्टनम में स्काईवॉक
- एचएमडीए भूमि संरक्षण
- लेआउट नियमितीकरण

अल्पसंख्यक कल्याण

- अल्पसंख्यक वित्त निगम,
- उर्दू अकादमी

चेयुता

- राजीव आरोग्यश्री के तहत 10 लाख रुपये की मुफ्त चिकित्सा सहायता

रोजगार भर्ती

- टीएसपीएससी के लिए नया आयोग
- 28,000 से अधिक रिक्तियां भरी गईं
- 563 पदों के लिए ग्रुप–1 अधिसूचना
- 11,062 पदों के साथ मेगा डीएससी
- 2008 डीएससी अधिसूचना योग्य उम्मीदवारों के लिए नौकरियाँ
- महिलाओं को 33 प्रतिशत समानान्तर आरक्षण

उद्योग–निवेश

- मुख्यमंत्री के दावोस दौरे ने 40,232 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया
- 300 एकड़ में जीनोम वैली चरण–2
- सरकारी बंजर भूमि में उद्योग
- टाटा टेक्नोलॉजीज 2000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

बुनियादी ढाँचा क्षेत्र

- नई औद्योगिक संपदा
- मेगा मास्टर प्लान 2050
- प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 10 करोड़ रुपये
- एनटीपीसी रामागुंडम की दूसरी इकाई शुरू
- राजीव रहदारी एलिवेटेड कॉरिडोर
- बोइनपल्ली डबल डेकर एलिवेटेड कॉरिडोर
- पुराने शहर तक मेट्रो रेल विस्तार
- एनएच–44 पर कॉरिडोर निर्माण
- कोडंगल क्षेत्र विकास प्राधिकरण

स्वास्थ्य तेलंगाना

- 10 लाख रुपये राजीव आरोग्यश्री मुफ्त चिकित्सा सहायता
- सभी के लिए डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल कार्ड
- बीबीनगर एम्स में पूर्ण सेवाएं
- नशीली दवाओं के उपयोग पर कड़ी कार्रवाई

सांस्कृतिक क्षेत्र

- गद्दर जयंति पर आधिकारिक उत्सव
- गद्दर प्रतिमा
- कवियों और कलाकारों को गद्दर पुरस्कार, पद्म पुरस्कार विजेताओं को 25 लाख रुपये नकद पुरस्कार और 25,000 रुपये पेंशन

गृहज्योति

- 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली
- 41.78 लाख से अधिक लाभार्थी

कर्मचारियों के समर्थन में सरकार

- वेतन हर महीने की पहली तारीख को जारी होगा
- आरटीसी कर्मचारियों को 21 प्रतिशत फिटमेंट
- जीओ 317 और 46 पर कैबिनेट उप–समिति
- सिंगरेनी कर्मचारियों को 1 करोड़ रुपये का दुर्घटना बीमा

कृषि क्षेत्र

- किसानों को निवेश सहायता
- राज्य किसान आयोग का प्रस्ताव
- नारायणपेट, कोडंगल लिफ्ट सिंचाई
- फसल बीमा योजना, धरणी पोर्टल सुधार, एक लाख से अधिक धरणी शिकायतों का निवारण
- किरायेदार किसान अधिनियम की सुरक्षा के लिए कदम
- 97 करोड़ रुपये से रैतु नेस्तम योजना

पिछड़े वर्गों का विकास

- विभिन्न जातियों के लिए 17 निगम
- जातीय आधार पर जनगणना को मंजूरी
- गिरिजन निगम

ग्रामीण विकास

- प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए पेयजल के लिए एक करोड़ रुपये
- 422 गांवों, 3177 बसाहटों को ब्लैक टॉप सड़कें मिलेंगी

महालक्ष्मी

- 500 रुपये में गैस सिलेंडर
- 40 लाख से अधिक लाभार्थी

इंदिरम्मा इंडलु

- 22,500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 4.5 लाख गरीबों को इंदिरम्मा घर मिलेंगे

तेलंगाना के प्रतीक

- वाहन पंजीकरण टीएस से टीजी में बदला गया
- जय जयहे तेलंगाना राज्य गान के रूप में
- सरकारी आधिकारिक प्रतीक और तलंगाना तल्ली की मूर्ति में भी बदलाव की प्रक्रिया चल रही है

प्रगति का मार्ग...सभी का कल्याण...हमारी जनता का शासन

जारीकर्ता विशेष आयुक्त, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, तेलंगाना सरकार

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 16 मार्च, 2024 2

सुविचार: प्रेम सिर्फ अपने काम और ईश्वर से करो, क्योंकि ये दोनो कभी धोखा नहीं देते।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in द्वारा) PUB/0273

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, डीवाय.सीइइ/जीएस/एससी, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों के लिए, निविदा की एकल पैकेट प्रणाली के तहत ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं.-एनआयटी सं.-सीइ-29-जीएसयु-इलेक-15-2023-24, टेन्डर नं. सीइ-29-जीएसयु-इलेक-15-2023-24 दि.14.03.2024, कार्य विवरणः 1. तांडूर स्टेशन से सी.सी.एल. लाइन तक वाडी एन्ड की ओर वाय-कनेक्टिविटी का प्रावधान। टीआरडी व्यवस्था।
2. वीकेबी-पीआरएलआय सेक्शन के विकाराबाद-सदाशिवपेट स्टेशनों के बीच येर्रावल्ली की नई क्रास्सिन्ग स्टेशन पर प्रस्तावित यार्ड व्यवस्था। --टीआरडी व्यवस्था।
3. वीकेबी -पीआरएलआय सेक्शन-वीकेबी-एसएसपीडी रोड के बीच प्रस्तावित नई क्रास्सिन्ग स्टेशन व्यवस्था-बिजली व्यवस्था
4. तांडूर-तांडूर स्टेशन से सीसीएल लाईन तक वाडी एन्ड की ओर वाय कनेक्टिवीटी का प्रावधान-बिजली व्यवस्था विवरणः निविदा मूल्यः रु.46751828.36, पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 5-4-2024 के 15.00 बजे तक

बोली दस्तावेज व अन्य जानकारी हेतु कृपया वेबसाइटःhttp://ireps.gov.in पर लागिन करें।

निविदाकर्ताओं द्वारा केवल ई-टेन्डरिन्ग में भाग लेना चाहिए तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा।

सभी भावी निविदादाताओं से अनुरोध है कि, पूधरा को केवल आनलाईन पेमेन्ट्स द्वारा ही जमा करें।

सभी भावी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयएन पहचान संख्या प्राप्त कर, उसे अपने आफर्स सहित प्रस्तुत करें।

निविदादाता, किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाईन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभ की तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

उप मुख्य बिजली अभियन्ता/गति शक्ति/सिकन्दराबाद

निविदा सूचना PUB/0274

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों के लिए, अनुभवी ठेकेदारों से ई -निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं.-1, टेंडर नं. एवं तिथि--सी/इ.221/इएलएस केजेडजे/2023-24/203 दि.13.03.2024(ई.टेन्डर नं.-इएलएस-केजेडजे-203), कार्य विवरण) 2 वर्ष के लिए, इलेक्ट्रिक लोको शेड, काजीपेट के ए.सी. लोकोमोटिव्ज इलेक्ट्रिक के डब्ल्यूएजी9एचसी बोगियों की इन्टर इन्टरमीडिएट ओवरहालिन्ग(आयओएच) कार्य, मात्रा-26 नग। निविदा मूल्यः रु.54,46,822.89(जीएसटी को मिलाकर), पूधराः रु.1,08,900/-, निविदा प्रपत्र मूल्यः रु.शून्य, पूरा करने की अवधिः 24 महिने, बंद करने व खुलने की तिथि व समयः 12.04.2024 के 15.00 बजे एवं 12.04.2024 के 15.30 बजे

निविदा दस्तावेजों के आयआरइपीएस वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर निविदा शर्तें//अन्य विवरण उपलब्ध है।

सभी भावी निविदादाताओं से अनुरोध है कि, केवल आनलाईन पेमेन्ट द्वारा पूधरा जमा करें। निविदा दस्तावेज की प्रस्तुतिः आयआरइपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in के माध्यम से ।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियन्ता, इलेक्ट्रिक लोको शेड, काजीपेट

ई-निविदा सूचना सं.03/ डीवाय.सीएसटीइ/सीएन/ जीटीएल/2023 दि.14/03/2024 PUB/0275

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य सिग्नल एवं दूर संचार अभियन्ता(निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे, गुन्टकल, द्वारा निम्न कार्यों के लिए, सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन सहित दि.10-04-2024 के 11.30 बजे तक ई-निविदा(खुली) आमंत्रित हैं।

निविदा सं.-जी-एसजी-सीएन-आरयु-7-2023, 2. कार्य विवरणः यार्ड रिमोडिल्लिन्ग कार्य (जीडीआर-आरयु-टीपीटीवाय डबलिन्ग) तथा बायपास लाइन कार्यों(सीइएन से टीपीटीवाय कनेक्टिन्ग) कार्यों से जुडे डिस्ट्रिब्युटेड इलेक्ट्रानिक इन्टरलाकिन्ग के लिए रेणीगुन्टा जन्क्शन स्टेशन पर एमएसीएलएस आउटडोर सिग्नल्लिन्ग एंड टेलिकाम कार्य का प्रावधान। 3. अनुमानित मूल्यः रु.7,93,74,052.31, 4. पूधराः रु.5,46,900.00, 5. पूरा करने की अवधिः एलओए की जारी की तिथि से लेकर 12 महिने।

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण के लिए, कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in पर लागिन करें।

निविदादाता, किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाईन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभ की तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

A0336 उप मुख्य सिग्नल एवं दूर संचार अभियन्ता (निर्माण), गुन्टकल

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

बीआरएस के गिरते ग्राफ का फायदा उठाने की तैयारी में बीजेपी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केसीआर के नेतृत्व वाले बीआरएस की घटती लोकप्रियता के ग्राफ को भुनाते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तेलंगाना में आगामी लोकसभा चुनावों में दोहरे अंक में सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

पार्टी ने 2014 में एक सीट और 2019 में चार सीटें जीती थीं। भाजपा पदाधिकारियों का कहना है कि प्रेरक कारक विधानसभा चुनाव में हार के बाद राज्य में बीआरएस का गिरता ग्राफ है। भाजपा इसे राज्य में कांग्रेस के लिए एक मजबूत राजनीतिक विकल्प और मुख्य विपक्ष बनने का एक उत्कृष्ट अवसर के रूप में देखती है, जिससे पार्टी एक ताकत बन जाएगी। बीजेपी इस बार तेलंगाना में दोहरे अंक में सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

मौजूदा राजनीतिक हालात को लेकर बीजेपी आलाकमान और प्रदेश नेतृत्व एकमत हैं। पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले एक पखवाड़े में तेलंगाना का तूफानी दौरा किया है। शुक्रवार को पीएम मोदी मल्काजगिरी में रोड शो भी कर रहे हैं। दोनों को कर्नाटक के अलावा दक्षिण से अधिक से अधिक लोकसभा सीटें जीतने की उम्मीद है। पीएम मोदी ने 4 और 5 मार्च को तेलंगाना का दौरा किया और आदिलाबाद और संगारेड्डी जिलों में सार्वजनिक बैठकों को संबोधित किया। बाद में, अमित शाह ने 12 मार्च को हैदराबाद का दौरा किया।

मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण लागू करने का श्रेय कांग्रेस को : रेवंत

एलबी स्टेडियम में इफ्तार रात्रिभोज आयोजित

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मुस्लिम भाइयों को रमज़ान की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार मुस्लिम और ईसाई अल्पसंख्यकों के विकास के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वाईएस राजशेखर रेड्डी के शासनकाल के दौरान मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का श्रेय कांग्रेस पार्टी को दिया जाता है। मोदी और अमित शाह कहते हैं कि वे मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण रद्द कर देंगे। मुस्लिमों का 4 फीसदी आरक्षण ख़त्म करना मोदी और अमित शाह की वजह से नहीं होगा। यह हमारी जिम्मेदारी है कि मुसलमानों के लिए 4 फीसदी आरक्षण लागू हो। सरकार अल्पसंख्यक स्कूलों और आवासीय भवनों के लिए पहले ही धनराशि जारी कर चुकी है। हम सभी क्षेत्रों में मुस्लिम अल्पसंख्यकों को उचित स्थान दे रहे हैं। इस अवसर पर सरकार के सलाहकार मोहम्मद शब्बीर अली आदि उपस्थित थे।

इको टूरिज्म विकास हेतु वन और पर्यटन विभाग मिलकर काम करें : सीएम

रेवंत रेड्डी ने वन विभाग की समीक्षा की

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को राज्य में इको-पर्यटन के विकास के लिए योजना तैयार करने का आदेश दिया। राज्य वन विभाग के अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने और इको-पर्यटन परियोजनाओं के विकास के लिए पर्यटन विभाग के साथ मिलकर काम करने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सुंदर जंगलों, जंगली जानवरों के आवास, प्रवासी विदेशी पक्षियों, जैव विविधता क्षेत्रों, विरासत स्थलों और तेलंगाना संस्कृति को प्रतिबिंबित करने वाले क्षेत्रों की पहचान करके उन्हें आकर्षक पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया। सीएम ने कहा कि वनों और पर्यटन क्षेत्रों की प्राकृतिक सुंदरता को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का लक्ष्य रखते हुए प्रस्ताव बनाये जाएं। सीएम रेवंत ने इको पर्यटन परियोजनाओं के विकास के लिए प्रस्ताव तैयार करने के लिए, यदि आवश्यक हो, विशेष परामर्शदाता नियुक्त करने का सुझाव दिया। अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि वे उत्तरी तेलंगाना में कवल और दक्षिण तेलंगाना में अमराबाद टाइगर रिजर्व परियोजना को बड़े पर्यटक स्थलों के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर गौर करें। सीएम ने इस बात पर जोर दिया कि पर्यटन परियोजनाओं से जंगली जानवरों को नुकसान न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष पर्यटन नीति लाई जानी चाहिए। अधिकारियों को

उन राज्यों में अध्ययन करने के लिए कहा गया है जहां वन क्षेत्रों में पर्यटकों के लिए शिविर उपलब्ध कराए जाते हैं। शिविरों में अपनाए जाने वाले सुरक्षा एवं सुरक्षा उपायों को राज्य में भी लागू किया जाना चाहिए। सीएम रेवंत रेड्डी ने आज (शुक्रवार) सचिवालय में राज्य वन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा की। राज्य के पर्यावरण और वन मंत्री कोंडा सुरेखा, वन विभाग के प्रमुख सचिव वाणी प्रसाद, पीसीसीएफ डोबरियाल, सीएमओ के प्रमुख सचिव शेषाद्रि, सीएम सचिव चंद्र शेखर रेड्डी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। सीएम ने अधिकारियों को आदेश दिया कि जो कर्मचारी वन विभाग से प्रतिनियुक्ति पर हैं और दूसरे विभागों में काम कर रहे हैं, उनका विवरण तुरंत जमा करें। यदि आवश्यक हुआ तो उन्हें तुरंत वापस लाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। अधिकारियों ने सीएम का ध्यान इस ओर दिलाया कि जो कर्मचारी वर्षों से एक ही स्थान पर काम कर रहे हैं, उनका भी तबादला किया जाए और तबादलों पर लगी रोक हटाई जाए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, इसलिए तबादलों पर फैसला चुनाव आचार संहिता खत्म होने के बाद लिया जाएगा। सीएम ने सुझाव दिया कि कर्मचारियों के बच्चों की पढ़ाई में किसी भी तरह की असुविधा से बचने के लिए अधिकारियों का स्थानांतरण गर्मियों में पूरा किया जाना चाहिए। अधिकारियों को सामान्य तबादलों के लिए गाइडलाइन तैयार करने का भी निर्देश दिया गया है ताकि न केवल वन विभाग बल्कि सभी विभागों में वर्षों से एक ही स्थान पर काम कर रहे कर्मचारियों का स्थानांतरण किया जा सके। सीएम रेवंत रेड्डी ने जोर देकर कहा कि जो उद्योग प्रदूषण मानदंडों और मानकों का सख्ती से पालन करते हैं, उन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। हर वर्ष पर्यावरण दिवस पर प्रदूषण शून्य रखने वाली संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र दिये जायेंगे। सीएम ने अधिकारियों से करीमनगर, वारंगल और खम्मम में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और बिजली उत्पादन संयंत्रों की स्थापना की व्यवहार्यता का अध्ययन करने को कहा। सीएम ने अधिकारियों को सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। नियमों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों को नोटिस जारी किए जाएंगे और भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। सीएम ने राज्य में आईएफएस कैडर की ताकत पर भी चर्चा की। राज्य को स्वीकृत 81 आईएफएस पदों में से 55 पद ही भरे हुए हैं और शेष 26 आईएफएस पद अभी भी खाली हैं। बैठक में रिक्तियों के बिना पर्याप्त संख्या में आईएफएस के आवंटन की मांग के लिए केंद्र सरकार से अपील करने का निर्णय लिया गया। वन अधिकारियों ने सीएम को बताया कि राज्य की नर्सरियों में लगभग 22 करोड़ पौधे उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि इस वर्ष वर्षा ऋतु के प्रारम्भ में जून माह में वृक्षारोपण कार्यक्रम की व्यवस्था की जाय। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि जंगलों में जहां पेड़ काटे गए हैं, उन खाली जमीनों पर पौधारोपण किया जाए। बोरिंग कर जलापूर्ति के उपाय किये जायेंगे। अधिकारियों को अतिक्रमित वन भूमि के चारों ओर एक परिसर की दीवार या बाड़ लगाने और उनकी सुरक्षा के लिए उपाय करने का निर्देश दिया गया है। सीएम रेवंत ने केंद्र से मिलने वाले फंड का अधिकतम उपयोग करने का सुझाव दिया।

आसिफाबाद-रेचिनी रोड के बीच विद्युतीकरण के साथ लाइन चालू

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। काजीपेट-बल्हारशाह विद्युतीकरण परियोजना के हिस्से के रूप में दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने आसिफाबाद-रेचिनी रोड 19 किलोमीटर की दूरी के बीच विद्युतीकरण के साथ-साथ तीसरी लाइन का काम पूरा और चालू कर दिया है। काजीपेट-बल्हारशाह के बीच का खंड ग्रैंड ट्रंक रूट के साथ स्थित एक महत्वपूर्ण रेल लिंक है जो देश के उत्तरी भागों को दक्षिणी क्षेत्र से जोड़ता है। इसके साथ ही इस परियोजना के तहत अब कुल 151 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है। पहले पूर्ण हो चुके राघवपुरम-मंदमरी खंड को ध्यान में रखते हुए, अब काजीपेट-बल्हारशाह खंड में कुल 184 किलोमीटर में विद्युतीकरण के साथ तीसरी लाइन की सुविधा है। एससीआर पर काजीपेट-बल्हारशाह के बीच का खंड

तेलंगाना और महाराष्ट्र दोनों राज्यों में आता है। ग्रैंड ट्रंक मार्ग के अंतर्गत आने वाली इस मुख्य लाइन पर यात्री और माल यातायात दोनों में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है, जिससे इस खंड की अतिसंतृप्ति हो गई है। इस महत्वपूर्ण खंड पर भीड़-भाड़ कम करने के लिए, शुरूआत में राघवपुरम-मंदामरि के बीच 33 किलोमीटर की दूरी के लिए ट्रिपलिंग का काम वर्ष 2016 में पूरा किया गया है। यातायात को और कम करने के लिए, ट्रिपलिंग और 202 किलोमीटर (तेलगाना-159 किलोमीटर और महाराष्ट्र-43 किलोमीटर) की दूरी के लिए काजीपेट-बल्हारशाह खंड के शेष हिस्से पर विद्युतीकरण कार्य 2015-16 में 2,063 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ स्वीकृत किया गया है। इसके हिस्से के रूप में, हसनपर्थी रोड - राघवपुरम और के बीच 72 कि.मी. सिरपुर कागजनगर-मानिकगढ़ के बीच 60 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है। अब, तेलंगाना राज्य में पड़ने वाले 159 किलोमीटर के खंड में से, आसिफाबाद - रेचिनी रोड के बीच 19 किलोमीटर की दूरी के लिए तीसरी लाइन का काम पूरा हो गया है, जो कुमराम भीम आसिफाबाद और आदिलाबाद जिलों के अंतर्गत आता है, जिससे इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला है। इस खंड की तीसरी लाइन के चालू होने से इस ग्रैंड ट्रंक मार्ग पर मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों दोनों के लिए भीड़ कम हो जाएगी। शेष हिस्सों में कार्य तेजी से प्रगति पर है। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने तय समय के अनुसार तीसरी लाइन का काम पूरा करने के लिए सिकंदराबाद डिवीजन और निर्माण संगठन दोनों की पूरी टीम की सराहना की है। उन्होंने कहा कि काजीपेट-बल्हारशाह ट्रिपलिंग परियोजना में शेष खंड तेज गति से प्रगति कर रहे हैं और एक बार परियोजना पूरी हो जाने पर, इस अतिसंतृप्त मार्ग में भीड़ कम हो जाती है और माल और यात्री ट्रेनों को प्रभावी ढंग से संभालने में सुविधा होती है।

पूर्व सांसद जितेंद्र रेड्डी कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद जितेंद्र रेड्डी अपने बेटे के साथ मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और एआईसीसी प्रभारी दीपादास मुंशी की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हो गए। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पूर्व सांसद जितेंद्र रेड्डी से मुलाकात की थी।

सरकार ने स्वीकृत की सिराला परियोजना के लिए धनराशि

भैंसा, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विधायक पावर रामाराव पटेल ने बताया कि राज्य सरकार ने सिराला परियोजना के निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत कर दी है। पिछले दिनों भारी बारिश के कारण सिराला परियोजना बंद हो गई थी।

उन्होंने कहा कि जीओ आज रिलीज हो गया है और अधिकारियों को ऑर्डर भी मिल गए हैं। सरकार ने परियोजना के निर्माण के लिए 12 करोड़ 37 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत करने का आदेश जारी किया। विधायक ने सरकार द्वारा राशि दिए जाने पर मुख्यमंत्री एवं संबंधित मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

CLASSIFIEDS

PLOT FOR SALE

COMMERCIAL PLOT FOR SALE, SURARAM, BESIDE CMR INTERNATIONAL SCHOOL, NEAR RAMALAYAM, IDA JEEDIMETLA, HYDERABAD. 115 Sq. Yds., 22 Fts. x 47 Fts., N/F, 60 FEETS MAIN ROAD, Rs. 55,000/- PER Sq. Yd. TOTAL PLOT COST - Rs. 63,25,000/- PH.: 9346571717.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

हैदराबाद के शीर्ष दानदाताओं एमईआईएल, हेटेरो, अरबिंदो ने छापेमारी के बाद की फंडिंग

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चुनाव आयोग को सौंपे गए दस्तावेजों से पता चला है कि चुनावी बांड के माध्यम से राजनीतिक दलों को 1,214 करोड़ रुपये की भारी भरकम धनराशि दी गई।

हैदराबाद स्थित मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड देश में सबसे बड़े राजनीतिक दानकर्ता होने के चार्ट में शीर्ष पर है। एमईआईएल और वेस्टर्न यूपी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के बैनर तले ग्रुप ने करीब 1,200 करोड़ रुपये का दान दिया है। तेलुगु भाषी दो राज्यों में राजनीतिक योगदान तेलुगु राज्यों की दो पार्टियों ने भी प्रमुख स्थानों पर कब्जा किया। जिसे 218.88 करोड़ रुपये का दान मिला। एसबीआई ने अभी तक पूरी जानकारी नहीं दी है। कुल मिलाकर, 27 राजनीतिक दलों को वित्तीय अवधि 2018-2024 के दौरान 20,421 बांड के माध्यम से 12,769.01 करोड़ रुपये मिले। एसबीआई और ईसी ने खरीदार और क्रेता (राजनीतिक दल) के बीच संबंधों से संबंधित डेटा प्रस्तुत नहीं किया है। इसका मतलब यह है कि जनता के पास दानदाताओं की सूची और राजनीतिक दलों की सूची है और उन्हें चुनावी बांड के माध्यम से कितना प्राप्त हुआ है, किस दानकर्ता ने किस पार्टी को योगदान दिया, इसका डेटा अभी तक सामने नहीं आया है। चुनावी बांड के दानदाताओं पर छापों का इतिहास रहा है हेटेरो ड्रग्स और हेटेरो लैब्स : हैदराबाद स्थित फार्मा दिग्गज- 60 करोड़ रुपये के बांड खरीदकर दानदाताओं की सूची में शामिल है। इस पर 2021 में आयकर अधिकारियों द्वारा छापा मारा गया था। 6 अक्टूबर, 2021 को आयकर विभाग की कर चोरी विरोधी शाखा ने हैदराबाद को केंद्र बनाकर छह राज्यों में 50 स्थानों पर हेटेरो लैब के कार्यालयों की तलाशी ली और 142 करोड़ रुपये जब्त किए। कंपनी और अध्यक्ष हेटेरो फार्मास्युटिकल समूह मध्यवर्ती, सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई) और फॉर्मूलेशन के निर्माण के व्यवसाय में है। अधिकांश उत्पाद विदेशी देशों, मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप, दुबई और अफ्रीकी देशों में निर्यात किए जाते हैं। ईसीआई के साथ हेटेरो ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन द्वारा दायर हलफनामे के अनुसार, उनकी चल संपत्ति 3,858 करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि उनकी अचल संपत्ति 50 करोड़ रुपये आंकी गई है। हेटेरो ग्रुप के चेयरमैन का राजस्व 135 करोड़ रुपये है। पार्थसारधि की अधिकांश संपत्ति हेटेरो लैब्स, ऑनर लैब्स, हेटेरो ड्रग्स, हिंडीज लैब्स और हेजेलो लैब्स के शेयरों में हैं। उनका म्यूचुअल फंड में भी 179 करोड़ रुपये का निवेश है। उनके खिलाफ चार मामले दर्ज हैं, सभी ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत। चार मामलों में से दो बिहार के मुजफ्फरपुर में, एक तमिलनाडु के सेलम में और एक सोलन, हिमाचल प्रदेश में दर्ज है।

मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड तेलंगाना स्थित इस कंपनी पर 2019 में आयकर अधिकारियों ने छापा मारा था। भारत के 54वें सबसे अमीर आदमी पीवी कृष्णा रेड्डी द्वारा संचालित एमईआईएल ने वित्त वर्ष 2023 में प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट को 87 करोड़ रुपये का दान दिया। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार, बिजनेस टाइकून जिनकी संपत्ति 2023 में 4.05 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई, वह सबसे बड़े राजनीतिक व्यक्ति माने जाते है। फंडर हैदराबाद से बाहर स्थित है। एमईआईएल दोनों सूची में शामिल है- चुनावी बांड और चुनावी ट्रस्ट, हालांकि दानदाताओं और खरीदारों के बीच संबंध को अभी तक प्रचारित नहीं किया गया है, लेकिन यह संकेत दिया गया है कि कई राजनीतिक दलों को फंडिंग से लाभ हुआ है। अरबिंदो समूह हैदराबाद का एक और प्रमुख दानदाता है।

एचएमडीए के पूर्व निदेशक बालकृष्ण के पास 100 करोड़ रुपये की संपत्ति

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एचएमडीए के पूर्व निदेशक और तेलंगाना राज्य रियल एस्टेट विनियमन प्राधिकरण (टीएस रेरा) के पूर्व सचिव एस. बालकृष्ण, जिन्हें भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने अवैध संपत्ति के मामले में गिरफ्तार किया था, के पास कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति थी। इस बीच, एक अदालत ने बालकृष्ण द्वारा दायर जमानत याचिका को लगातार दूसरी बार खारिज कर दिया, जब एसीबी अधिकारियों ने तर्क दिया कि आरोपी अधिकारी बहुत प्रभावशाली है और सबूतों को नष्ट करने और गवाहों को प्रभावित करने में शामिल हो सकता है। इस आधार पर कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी।

एसीबी अधिकारियों ने बालकृष्ण और उनके परिवार के सदस्यों की जब्त संपत्तियों का मूल्यांकन शुरू कर दिया है। सूत्रों ने कहा कि वह अवैध संपत्तियों को इकट्ठा करने में शामिल था और व्यवसायियों से मामूल के रूप में प्राप्त धन का निवेश करके अपने परिवार के सदस्यों को विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों में निवेश करने के लिए प्रेरित करता था। जांच एजेंसी ने हैदराबाद और उसके आसपास के विभिन्न स्थानों पर स्थित खुले भूखंडों, वाणिज्यिक परिसरों, आवासीय और कृषि भूमि से संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं। अधिकारियों की एक टीम ने बाजार मूल्य के आधार पर जब्त संपत्तियों के मूल्य का आकलन करना शुरू कर दिया है। छापेमारी के दौरान कई महंगे मोबाइल फोन, लैपटॉप और गैजेट जब्त किए गए। टीमें ऐसी संपत्तियों के मूल्य का आकलन करने में लगी हुई हैं और आरोपी अधिकारी द्वारा एकत्रित की गई संपत्तियों पर निष्कर्ष निकालेंगी। एसीबी अधिकारी संपत्तियों और उसके मूल्य के विवरण को अंतिम रूप देने के लिए स्टांप और पंजीकरण विभाग के अधिकारियों की भी सहायता लेंगे। एसीबी ने बालकृष्ण के भाई शिवा नवीन कुमार को भी गिरफ्तार किया था और दोनों आरोपियों ने जमानत याचिका दायर की है। एसीबी ने यह कहते हुए आरोपियों की जमानत का विरोध किया कि मामले की अभी भी जांच चल रही है, जिसके बाद एसीबी अदालत ने दोनों जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं।

पूर्व तट रेलवे

Gem ID No. GEM/2024/B/4669105, दिनांक : 09.03.2024

कार्य का नाम : वार्षिक रख-रखाव ठेका-हैन्ड हेल्ड टर्मिनल (Hand Held Terminal); मेक-DATAMINI।

अनुमानित बिड मूल्य (रुपये में): 14,93,012/-, EMD (रुपये में): 29,900/-, ठेका अवधि: 2 वर्ष।

बिड बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 30.03.2024 को 1500 बजे, बिड खुलने की तिथि व समय: दिनांक 30.03.2024 को 1530 बजे।

विस्तृत विवरण वेबसाइट https://gem.gov.in/ में उपलब्ध है।

मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

PR-1176/O/23-24

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.WAT-MaChr-009

Seq. सं. AA/1: लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-VZM-MaChr-46-24-1 (Misc-Static-Services-Relaxation Chair), विवरण: विजयनगरम रेलवे स्टेशन पर विश्राम कुर्सी का संस्थापन, परिचालन एवं रख-रखाव।

दर यूनिट : वार्षिक लाइसेंस शुल्क, ट्रिप/दिवस : 1095, लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : दिनांक 22.03.2024 को 1100 बजे, लॉट समाप्ति की तिथि व समय : दिनांक 22.03.2024 को 1130 बजे , न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

द्रष्टव्य: संपूर्ण सूचनावली www.ireps.gov.in में उपलब्ध।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-1172/O/23-24

अंतर्राष्ट्रीय उन्नत अनुसंधान केंद्र पाउडर मेटाल्लार्जी व नई सामग्री संबद्ध (एआरसीआई)

(इंटरनेशनल एडवान्स्ड रीसर्च सेंटर फार पाउडर मेटाल्लार्जी एंड न्यू मटेरियल्स-एआरसीआई) (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्त अनुसंधान और विकास केंद्र) पी.ओ. बालापुर, हैदराबाद-500005

एआरसीआई ARCI

विज्ञापन सं. एआरसीआई/एचआरडी/आरइसीटी/1/2024

वैज्ञानिक (साइन्टिस्ट) जी की नियुक्ति सीधी भर्ती के आधार पर

एआरसीआई द्वारा, 7TH सीपीसी नुसार, 14 वेतन स्तर में वैज्ञानिक (साइन्टिस्ट) जी के दो पदों की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। जिसमें चयनित अभ्यर्थियों को, निम्नलिखित में से किसी भी क्षेत्र में, प्रमुख कार्यक्रम का नेतृत्व करने के प्रति उपयुक्त अनुसंधान और विकास विशेषज्ञता का अनुभव होना चाहिए।

(i)उन्नत निर्माण प्रक्रिया या एडवान्स्ड मैन्युफैक्चरिन्ग प्रोसेस
(ii) सामग्री डिजाइन और अभियांत्रिकी या मटेरियल्स डिजाइन एन्ड इन्जीनियरिन्ग
(iii) उन्नत ऊर्जा सामग्री और प्रणालियाँ या एडवान्स्ड एनर्जी मटेरियल्स एन्ड सिस्टम्स

इच्छुक अभ्यर्थींगण, तत्संबंधित विज्ञापन की विस्तृत जानकारी हेतु एआरसीआई की वेबसाइट देख सकते हैं। तत्संबंधित भरे गए आवेदनों की प्राप्ति की अंतिम तिथि 14 अप्रैल,2024 है।

संपूर्ण जानकारी हेतु - https://www.arci.res.in/careers पर लागआन करें।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 358 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.7 2080 शनिवार, 16 मार्च-2024

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

'भाजपा ने करोड़ों रुपये का चंदा लिया पर हमारे खाते सीज कर दिए : खड़गे

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को इलेक्टोरल बॉन्ड के आंकड़े सार्वजनिक कर दिए। कांग्रेस ने इन आंकड़ों पर सवाल उठाए हैं और इलेक्टोरल बॉन्ड्स की एंट्री में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि चुनावी बॉन्ड से पैसे बनाए हैं और उन्होंने इसकी जांच कराने की मांग की। खड़गे ने ये भी आरोप लगाया कि चुनाव के समय कांग्रेस पार्टी के बैंक खाते आयकर विभाग ने सीज कर दिए हैं, इससे चुनाव में बराबरी की लड़ाई कैसे होगी? >14

एमएलसी कविता गिरफ्तार

दिल्ली में होगी पूछताछ, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई

हैदराबाद, 15 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाले मामले में ईडी ने तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर की बेटी और विधायक के. कविता को गिरफ्तार कर लिया है।

जांच एजेंसी उन्हें पूछताछ के लिए दिल्ली ले जा रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार सुबह बीआरएस नेता कविता के हैदराबाद स्थित घर पर छापेमारी की थी। कविता ने जांच एजेंसी के कई समन नजरअंदाज किए थे, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। कविता तेलंगाना में विधान परिषद (एमएलसी) की सदस्य हैं।

शराब घोटाले के आरोपी अमित अरोड़ा ने कविता का नाम लिया था :

मार्च 2023 में ईडी ने दिल्ली शराब घोटाले मामले में के. कविता का नाम भी शामिल किया था। ईडी ने जांच को लेकर कुछ डॉक्यूमेंट्स कोर्ट में पेश किए थे। इसमें कविता का नाम भी था। उन पर आप नेताओं को 100 करोड़ भुगतान कराने का आरोप है। मामले में अपना नाम सामने आने के बाद कविता ने भाजपा पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि चुनावी राज्यों में पीएम मोदी से पहले ईडी पहुंच जाती है। ईडी ने गुरुग्राम से कारोबारी अमित अरोड़ा को गिरफ्तार किया था। ईडी के मुताबिक अमित अरोड़ा ने अपने बयान में टीआरएस नेता के नाम का खुलासा किया था। एजेंसी ने दावा किया था कि कविता 'साउथ ग्रुप' नाम की एक शराब लॉबी की एक मुख्य लीडर थीं। उन्होंने अन्य कारोबारी के माध्यम से दिल्ली में आप सरकार के नेताओं को 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया।

ईडी ने हैदराबाद के व्यवसायी अरुण रामचंद्रन पिल्लई को हिरासत में लिया था। अरुण को के. कविता का करीबी माना जाता है। पिल्लई पर आरोप है कि उसने शराब नीति में बदलाव के लिए आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपये भेजे थे। एक और अन्य शराब कारोबारी अमनदीप ढल को भी ईडी की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। इसी दिल्ली शराब नीति केस में मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी 2023 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। 7 दिन की सीबीआई रिमांड के बाद कोर्ट ने 6 मार्च को सिसोदिया को 20 मार्च (14 दिन) की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेजा गया था। ईडी ने बताया था कि नई शराब नीति बनाने में साउथ दिल्ली के व्यापारियों से 100 करोड़ की रिश्वत ली गई थी।

डीएमके और कांग्रेस का सारा घमंड तोड़ देंगे : मोदी

तिरुवनंतपुरम, 15 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तमिलनाडु के कन्याकुमारी में जनसभा की। पीएम ने कहा, आज कन्याकुमारी से देश के इस दक्षिणी छोर से जो लहर उठी है ये लहर बहुत दूर तक जाने वाली है। मैं 1991 में एकता यात्रा लेकर कन्याकुमारी से कश्मीर गया था, इस बार मैं कश्मीर से कन्याकुमारी आया हूं।

उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने देश को तोड़ने का सपना देखने वालों को नकार दिया है। अब तमिलनाडु के लोग भी ऐसा ही करने जा रहे हैं। मैं तमिलनाडु की धरती पर बहुत बड़े परिवर्तन की आहट देख रहा हूं। तमिलनाडु में भाजपा का प्रदर्शन इस बार डीएमके और कांग्रेस के इंडिया गठबंधन का सारा घमंड तोड़ कर रख देगा।

पीएम की 17 दिनों में तमिलनाडु की यह दूसरी यात्रा है। इससे पहले 28 फरवरी को उन्होंने थूथुकुडी में 17 हजार 300 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स की नींव रखी। इनमें देश का पहला हाइड्रोजन हब पोर्ट और इनलैंड वाटर वे वेसल और कुलाशेखरपट्टीनम में इसरो का नया लॉन्च कॉम्प्लेक्स भी शामिल है। पीएम ने कहा, इंडी अलायंस कभी भी तमिलनाडु को विकसित नहीं बना सकता। इन लोगों का इतिहास घोटालों का है। इन लोगों की राजनीति का आधार लोगों को लूटने के लिए सत्ता में आना है। एक तरफ भाजपा की कल्याणकारी योजनाएं होती हैं, तो दूसरी ओर इनके करोड़ों के घोटाले होते हैं। हमने ऑप्टिकल फाइबर, 5जी, डिजिटल इंडिया स्कीम दी। इंडी अलायंस के नाम पर लाखों करोड़ रुपये का 2जी का स्कैम है, और डीएमके उस लूट की सबसे बड़ी हिस्सेदार थी। हमारे नाम पर उड़ान स्कीम है, इंडी अलायंस के नाम हेलीकॉप्टर स्कैम है। हमारी खेलो इंडिया और टीओपीएस स्कीम्स से देश ने खेलों में ऊंचा मुकाम हासिल किया, लेकिन उनके नाम पर सीडब्ल्यूजी स्कैम का दाग है। मोदी ने कहा, कन्याकुमारी ने हमेशा भाजपा को भरपूर प्यार दिया है। 20 साल पहले अटल जी ने नॉर्थ साउथ कॉरिडोर की नींव रखी थी। इस कोरीडोर के कन्याकुमारी-नारिक्कुलम ब्रिज का काम इन लोगों ने इतने वर्षों तक लटका कर रखा। 2014 में जब हमारी सरकार आई तब हमने उसे पूरा किया। हमें इसके लिए अतिरिक्त फंड देना पड़ा तब ये काम शुरू हो पाया।मैंने हाल ही में थूथुकुडी में चिदंबरनार बंदरगाह का उद्घाटन किया है। हमारी सरकार मछुआरों के कल्याण के लिए भी काम कर रही है।

मेहनत करने में महिलाएं कभी पीछे नहीं हटतीं उनके लिए गृहलक्ष्मी न्याय गारंटी : राहुल

मुंबई, 15 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस भी भारत जोड़ो न्याय यात्रा का शुक्रवार (15 मार्च) को 62वां दिन है। आज यात्रा महाराष्ट्र के पालघर पहुंची। यहां राहुल गांधी ने कहा, घर हो या दफ्तर, मेहनत करने में महिलाएं कभी पीछे नहीं हटतीं और उनकी इसी मेहनत को कांग्रेस की 'गृहलक्ष्मी न्याय गारंटी' का सलाम है। भावी पीढ़ी के पालन पोषण के लिए पूरा देश नारी शक्ति का कृतज्ञ है। साल की 1 लाख रुपये की राशि न केवल उन्हें मजबूत करेगी, बल्कि एक झटके में गरीबी का खात्मा भी करेगी।

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि आपसे (जनता) से चौबीसों घंटे चोरी हो रही है और आप लोग केवल सिर हिला रहे हैं। देश की 88 प्रतिशत आबादी को देश में भागीदारी नहीं है। देश की हाईकोर्ट में 650 जज हैं। सालों साल केस चलता रहता है। राहुल गांधी ने अग्निवीर योजना पर भी सवाल उठाए। वहीं, वाडा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जयराम रमेश ने कहा कि महाराष्ट्र का चरण नंदूरबार से शुरू हुआ था और 16 मार्च को मुंबई में खत्म होने वाला है। ध्रुवीकरण की राजनीति के खिलाफ '5 साल, 5 न्याय और 25 गारंटी' हमारा जवाब रहेगा। राहुल गांधी की न्याय यात्रा गुरुवार 14 मार्च को महाराष्ट्र के नासिक में थी। राहुल ने यहां के प्रसिद्ध त्र्यंबकेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की। हिंदू धर्म की मान्यताओं के मुताबिक, भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग यहां पर स्थित है। राहुल ने पूजा के बाद गुरुवार दोपहर नासिक से अपनी न्याय यात्रा फिर शुरू की। उन्होंने यहां एक सभा को संबोधित किया और केंद्र सरकार पर देश के लोगों के साथ आर्थिक अन्याय करने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा, कितने पुलिस, आईएएस-आईपीएस, परीक्षा देने वालों, मजदूरों, छोटे दुकानदारों का कर्ज माफ हुआ? एक रुपया भी नहीं।

हो गया बिहार की नीतीश कुमार सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार

पटना, 15 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के अंदर सीट बंटवारे को लेकर उठापटक खत्म होने से पहले निर्वाचन आयोग की ओर से अधिसूचना की तारीख आ गई। शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राज्य की एनडीए सरकार ने मंत्रिमंडल का आकार बढ़ा लिया। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के 12 और जनता दल यूनाईटेड के नौ मंत्रियों ने शपथ ली। इसके साथ ही मुख्यमंत्री समेत बिहार में मंत्रियों की संख्या 30 हो गई। जय श्री राम के जयघोष के बीच राजभवन में शपथ ग्रहण हुआ। इसी साल 28 जनवरी को नाटकीय घटनाक्रम के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2020 के जनादेश की ओर वापसी करते हुए एनडीए सरकार के मुखिया के तौर पर शपथ ली थी। >14

सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड मामले में एसबीआई से जवाब मांगा

चुनाव आयोग को दिए डेटा में यूनिक नंबर क्यों नहीं

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि 11 मार्च के फैसले में स्पष्ट कहा गया था कि बॉन्ड की पूरी डिटेल खरीदी की तारीख, खरीदार का नाम, कैटेगरी समेत दी जाए, लेकिन एसबीआई ने यूनीक अल्फा न्यूमेरिक नंबर्स का खुलासा नहीं किया है।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा चुनाव आयोग (ईसीआई) की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने कहा कि एसबीआई 18 मार्च तक नंबर की जानकारी नहीं दिए जाने का जवाब दे। कोर्ट ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि चुनाव आयोग (ईसी) से मिले डेटा को 16 मार्च की शाम 5 बजे तक स्कैन और डिजिटलाइज किया जाए। प्रोसेस पूरी होने के बाद ओरिजनल कॉपी आयोग को लौटा दी जाए। एक कॉपी कोर्ट में रखी जाए और फिर इस डेटा को चुनाव आयोग की वेबसाइट पर 17 मार्च तक अपलोड किया जाए। ईसी का कहना है कि उसने सुप्रीम कोर्ट को दो किश्तों में दस्तावेज दिए हैं। जिसमें अप्रैल 2019 से नवंबर 2023 तक का डेटा था। पहली किश्त में 106 सीलबंद लिफाफे और दूसरी किश्त में 523 सीलबंद लिफाफे वाले बक्से थे। आयोग का कहना है कि वापस मिलने के बाद ही यह डेटा अपलोड हो सकता है। इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने से जुड़े केस में एसबीआई की याचिका पर 11 मार्च को सुनवाई हुई थी।

सीएए पर 19 मार्च को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सीएए के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने सीएए कानून पर रोक की मांग को लेकर याचिका दायर की थी। अब सुप्रीम कोर्ट 19 मार्च को आईयूएमएल की याचिका पर सुनवाई करेगा। 3

आईयूएमएल ने याचिका में कहा है कि सीएए कानून असंवैधानिक और मुसलमानों के खिलाफ भेदभावपूर्ण है। आईयूएमएल का दावा है कि सीएए कानून के प्रावधान मनमाने हैं और सिर्फ धार्मिक पहचान के आधार पर एक वर्ग को अनुचित लाभ देते हैं, जो संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 का उल्लंघन है।

टिकट कटने की चर्चा के बीच

बृजभूषण सिंह का पीएम मोदी को 'थैंक्यू'

लखनऊ, 15 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र की भाजपा सरकार ने देश की जनता को राहत देते हुए बड़ा फैसला लिया है।

बीते दिन यानी गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपए प्रति लीटर की कटौती करने का फैसला लिया, जिससे लोगों को काफी राहत मिली है। वहीं भाजपा सरकार के इस फैसले से सांसद बृजभूषण शरण सिंह गदगद हो गए हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री के इस फैसलों को जमकर सराहा है।

बृजभूषण सिंह ने किया ट्विट

बृजभूषण शरण सिंह ने पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक पोस्ट शेयर किया है।

उन्होंने लिखा कि देशवासियों को राहत देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 प्रति लीटर की कटौती करने का निर्णय किया है। पीएम के अथक प्रयासों से देश में पेट्रोल के दाम में पिछले ढ़ाई वर्षों में लगभग 15 प्रति लीटर और डीजल के दाम में लगभग 17 प्रति लीटर की कमी आई है। इस निर्णय के लिए मैं (बृजभूषण शरण सिंह) प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूं।'

बीजेपी काट सकती है बृजभूषण सिंह का टिकट

लोकसभा चुनाव की तारीख अब कभी भी घोषित की जा सकती है। इसको लेकर राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है।

इसी चर्चा के बीच बृजभूषण शरण सिंह काफी सुर्खियों में आ गए हैं। बता दें, वह उत्तर प्रदेश की कैसरगंज सीट से बीजेपी सांसद हैं। भाजपा ने बीते दिनों अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी किया, जिसमें यूपी के 51 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम जारी किए। लेकिन बीजेपी की इस लिस्ट में बृजभूषण सिंह का नाम शामिल नहीं था, जिसके बाद से इस बात के चर्चे तेज हो गए हैं कि भाजपा बृजभूषण का टिकट काट सकती है।

उनकी पत्नी या बेटे को टिकट मिलने की उम्मीद

कयास लगाए जा रहे हैं कि महिला पहलवानों के द्वारा बृजभूषण सिंह के खिलाफ लगाए गए आरोपों के कारण भाजपा उनका टिकट काट सकती है। हालांकि, उनके बदले उनकी पत्नी केतकी देवी सिंह या उनके बेटे प्रतीक भूषण को कैसरगंज सीट से मौका दिया जा सकता है। वहीं, चर्चा यह भी है कि बृजभूषण सिंह सपा के संपर्क में हैं।

'ये सत्ता में रहने के लिए कुछ भी कर सकते हैं'

बीजेपी पर भड़के शिवपाल ने कर दी बड़ी भविष्यवाणी

बदायूं, 15 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में बनी कमेटी द्वारा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपने पर समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल सिंह यादव ने बीजेपी पर निशाना साधा है। शिवपाल ने बीजेपी को सत्ता के घमंड में चूर बताते हुए भविष्यवाणी की कि आगामी चुनावों में इंडी अलायंस की ही जीत होगी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च-स्तरीय समिति ने पहले कदम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की तथा इसके बाद 100 दिनों के भीतर एक साथ स्थानीय निकाय चुनाव कराने की सिफारिश की थी।

'ये लोग लोकतंत्र और संविधान को मानते नहीं है'

समाजवादी पार्टी के नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा, 'बीजेपी की सरकार सत्ता में है तो घमंड में है और ये कुछ भी कर सकते हैं। लोकतंत्र और संविधान को मानते नहीं है। ये सत्ता में रहने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। इनको हमारा इंडिया गठबंधन और सपा ही सत्ता से हटाने का काम करेगी।' बता दें कि उत्तर प्रदेश में इंडी अलायंस के तहत कांग्रेस 80 में से 17 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है और बाकी की 63 सीटों पर समाजवादी पार्टी एवं अन्य सहयोगी दल चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि पिछले चुनावों में भी सपा और बसपा के बीच गठबंधन था लेकिन फिर भी एनडीए ने यूपी में शानदार प्रदर्शन किया था।

विधि आयोग भी जारी कर सकता है रिपोर्ट

वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी गई 18000 से ज्यादा पृष्ठों की रिपोर्ट में कोविंद की अगुवाई वाली समिति ने कहा कि एक साथ चुनाव कराए जाने से विकास प्रक्रिया और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा मिलेगा। विधि आयोग भी एक साथ चुनाव विषय पर जल्द ही अपनी रिपोर्ट जारी कर सकता है। सूत्रों ने बताया कि विधि आयोग 2029 से सरकार के सभी तीन स्तरों - लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और नगर पालिकाओं और स्थानीय निकायों - के लिए एक साथ चुनाव कराने और सदन के त्रिशंकु होने या अविश्वास प्रस्ताव जैसे मामलों में एकता सरकार के प्रावधान की सिफारिश कर सकता है। 4 राज्यों में विधानसभा चुनावों के साथ लोकसभा के लिए अप्रैल-मई में चुनाव होने की उम्मीद है।

लालू यादव के बेटे तेज प्रताप की अचानक से तबीयत हुई खराब, अस्पताल में भर्ती

पटना, 15 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप यादव की अचानक तबीयत खराब हो गई है। तेज प्रताप को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि उनके सीने में दर्द होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 9 महीने के अंदर यह दूसरी बार है, जब तेज प्रताप की तबीयत खराब हुई है। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। बता दें, गुरुवार को तेज प्रताप यादव ने बक्सर जिले का दौरा किया था। यहां तेज प्रताप ने कृष्णब्रह्म में ज्ञान बिंदु लाइब्रेरी का उद्घाटन किया था। तेज प्रताप यादव की इसके पहले जुलाई 2023 में भी तबीयत खराब हुई थी। इसके बाद उन्हें पटना के कंकड़बाग स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस वक्त भी तेज प्रताप के सीने में तेज दर्द की शिकायत थी। तब तेजप्रताप यादव को आईसीयू में रखा गया था।

देवर ने कुल्हाड़ी से काटकर की थी भाभी की हत्या, कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद

मुजफ्फरनगर, 15 मार्च (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर कोर्ट ने भाभी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या करने के मामले में आरोपी देवर को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उस पर एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अब से 13 वर्ष पूर्व मकान बंटवारे पर एक कमरे को लेकर हुए विवाद में यह घटना हुई थी। डीजीसी राजीव शर्मा और एडीजीसी अरुण कुमार जावला ने बताया कि थाना भोपा क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी में 13 वर्ष पूर्व मकान बंटवारे को लेकर विवाद हो रहा था। असगर पुत्र घसीटा निवासी मोहल्ला कलालान कस्बा भोकरहेड़ी थाना भोपा ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि उसके तीन पुत्र अशरफ, रियासत और लियाकत हैं।

विधवा महिला से पति का अवैध संबंध, रोज मनाते थे 'हनीमून'

झांसी, 15 मार्च (एजेंसियां)। झांसी के मऊरानीपुर थाना क्षेत्र के पुरानी मऊ गांव में एक महिला ने अपने पति पर अवैध संबंधों का आरोप लगाते हुए उसके द्वारा बेरहमी से पीटे जाने की शिकायत पुलिस से की है। पीड़िता का कहना है कि पति का एक विधवा महिला से अवैध संबंध है और जब उसने इसका विरोध किया तो पति ने उसके साथ मारपीट की। पीड़िता ने बताया कि उसके दो बच्चे हैं और उसका पति बालू ठेके का काम करता है। पति जो भी कमाता है वह उस विधवा महिला पर खर्च कर देता है। उसे खाने-पीने के लिए सिर्फ राशन-पानी दिया जाता है। जब उसने पति के अवैध संबंधों का विरोध किया तो पति ने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। दो दिन पहले, पति देर रात घर आया और जब उसने कारण पूछते हुए विरोध किया तो पति ने उसे बेरहमी से मारा। पति ने उसे धमकी दी कि वह उसे छोड़कर प्रेमिका के साथ रहेगा। पीड़िता ने किसी तरह बचकर पुलिस को फोन लगाया। मौके पर आई पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की।

पूर्व चेयरमैन शहला की बेटी और बरेली लोकसभा की पूर्व प्रत्याशी समन ताहिर को कोर्ट से लगा बड़ा झटका

बरेली, 15 मार्च (एजेंसियां)। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) की लोकसभा की पूर्व प्रत्याशी और नवाबगंज की पूर्व अध्यक्ष शहला ताहिर की बेटी समन ताहिर को कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने उनका रिवीजन खारिज कर दिया है। कोर्ट ने समन ताहिर के खिलाफ दर्ज केस में अदालत की ओर से लिए गए संज्ञान को सही माना है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी हेमेंद्र गंगवार ने बताया कि थाना शीशगढ़ में तैनात एसआई नरोत्तम सिंह ने 15 अप्रैल 2019 को प्रसपा की लोकसभा प्रत्याशी समन ताहिर के खिलाफ बिना अनुमति के वाहनों का काफिला निकालकर चुनाव प्रचार कर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप सही साबित होने पर पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी थी। जिस पर कोर्ट ने नोटिस जारी कर समन ताहिर को तलब किया था।

कोर्ट ने दोनों पक्ष की दलीलों को सुना

कोर्ट के संज्ञान लेकर तलब करने के खिलाफ समन ताहिर ने सेशन कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी। इस पर न्यायाधीश अजय कुमार शाही की कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्ष की दलीलों को सुनकर कोर्ट ने समन ताहिर का रिवीजन खारिज कर दिया।

ये था पूरा मामला

प्रसपा प्रत्याशी समन ताहिर ने शीशगढ़ कस्बे में रोड शो किया था। इस रोड शो में मानक से ज्यादा वाहन शामिल हुए थे। पुलिस ने शीशगढ़ में समन ताहिर के काफिले में शामिल 16 वाहनों को रोक लिया। समन ताहिर के पास रोड शो की परमीशन थी लेकिन रोड शो में ज्यादा वाहन शामिल होने पर उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया था।

अफीम की खेती करने पर खेत सीज भू-स्वामी भी गिरफ्तार

हंडिया, 15 मार्च (एजेंसियां)। नौनरा गांव में हो रही अवैध अफीम की खेती का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस, प्रशासन, आबकारी की टीम ने खेत को सीज कर दिया। इसके बाद डेढ़ हजार अफीम पोस्ता के पौधे, 1718 अफीम के फल बरामद किया गए हैं, जिसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई गई है। अवैध रूप से अफीम की खेती करने के आरोप में मुकदमा दर्ज करते हुए भू-स्वामी विजय चंद्र मौर्या को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया गया है कि नौनरा गांव निवासी विजय चंद्र पांच भाई हैं। जमीन का बंटवारा होने पर उसके हिस्से में 10 बिस्वा आई थी। उसी जमीन पर वह अवैध रूप से अफीम की खेती कर रहा था। इसकी भनक लगने पर पुलिस ने गोपनीय स्तर पर छानबीन की।

इसके बाद बुधवार से कार्रवाई की तैयारी की गई। एसीपी हंडिया पंकज लवानिया, तहसीलदार आकांक्षा मिश्रा, आबकारी इंस्पेक्टर पारुल चौधरी, हंडिया इंस्पेक्टर बृजकिशोर गौतम समेत अन्य की टीम खेत पर पहुंची। अधिकारियों ने पहले खेत को सीज किया और अफीम के पौधों व फलों को कटवाकर अपने कब्जे में ले लिया। भू-स्वामी विजय चंद्र के खिलाफ हंडिया थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा लिखा गया है। डीसीपी गंगानगर अभिषेक भारती का कहना है कि यहां उगाई जा रही अफीम आमतौर पर विदेशों में पाई जाती है। आरोपित से पूछताछ की जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसने किससे अफीम का बीज खरीदा था और किसको बेचने की तैयारी कर रहा था। नए नाम प्रकाश में आने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

'ईडी रेड करती है और फिर चुनाव बांड खरीदे जाते हैं':आरजेडी सांसद मनोज

पटना, 15 मार्च (एजेंसियां)। चुनावी बॉन्ड को लेकर मचे सियासी बवाल के बीच आरजेडी सांसद मनोज झा ने शुक्रवार को अपनी प्रतिक्रिया दी है। सांसद मनोज झा ने कहा कि लोग इसे आज देख रहे हैं। हर किसी को इसके बारे में पहले से ही पता था। कैसी-कैसी चीजें पता चल रही हैं? उन्होंने कहा कि ईडी छापेमारी करती है और कुछ ही घंटों के बाद चुनावी बॉन्ड खरीदे जाते हैं। ये सह-संबंध देखिए, लोकतंत्र की हत्या कर रहा है।

'हर नुस्खे की होती है एक्सपायरी डेट'

शुक्रवार को मीडिया में दिए बयान से पहले भी मनोज झा ने एक्स के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दी थी। बिना नाम लिए बीजेपी पर हमला बोला था। मनोज कुमार झा ने एक्स हैंडल से सोमवार को लिखा था, इससे पहले चुनावी बॉन्ड पर आज सुबह सुप्रीमकोर्ट ने इलेक्टोरलबॉन्ड घोटाला किया पर एसबीआई के साथ-2 विश्व की सबसे धनी/बड़ी पार्टी को खुलेआम एक्सपोज किया और शाम होते-2 'साहेब' की हेडलाइंस प्रबंधन टीम ने साढ़े चार साल पुराने सीएए कानून के लिए नियमावली का स्वांग कर दिया। हर नुस्खे की एक एक्सपायरी डेट होती है ये सनद रहे।

लालू यादव की बेटी ने भी कसा तंज

वहीं दूसरी ओर लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य भी चुनावी बॉन्ड को लेकर हमला कर रही हैं। एक-दो नहीं बल्कि कई ट्वीट उन्होंने किए हैं। शुक्रवार को रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, झूठे वादे - झूठी गारंटी, झूठी इनकी सारी कहानी, देख लो लुटेरे, भ्रष्टाचारी चंदाखोरों की करस्तानी।

दरिंदा बापः दो साल तक बेटी से की दरिंदगी

गाजीपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। बेटी के साथ दो साल तक दुष्कर्म करने वाले पिता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले का पता तब चला जब बेटी ने स्कूल में गुड टच बैड टच सीखने के बाद अपने साथ हुई इस हरकत की बात सहेलियों से कही। कक्षा पांच में पढ़नेवाली छात्रा ने सहेलियों को बताया कि मां जब घर पर नहीं रहती हैं तो पापा मेरे साथ गलत काम करते हैं। वह दो साल से ऐसा कर रहे हैं। धमकी देते हैं कि अगर किसी को बताओगी तो मार देंगे। दरअसल, स्कूल में टीचर ने गुड टच बैड टच के बारे में सिखाया था। क्लास के बाद छात्रा ने सहेलियों को सारी बात बताई। किसी छात्रा ने एक पन्ने पर ये बातें लिखकर अपने विद्यालय की महिला शिक्षक को दे दी। शिक्षिका ने प्रधानाध्यापक से इसे साझा किया तो उन्होंने छात्रा से सच्चाई जानने के बाद प्रधान और उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दी।

जया प्रदा भी लड़ेंगी लोकसभा चुनाव? इस पार्टी से मांग रही टिकट, कहा- मैं लड़ने को तैयार

रामपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेत्री और रामपुर से पूर्व सांसद जया प्रदा अभद्र टिप्पणी मामले में मुरादाबाद की एमपी एमएलए कोर्ट में पेश हुईं, जहां उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी के सामने बड़ी मांग रख दी। जया प्रदा ने कहा कि वो चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और कहीं से भी चुनाव लड़ सकती है। दरअसल जया प्रदा ने अभद्र टिप्पणी के मामले में मुरादाबाद कोर्ट में पेश हुईं। वो पिछले काफी समय से गैरहाजिर चल रही थी, जिसके बाद कोर्ट ने उनके खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किए थे। जया प्रदा ने कोर्ट में हाजिर होकर अपने खिलाफ गैरजमानती वारंट रिकॉल कराए और कोर्ट को मेडिकल रिपोर्ट दिखाते हुए बताया कि वो बीमार थी, इसलिए कोर्ट नहीं आ सकी।

चुनाव लड़ने पर कही ये बात

अदालत से बाहर आने के बाद जया प्रदा ने मीडिया से भी बात की। जब उनसे चुनाव को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'मेरी इच्छा के अनुसार पार्टी हमारा नाम घोषित करें ऐसा तो नहीं है। लेकिन, शीर्ष नेता जो समझते हैं कि मैं यहां से चुनाव लड़ने में सक्षम हूं तो मुझे इशारा दें, मैं वहां चुनाव लड़ने को तैयार हूं।' जया प्रदा ने कहा कि 'मैं तो एक कार्यकर्ता हूं और उसी रूप में मैं सेविका के तौर पर भी काम करने को तैयार हूं। पार्टी जहां पर मुझे लड़ाएंगी मैं लड़ने के लिए तैयार हूं।' जया प्रदा ने इस दौरान सपा सांसद एसटी हसन पर भी जोरदार हमला किया और कहा मुझ पर की गई अभद्र टिप्पणी उनकी छोटी मानसिकता को दिखाती है। मैं देश की अन्य महिलाओं के सम्मान के लिए संघर्ष करती रहूंगी। दरअसल ये मामले साल 2019 का है जब लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद मुरादाबाद के मुस्लिम डिग्री कॉलेज में एक कार्यक्रम के दौरान सपा सांसद ने जयंत प्रदा पर अभद्र टिप्पणी की थी। इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद आजम खान, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम समेत कई नेता मौजूद थे।

यूपी पुलिस पेपर लीकः एसटीएफ की नकेल, कौशांबी के मुख्य आरोपी ने किया सरेंडर

कौशांबी, 15 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पिछले कई महीनों से अलग-अलग परीक्षाओं के पेपर लीक की घटना सामने आई है। इसमें यूपी पुलिस की परीक्षा भी शामिल थी। इसी कड़ी में कौशांबी के परीक्षा सेंटर में हुए पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी ने पुलिस के सामने खुद को सरेंडर कर दिया है। कौशांबी पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी अरुण सिंह ने यूपी एसटीएफ के सामने सरेंडर किया है। इस मामले में पहले भी तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मामले की जांच के लिए मंझनपुर थाने में केस दर्ज किया गया था। दरअसल, एक के बाद एक पेपर लीक की समस्या से जूझ रहे अभ्यर्थियों ने सरकार और प्रशासन पर पेपर लीक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पेपर लीक करने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिलाया था, जिसके बाद से पुलिस प्रशासन की ओर से सख्ती और कार्रवाई में तेजी लाई जा रही है। यूपी एसटीएफ के दबाव के कारण कौशांबी के पेपर लीक मामले के आरोपी ने सरेंडर किया है।

यूपी की इस सीट पर अनूठा संयोग

18 में से 12 बार शिव और नारायण जीते; चुनाव में नौ बार केवल राम नाम वाले की जीत

सोनभद्र 15 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा सीट से चुने गए सांसदों के साथ एक अनूठा संयोग रहा है। यहां अब तक 18 बार लोकसभा के चुनाव हो चुके हैं। जिसमें 12 बार राम, शिव और नारायण नाम वाले उम्मीदवारों को जीत मिली है। इसमें भी अकेले नौ बार सिर्फ राम नाम की जय रही। छह चुनावों में दूसरे उम्मीदवार जीते, मगर उनमें से भी पांच के नाम में एक जैसा मेल रहा। पहले चुनाव से लेकर पिछले चुनाव तक यह संयोग बरकरार है।

भौगोलिक रूप से यूपी के सबसे बड़े चुनावी क्षेत्र सोनभद्र में पहला चुनाव 1952 में हुआ था। तब यहां एक सीट से दो उम्मीदवार चुने जाते थे। एक सामान्य वर्ग तो दूसरा अनुसूचित जाति से। राबर्ट्सगंज सीट शुरू से ही सुरक्षित रही है। यहां पहले सांसद रूप नारायण चुने गए थे। वह लगातार दो बार जीते। वर्ष 1962 में हुए तीसरे चुनाव में राम स्वरूप को जीत मिली। इन्होंने कांग्रेस के टिकट पर जीत की हैट्रिक लगाई। आपातकाल के बाद साल 1977 में हुए आम चुनाव में यह सीट भारतीय लोकदल के खाते में चली गई। तब इस सीट पर शिव संपत राम निर्वाचित हुए। तीन साल बाद हुए अगले चुनाव में फिर से कांग्रेस ने जीत के साथ वापसी की और राम प्यारे पनिका सांसद बने। वह 80 से 89 तक दो बार सांसद चुने गए। इस दौरान प्रदेश में राम मंदिर आंदोलन ने जोर पकड़ा तो सीट फिर कांग्रेस के हाथ से फिसल गई और भाजपा के सूबेदार प्रसाद सांसद चुने गए, मगर वह दो साल ही सांसद रह सके।

2004 के बाद सिर्फ लाल ही लाल

वर्ष 2004 से लाल नाम वालों का प्रभाव रहा है। 2004 में बसपा से लालचंद कोल जीते तो मध्यावधि चुनाव में भाईलाल कोल को जीत मिली। इसके बाद 2009 में पकौड़ी लाल और 2014 में छोटेलाल खरवार सांसद चुने गए। वर्तमान में अपना दल- एस से पकौड़ी लाल सांसद हैं।

पटना में बन रहे एमएलसी क्वार्टर में शव मिलने से फैली सनसनी, हत्या के बाद हाथ-पांव बांधकर युवक को लटकाया

पटना, 15 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी पटना में विधान पार्षदों (एमएलसी) के लिए बन रहे नए फ्लैट में एक शव मिलने से सनसनी फैली हुई है। सचिवालय थाना क्षेत्र में बन रहे एमएलसी क्वार्टर में एक युवक की लाश मिली है। युवक के हाथ-पांव को बांध दिया गया था और शव को रेलिंग से टांग दिया गया था। वहीं शव मिलने की सूचना पर सचिवालय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पुलिस अग्रेतर कार्रवाई में जुटी है। पटना के अटल पथ से सटे आर ब्लॉक क्षेत्र में राजनीतिक दलों के दिग्गजों के लिए, जो सरकारी आवास बना है उससे सटकर ही कई नए क्वार्टर बनाए जा रहे हैं। इन नए एमएलसी क्वार्टर का काम अभी जारी है। इस बीच एक क्वार्टर से शुक्रवार को शव बरामद किया गया। जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी। शव मिलने की जानकारी के बाद आनन-फानन में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और छानबीन में जुटी हुई है।

लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों पर भी लागू है धर्मांतरण निषेध कानून, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दिया निर्देश

प्रयागराज, 15 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि उप्र धर्मांतरण निषेध कानून न केवल परस्पर विरोधी धर्म के लोगों की शादी बल्कि लिव-इन रिलेशनशिप पर भी लागू होता है। इसलिए कानूनी प्रक्रिया अपनाकर धर्म परिवर्तन किए बिना विपरीत धर्म का जोड़ा लिव-इन रिलेशनशिप में नहीं रह सकता। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति रेनू अग्रवाल ने अंतरधार्मिक जोड़े की उस याचिका को खारिज करते हुए की है, जिसमें पुलिस सुरक्षा की मांग की गई थी। अदालत ने कहा कि धर्म परिवर्तन न केवल विवाह के उद्देश्य के लिए आवश्यक है, बल्कि यह विवाह की प्रकृति के सभी रिश्तों में भी जरूरी है। प्रकरण में किसी भी याचिकाकर्ता ने अधिनियम की धारा 8 और 9 के अनुसार धर्म परिवर्तन के लिए आवेदन नहीं दिया है और आर्य समाज मंदिर में शादी का पंजीकरण कराकर लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं।

धर्म परिवर्तन कराना गलत

कोर्ट ने कहा अधिनियम की धारा 3 (1) के अनुसार कोई भी व्यक्ति गलतबयानी, बल का प्रयोग या गुमराह करके किसी अन्य व्यक्ति को सीधे या अन्यथा एक धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तित या परिवर्तित करने की कोशिश नहीं करेगा। कोर्ट ने साफ किया कि अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती, प्रलोभन या किसी कपटपूर्ण तरीके से कोई भी व्यक्ति इस तरह के रूपांतरण के लिए उकसाएगा, मनाएगा या साजिश नहीं करेगा। कानून में स्पष्ट है कि न केवल अंतरधार्मिक विवाह के मामलों में बल्कि विवाह की प्रकृति के रिश्तों में भी धर्म परिवर्तन की आवश्यकता है।

सुरक्षा की मांग में दायर की थी याचिका

बता दें कि हिंदू लड़के ने मुस्लिम लड़की से आर्य समाज मंदिर में शादी का पंजीकरण कराया और लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं। संबंधों में हस्तक्षेप पर रोक लगाने व पुलिस सुरक्षा की मांग में याचिका दायर की थी।

अगला चुनाव नहीं लड़ूंगा: पूर्व मंत्री मल्ला रेड्डी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और मल्काजीगिरी भारास विधायक चामकुरा मल्लारेड्डी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह अगला चुनाव नहीं लड़ेंगे। बेंगलुरु में एक निजी कार्यक्रम में उन्होंने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार से मुलाकात पर सफाई दी कि इसमें किसी तरह की राजनीति नहीं ढूंढी जाए। मैं बीआरएस छोडकर कहीं नहीं जा रहा हूं। इन पांच वर्षों तक जनसेवा करने के बाद राजनीति से ही हट जाएंए। उन्होंने साफ किया कि वह अगला चुनाव नहीं लड़ेंगे। मल्लारेड्डी ने हाल ही में कहा था कि अगर उनके बेटे भद्र रेड्डी को मौका मिला तो वह मल्काजगिरि लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। हालाँकि, इसके बाद हुए घटनाक्रम के मद्देनजर, उन्होंने घोषणा की कि उनके परिवार से कोई भी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेगा। उनके बार-बार बयान पलटने पर भी लोगों ने काफी चटखारे लिए हैं।

सीएम रेवंत ने बीजेपी नेता जीतेंद्र से की मुलाकात

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को यहां पूर्व सांसद और भाजपा नेता एपी जितेंद्र रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की। भाजपा नेतृत्व द्वारा महबूबनगर लोकसभा क्षेत्र से जीतेंद्र रेड्डी को टिकट देने से इनकार करने के बाद, मुख्यमंत्री की बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है और इससे राजनीतिक हलकों में अटकलें भी तेज हो गई हैं। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, जो एमएलसी पटनम महेंद्र रेड्डी मुख्यमंत्री के साथ थे। जितेंदर रेड्डी महबूबनगर से लोकसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं और लंबे समय से पार्टी के टिकट के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

हालाँकि, भाजपा ने बुधवार को अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची की घोषणा की और अनुभवी राजनेता डीके अरुणा को महबूबनगर निर्वाचन क्षेत्र से नामित किया। बीजेपी के फैसले से जीतेंद्र रेड्डी पूरी तरह निराश हो गए। मीडिया से बात करते हुए, जीतेंद्र रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का उनके घर आना कोई नई बात नहीं है और वह अपने बड़े भाई के घर आए थे। उन्होंने कहा, ₹हम एक ही जिले के हैं। मुख्यमंत्री मुझे सांत्वना देने आए थे कि मुझे सीट नहीं मिली। मैं अभी भी भाजपा में हूं, लेकिन मेरा राजनीतिक भविष्य पार्टी के हाथ में है। कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के सवाल का जवाब देते हुए बीजेपी नेता ने कहा कि कांग्रेस में एमपी के टिकट भर चुके हैं और कोई सीट खाली नहीं है।

जहां वमशी चंद रेड्डी महबूबनगर से चुनाव लड़ रहे हैं, वहीं पटनम महेंदर रेड्डी परिवार चेवेल्ला से चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने मुझे कांग्रेस पार्टी में आमंत्रित नहीं किया है। वहीं, मैंने भी कुछ नहीं कहा। रेवंत रेड्डी आए हैं।₹ केवल सांत्वना देने के लिए मेरे घर आए। दूसरी ओर, यह पता चला है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी मल्कजगिरी लोकसभा क्षेत्र से जीतेंद्र रेड्डी को मैदान में उतारने की योजना बना रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि जितेंद्र रेड्डी को कांग्रेस पार्टी में शामिल होने पर मल्काजगिरी लोकसभा टिकट की पेशकश की गई है। मुख्यमंत्री का मानना है कि जीतेंद्र रेड्डी, जो दो बार के सांसद हैं और नई दिल्ली में उनके मजबूत संबंध हैं, अगर कांग्रेस पार्टी उन्हें मैदान में उतारती है तो वह निश्चित रूप से जीतेंगे।

ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, चेगुर के कान्हा शांति वनम, हकीमपेट वायु सेना स्टेशन और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों के पांच किलोमीटर के दायरे में ड्रोन या किसी अन्य विमानन उपकरण को उड़ाने के खिलाफ आदेश जारी किए। उन्होंने कहा कि आतंकवादी और असामाजिक तत्वों द्वारा पैराग्लाइडर, रिमोट नियंत्रित ड्रोन और रिमोट नियंत्रित माइक्रो लाइट विमान के माध्यम से हमले आयोजित करने की संभावना है।

दूसरी उम्मीदवार सूची से पहले असमंजस में हैं सीपीआई और कांग्रेसी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी आलाकमान द्वारा जल्द ही राज्य से लोकसभा चुनाव के उम्मीदवारों की दूसरी सूची घोषित करने की संभावना के साथ, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) की राज्य इकाई और कांग्रेस के टिकट के इच्छुक उम्मीदवार असमंजस में हैं। कांग्रेस पार्टी आलाकमान ने 8 मार्च को चार निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की थी - जहीराबाद से सुरेश कुमार शेतकर, नलगोंडा से रघुवीर कुंदुरु, महबूबाबाद से बलराम नाइक पोरिका और महबूबनगर से चल्ला वामशीचंद रेड्डी। राज्य की बाकी 13 सीटों के लिए उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए पार्टी आलाकमान शुक्रवार को बैठक कर सकता है। सीपीआई कांग्रेस की राज्य इकाई से गठबंधन के तहत पार्टी को एक सीट आवंटित करने की अपील कर रही है। पार्टी खम्मम, वारंगल, पेद्दापल्ली, नलगोंडा और भोंगिर सहित पांच निर्वाचन क्षेत्रों में से किसी एक से लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छुक है। सीपीआई ने सीट आवंटन को लेकर एक बार फिर कांग्रेस की राज्य इकाई से आग्रह किया है। सीपीआई की तरह, कई कांग्रेस नेता, जो आगामी चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं, वे भी अपनी उंगलियां छुपा रहे हैं। उदाहरण के लिए, टीपीसीसी के उपाध्यक्ष चमाला किरण कुमार रेड्डी भोंगिर निर्वाचन क्षेत्र से उनकी उम्मीदवारी पर विचार करने के लिए पार्टी नेतृत्व पर दबाव डाल रहे हैं। हालाँकि, ऐसा लगता है कि राज्य नेतृत्व की योजनाएँ अलग हैं। खम्मम निर्वाचन क्षेत्र के लिए, पूर्व सांसद वी हनुमंत राव, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क की पत्नी नंदिनी, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के भाई प्रसाद रेड्डी और अन्य ने अपने आवेदन दाखिल किए हैं। इसी तरह, पूर्व सांसद मल्लू रवि और पूर्व विधायक संपत नागरकर्नूल सीट के लिए प्रतिस्पर्धा में हैं।

टीएसएमएसआईडीसी द्वारा चिकित्सा शिक्षा निदेशक

वारंगल, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल शहर के एम सी डीएमई मैडम ने काकतीय मेडिकल कॉलेज, हनुमाकोंडा सड़कों और स्ट्रीट लाइट की समस्याओं के संबंध में दोपहर में स्वास्थ्य मंत्री से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की है।

तेलंगाना राज्य स्वास्थ्य मंत्री ने मौखिक आश्वासन दिया है कि वह रुपये के बजट को मंजूरी देंगे। सड़क और लाइट के लिए 3.45 करोड़। डीएमई मैडम ने बजट की मंजूरी के लिए संबंधित दस्तावेज स्वास्थ्य सचिव को भेज दिए हैं।टीएसएमएसआईडीसी द्वारा चिकित्सा शिक्षा निदेशक, तेलंगाना राज्य, हैदराबाद द्वारा अनुमानित 57.1 करोड़ रुपये के अंडर ग्रेजुएट लड़कों और लड़कियों के छात्रावासों के लिए नए छात्रावासों के निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजे गए थे।

पुलिस ने डीएसपी प्रणीत राव की हिरासत मांगेगी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पंजागुट्टा पुलिस द्वारा पूर्व डीएसपी प्रणीत राव को हिरासत में लेने की उम्मीद है, जिन्होंने विशेष खुफिया शाखा (एसआईबी) में रहते हुए पद का दुरुपयोग कर नियमों के खिलाफ काम किया था। इस संबंध में नामपल्ली कोर्ट में याचिका दायर की जायेगी। प्रणीत को सबूत मिटाने के मामले में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। वह वर्तमान में रिमांड कैदी के रूप में चंचलगुडा जेल में है। पुलिस का मानना है कि उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी तो और भी बातें सामने आएंगी। प्रणीत ने स्वीकार किया कि गिरफ्तारी के समय उन्होंने हार्ड डिस्क और कई दस्तावेज़ नष्ट कर दिए थे। इस मामले में अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जायेगी। पुलिस ने एफआईआर में प्रणीत और कुछ अन्य लोगों को ही आरोपियों की सूची में दर्ज किया है। वे फिलहाल यह तय करने की प्रक्रिया में हैं कि वे कौन हैं। उधर, मामले की जांच कर रही विशेष टीम ने एसआईबी कार्यालय का दौरा किया। इसमें प्रणीत द्वारा इस्तेमाल किए गए दो कमरों और 17 कंप्यूटरों की जांच की गई। पूछताछ की जा रही है कि सीडीआर, आईएमईआई, आईपीडीआर किसने जुटाया, किसके आदेश पर यह सब किया गया।

लॉजिस्टिक्स के माध्यम से आरटीसी को 70 करोड रुपये मिले

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लॉजिस्टिक्स सेवाओं के माध्यम से, तेलंगाना आरटीसी को वर्ष 2022-23 में 70 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है। एमडी सज्जनार के अनुसार 2023-24 में इसे बढ़ाकर 120 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है। दिलसुखनगर में एक नए लोगो और ब्रोशर के साथ एक मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्सल काउंटर का अनावरण किया गया। उन्होंने कहा कि टीएसआरटीसी के माध्यम से प्रतिदिन 15,000 पार्सल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ेगी।

अभिनेता पवन कल्याण पीठापुरम से चुनाव लड़ेंगे

अमरावती, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने घोषणा की कि वह आंध्र प्रदेश में आगामी राज्य चुनाव के लिए पीठापुरम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। 2019 के चुनावों में, पवन कल्याण एपी में गजुवाका और भीमावरम दोनों विधानसभा क्षेत्रों में हार गए थे। वह किस सीट से चुनाव लड़ेंगे इस पर पिछले कुछ दिनों से सस्पेंस बना हुआ था। अब जब उन्होंने अपनी सीट की घोषणा कर दी है, तो यह देखना महत्वपूर्ण है कि सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी पवन कल्याण के खिलाफ किस उम्मीदवार की घोषणा करेगी। पीथापुरम में वर्तमान वाईएसआरसीपी विधायक पांडेम दोराबाबू हैं। अटकलें हैं कि वाईएसआरसी पवन कल्याण को हराने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ते हुए इस निर्वाचन क्षेत्र के लिए उम्मीदवारों को बदलने की योजना बना रही है। सूत्रों ने कहा कि कापू नेता मुद्रगड्डा पद्मनाभम, जिन्होंने हाल ही में घोषणा की थी कि वह वाईएसआरसीपी में शामिल होंगे, को पवन के खिलाफ लड़ने के लिए पीठापुरम से टिकट दिए जाने की संभावना है। वह और उनके बेटे 16 मार्च को आधिकारिक तौर पर पार्टी में शामिल हो रहे हैं। मुद्रगड़ा कापू समुदाय का एक प्रमुख चेहरा है, जो पूर्वी गोदावरी जिले का एक प्रमुख समुदाय है। वरिष्ठ नेता पिछले तीन दशकों से कापू और उनकी उप-जातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करने की मांग को लेकर अभियान चला रहे हैं। इस साल के चुनाव में जन सेना पार्टी का टीडीपी और बीजेपी के साथ गठबंधन होगा। कुछ दिन पहले, टीडीपी और जेएसपी ने लोकसभा और आंध्र चुनावों के लिए अपने सीट-बंटवारे के फॉर्मूले को अंतिम रूप दिया। बीजेपी छह लोकसभा और 10 विधान सभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जन सेना दो एलएस और 21 एलए सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि टीडीपी 17 संसदीय और 144 विधानसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारेगी। इस घोषणा के बाद पीठापुरम निर्वाचन क्षेत्र से टीडीपी विधायक उम्मीदवार एसवीएसएन वर्मा के समर्थकों ने फैसले का विरोध किया। वर्मा के समर्थकों ने टीडीपी के पोस्टर हटाकर जला दिये। उनमें से कई ने वर्मा को तुरंत सीट आवंटित करने पर चिंता जताई।

मीरा रोड स्थित वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र वातानुकूलित होगा

मुंबई, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मीरा रोड स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र वातानुकूलित होगा और इस संबंध में एक आदेश जारी किया गया है। आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली की पहल पर मनपा ने यह निर्णय लिया है। इसके अलावा सभी वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र को भी चरणबद्ध तरीके से वातानुकूलित किया जाएगा। आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस से वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र को वातानुकूलित करने का अनुरोध किया था। जिसके बाद उन्होंने कमिश्नर को कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कमिश्नर संजय काटकर ने तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए हैं और कार्यकारी अभियंता दीपक खाम्बित ने कार्य आदेश जारी किए हैं। इंदिरा गांधी अस्पताल की पहली मंजिल पर वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र है। इन केन्द्रों का उपयोग सराहनीय है और यहाँ सदैव सामाजिक, शैक्षिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम होते रहते हैं। अनिल गलगली ने उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस और आयुक्त संजय काटकर को धन्यवाद देते हुए कहा कि उक्त केंद्र के वातानुकूलित होते ही वरिष्ठ नागरिकों को राहत मिलेगी। अन्य सभी वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्रों को भी चरणबद्ध तरीके से वातानुकूलित किया जाएगा।

तेलंगाना में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया, जबकि नलगोंडा के मुनुगोडे में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हैदराबाद का उच्चतम तापमान नामपल्ली में 40.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी के आंकड़ों के अनुसार, 40 डिग्री सेल्सियस के निशान को पार करने वाले कई अन्य स्थानों में गडवाल (40.7 डिग्री सेल्सियस), वानापर्थी में पेबैर (40.9 डिग्री सेल्सियस), नगरकुर्नूल में कोल्लापुर (40.4 डिग्री सेल्सियस), सूर्यापेट में अनंतगिरि (40.2) शामिल हैं। डिग्री सेल्सियस), यदाद्री भुवनगिरि में बिजिलापुर (40.5 डिग्री सेल्सियस), मेडक में दमरांची (40.2 डिग्री सेल्सियस), सिद्दीपेट में चित्याल (40.5 डिग्री सेल्सियस), जनगांव में मलकापुर (40.2 डिग्री सेल्सियस), ऐलाबाद (40.8 डिग्री सेल्सियस), निर्मल (40.3), निज़ामाबाद उत्तर (40.3C), कोमाराम भीम में कागजनगर (40.1C), जगित्याल में धर्मपुरी (40.5C), सिरसिला में कोनाराओपेट (40.2C), करीमनगर में चिगुरु ममिदी (40.5C), जयशंकर जिले में महादेवपुरी (40C), और खम्मम में कोनिजेरला (40.5C)।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, हैदराबाद के अनुसार, शहर में अगले पांच दिनों तक मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है, जबकि स्वतंत्र मौसम पर्यवेक्षकों ने कहा कि 19 से 21 मार्च के बीच हल्की बारिश की संभावना है। गर्मी लौटने से पहले टैंक बंड, हिमायतनगर, नारायणगुडा, खैरताबाद और सचिवालय सहित शहर के कुछ हिस्सों में लगभग 10 मिनट तक हल्की बूंदाबांदी हुई। शहर के कुछ हिस्सों में सुबह 9 बजे तक बादल छाए रहे, जिन्होंने इसकी तस्वीरें साझा कीं।

यह, हैदराबाद में वर्ष का सबसे अधिक सुबह का न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।आईएमडी ने सुबह के समय धुंध या धुंध के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहने और गुरुवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान लगाया था।

कांग्रेस सरकार वादों को लागू करने में विफल रही- देवी प्रसाद

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेता और तेलंगाना कर्मचारी जेएसी के पूर्व अध्यक्ष देवी प्रसाद ने आज आरोप लगाया कि राज्य सरकार सत्ता में आने के 100 दिन बाद भी अपने वादों को लागू करने में बुरी तरह विफल रही है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार द्वारा कई वादे कर लोगों को हथेली में स्वर्ग दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को हुई कैबिनेट में नौकरियों पर कोई चर्चा नहीं हुई।उन्होंने कहा कि जब बीआरएस पार्टी तेलंगाना में सत्ता में थी तो कैबिनेट ने कर्मचारियों को डीए देने का फैसला किया और आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद, उसने डीए के भुगतान की परवाह नहीं की। "वे दावा कर रहे हैं कि वेतन हर महीने की पहली तारीख को दिया जाता है। कई कर्मचारियों को अभी भी पहले दिन वेतन नहीं मिल रहा है, जबकि ध्यान दें कि केवल कुछ कर्मचारियों को पहली तारीख को वेतन दिया जाता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि बीआरएस सरकार को किसानों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने का श्रेय दिया जाता है और कहा कि आज किसानों की हालत देखकर उनकी आंखों में आंसू आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नागार्जुन सागर की बाईं नहर के नीचे फसलें सूख रही हैं और उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार शासन पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रही है, जबकि आरोप लगाया कि सीएम और मंत्री पूर्व सीएम केसीआर पर धूल फेंक रहे हैं।

तेलंगाना में लगातार गिर रहा है जलाशयों का स्तर

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ अपवादों को छोड़कर, राज्य की लगभग सभी प्रमुख परियोजनाओं में जल स्तर न्यूनतम ड्रॉ डाउन स्तर (एमडीडीएल) तक गिर रहा है। राज्य सरकार ने अब तक पड़ोसी राज्यों कर्नाटक और महाराष्ट्र से आपातकालीन रिहाई मांगने के अपने कदम खाली कर दिए हैं। यासंगी (रबी) की फसलें सूखने लगी हैं, कई जगहों पर किसान हथियार उठा रहे हैं।

नागार्जुन सागर परियोजना की दाहिनी नहर आंध्र प्रदेश को आवंटित कोटे की पांच टीएमसी राशि जारी करने के बाद रविवार को बंद कर दी गई। परियोजना में न्यूनतम ड्रॉ डाउन लेवल (एमडीडीएल) 510 फीट से ऊपर बमुश्किल आठ टीएमसी पानी बचा था। भले ही राज्य सरकार ने एनएसपी बाईं नहर के तहत फसल अवकाश की घोषणा की है, यासांगी के किसानों ने बाईं नहर के सभी तीन क्षेत्रों में एक लाख एकड़ से अधिक में फसल उगाई है। वे नलगोंडा और खम्मम जिलों में प्रशासन पर कम से कम एक भी गीलापन के लिए दबाव बढ़ा रहे हैं। जैसा कि कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड का दावा है, तेलंगाना ने कृष्णा बेसिन परियोजनाओं से अपने हिस्से का पानी पहले ही ख़त्म कर लिया है और उसके पास सिंचाई का समर्थन करने की कोई गुंजाइश नहीं बची है। हालाँकि किसान सड़कों पर उतर रहे हैं, लेकिन आगामी संसदीय चुनावों के कारण निर्वाचित प्रतिनिधि उन्हें 'ना' कहने की स्थिति में नहीं हैं। धान की व्यापक खेती के लिए जाने जाने वाले एनएसपी बायीं नहर के ज़ोन I और ज़ोन II में आने वाले कुछ मंडलों में किसान बड़े पैमाने पर नए बोर-वेल ड्रिलिंग के लिए गए हैं। परियोजना अधिकारियों ने किसी भी कीमत पर खड़ी फसलों के लिए पानी छोड़ने और इससे किसान संगठनों की नाराजगी झेलने की किसी भी गुंजाइश से इनकार किया है। उन्हें डर है कि अयाकट में व्याप्त कमी की स्थिति के कारण किसानों के साथ टकराव हो सकता है। श्रीशैलम परियोजना में भी जल स्तर 812 फीट तक गिर गया है। परियोजना में रविवार को 215.8 टीएमसी की सकल भंडारण क्षमता के मुकाबले मुश्किल से 35 टीएमसी पानी बचा है। पिछले वर्ष आज ही के दिन परियोजना में पानी की उपलब्धता 41 टीएमसी से कुछ अधिक थी। जुराला परियोजना में रविवार को 3.91 टीएमसी की सकल भंडारण क्षमता के मुकाबले केवल 3.91 टीएमसी ही बचा है। कृष्णा बेसिन परियोजनाओं को पिछले साल जलग्रहण क्षेत्र में सामान्य प्रवाह नहीं मिला।

गोदावरी बेसिन में, कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के सभी तीन बैराजों को पिछले नवंबर में संरचनात्मक मुद्दों के निरीक्षण के लिए सूखा दिया गया है। एनडीएसए ने अन्नाराम और सुंडीला में बैराजों से और पानी निकालने को कहा है। अन्यथा तीनों बैराजों (मेडिगड्डा सहित) ने सभी आश्रित जिलों को कमी की स्थिति से बाहर निकालने के लिए अपस्ट्रीम के जलाशयों की एक श्रृंखला को खिलाने के लिए 36 टीएमसी तक भंडारण सहायता दी होती।

श्रीपदा येल्लमपल्ली जलाशय में वर्तमान भंडारण में 20 टीएमसी की सकल भंडारण क्षमता के मुकाबले नौ टीएमसी से थोड़ा अधिक पानी बचा है। पिछले साल इसी समय के दौरान इस परियोजना में 17 टीएमसी से अधिक पानी का भंडारण था, क्योंकि केएलआईएस ने गोदावरी से पानी की नियमित पंपिंग का समर्थन किया था।

तेलंगाना के नए वाहनों का रजिस्ट्रेशन टीजी से शुरू

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दस साल बाद राज्य में नए वाहनों की नंबर प्लेटों में बदलाव हुआ है। मालूम हो कि केंद्रीय परिवहन विभाग ने एक गजट जारी कर टीएस की जगह टीजी कर दिया है. ये रजिस्ट्रेशन आज से शुरू हो गया।

राज्य में कांग्रेस सरकार बनने के बाद वाहन पंजीकरण चिह्न को बदलने का निर्णय लिया गया है। फरवरी में राज्य कैबिनेट में एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा गया था। राज्य सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार ने वाहन नंबर प्लेटों में टीएस के स्थान पर टीजी लगाने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस महीने की 12 तारीख को गजट नोटिफिकेशन जारी कियाष. केंद्र सरकार ने मोटर वाहन अधिनियम-1988 की धारा 41 (6) के तहत शक्तियों का उपयोग करके यह बदलाव किया है। पिछली घोषणा में तालिका में, केंद्र ने खुलासा किया था कि तेलंगाना को टीएस के स्थान पर क्रमांक 29 ए के तहत टीजी चिह्न आवंटित किया गया है।

तेलंगाना के लिए वाहन पंजीकरणः राज्य में 60 लाख से अधिक वाहन हैं। इसमें 18 लाख दोपहिया वाहन, 21 लाख 32 हजार कारें, 7,27,000 ट्रैक्टर-ट्रेलर, 6,18,000 परिवहन वाहन आदि शामिल हैं। परिवहन अधिकारियों ने बताया कि पहले से चल रहे वाहनों के नंबर प्लेट में कोई बदलाव करने की जरूरत नहीं है।एपी के नाम से पंजीकृत बड़ी संख्या में वाहन अभी भी राज्य में चल रहे हैं।

तेलंगाना के गठन के बाद से ही टीएस के नाम पर रजिस्ट्रेशन होता आ रहा है, लेकिन सरकार के ताजा फैसले से अब इसका रजिस्ट्रेशन टीजी के नाम पर होगा। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मोटर वाहन संघ के नेताओं को चिंता करने की ज़रूरत नहीं है कि पुराने वाहनों पर टीएस नाम जारी रहेगा।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि केंद्र का गजट जारी होने के साथ ही आज से खरीदे गए नए वाहनों को टीजी में परिवर्तित नंबर प्लेट आवंटित कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि नई श्रृंखला आज शाम हैदराबाद के खैरताबाद में परिवहन विभाग मुख्यालय में मंत्री पोन्नम प्रभाकर द्वारा लॉन्च किया। परिवहन वाहनों, आरटीसी बस (टीएसआरटीसी बस) श्रृंखला के बाद जिला कोड निर्धारित अक्षरों से शुरू होते हैं। परिवहन वाहनों में T, U, V, W, X, Y श्रृंखला होती है। अधिकारियों ने कहा कि आरटीसी बसें हमेशा की तरह 'जेडी सीरीज' से शुरू होंगी।

आदिलाबाद सीट पर कांग्रेस और बीजेपी के बीच कड़ी टक्कर के आसार

आदिलाबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यहां तेजी से बदलते राजनीतिक हालात के बीच आदिलाबाद लोकसभा सीट पर कांग्रेस और बीजेपी के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है।कई बीआरएस नेता कांग्रेस और भाजपा के प्रति अपनी वफादारी बदल रहे हैं। लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के चार विधायक हैं। पार्टी खानापुर और बोथ विधानसभा क्षेत्रों में मजबूत है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदिलाबाद में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया और एक सार्वजनिक बैठक में भाग लिया। यहां बीजेपी के पास मजबूत हिंदू वोट बैं कहै। खबर है कि मौजूदा सांसद सोयम बापू राव कांग्रेस पार्टी में शामिल हो सकते हैं क्योंकि बीजेपी ने बीआरएस आदिलाबाद के पूर्व सांसद गोदम नागेश के लिए टिकट की घोषणा की है, जो कुछ दिन पहले बीजेपी में शामिल हुए थे। पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा और उनके भाई, जिला परिषद प्रभारी अध्यक्ष कोनेरू कृष्णा और कागजनगर नगरपालिका अध्यक्ष शाहिना सुल्ताना, उपाध्यक्ष राजेंद्र और अन्य वरिष्ठ नेता कागजनगर शहर में प्रभारी मंत्री सीताक्का और मंत्री श्रीधर बाबू और पोन्नम प्रभाकर की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हुए। इस प्रकार, बीआरएस वोट बैंक को कांग्रेस की ओर मोड़ा जा रहा है और यह लोकसभा चुनाव में आदिलाबाद निर्वाचन क्षेत्र के परिणामों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। हाल के विधानसभा चुनावों में आदिलाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में बीआरएस को 4,65,476 वोट, भाजपा को 4,48,961 वोट और कांग्रेस को 2,51,886 वोट मिले। बीआरएस को बीजेपी से 16,515 वोट ज्यादा मिले थे। इस निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 4 लाख आदिवासी आबादी है। उनमें से 2011 की जनगणना के अनुसार तत्कालीन आदिलाबाद जिले में 2.5 लाख आदिवासी और 1.5 लाख लम्बाडा हैं। खबरें यह भी आ रही हैं कि आरएस प्रवीण कुमार के नेतृत्व वाली बसपा, जिसने बीआरएस के साथ चुनावी गठबंधन किया है, राज्य की कुल 17 सीटों में से बसपा के लिए आदिलाबाद और नगरकुर्नूल सीटें आवंटित करने की मांग कर रही है। प्रवीण कुमार नगरकुर्नूल से चुनाव लड़ सकते हैं, जबकि आदिलाबाद जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष बसपा के सिदाम गणपति को एसटी के लिए आरक्षित आदिलाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारा जाना है।

शुक्रवार को बुद्ध जगन के घर के पास बल्दिया रेंज 29वें डिवीजन रमन्ना पेटा में कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक के चेक वारंगल (पश्चिम) विधायक नैनी राजेंदर रेड्डी नगर महापौर श्रीमती गुंडू सुधारानी के साथ लाभार्थियों को सौंपे गए।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 16 मार्च- 2024

वन नेशन, वन इलेक्शन, अब कब होगा लागू ?

अशोक भाटिया

वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार के लिए बनाई गई पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने गुरुवार (14 मार्च) को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। यह 18,626 पन्नों की है। इसमें कहा गया है- पैनल का गठन 2 सितंबर 2023 को किया गया था। यह रिपोर्ट स्टेकहोल्डर्स-एक्सपट्र्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च का नतीजा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'एक देश, एक चुनाव' पर कमेटी ने 62 पार्टियों से संपर्क साधा था। इनमें से 47 ने जवाब दिया। 32 पार्टियो ने एकसाथ चुनाव कराने का समर्थन किया, 15 पार्टियों ने इसका विरोध किया और 15 पार्टियों ने इसका जवाब नहीं दिया। कांग्रेस, AAP, बसपा और CPI-M ने एक देश, एक चुनाव प्रस्ताव का विरोध किया जबकि भाजपा और नेशनल पीपुल्स पार्टी ने समर्थन किया।हाईकोर्ट के 9 पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया जबकि HC के 3 मुख्य न्यायाधीशों ने एक देश, एक चुनाव के प्रस्ताव का विरोध किया। वन नेशन वन इलेक्शन पर समिति की रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब इस वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी चल रही है और 1-2 दिनों में इसकी घोषणा भी होने वाली है। हाल के कदमों से संकेत मिलता है कि सरकार इनमें से कुछ चुनावों को लोकसभा चुनाव के साथ कराने पर विचार कर सकती है। उम्मीद जताई जा रही है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने से जनता का पैसा बचेगा, प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा बलों पर बोझ कम पड़ेगा, सरकारी नीतियों का समय पर कार्यान्वयन हो सकेगा और प्रशासनिक मशीनरी चुनावी कार्यक्रम के बजाय विकास कार्यों में ज्यादा समय दे पाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने के प्रबल समर्थक माने जाते हैं। 2019 में प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से अपने भाषण में कहा कि एक साथ चुनाव कराने को लेकर देशभर में बहस चल रही है। यह चर्चा लोकतांत्रिक तरीके से की जानी चाहिए। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के अपने सपने को साकार करने के लिए हमें ऐसे अनेक नए विचार जोड़ने होंगे। गौरतलब है कि 1951 से 1967 के बीच लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए थे। 1951-52 में आम चुनाव और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए थे। इसके बाद 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे।1959 में सीपीआई नेतृत्व वाली सरकार को बर्खास्त कर दिया गया था और राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। 1960 में केरल में विशेष राज्य चुनाव हुआ था, जिसके चलते 1962 में राज्य सरकार भंग नहीं हुई थी, जब आम चुनाव हुए थे। 1964 में केरल में दोबारा राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। फिर 1965 में चुनाव हुए थे लेकिन राष्ट्रपति शासन जारी रहा और 1967 तक चला, जिसके चलते केरल विधानसभा का चुनाव एक बार फिर आम चुनाव के साथ हुआ। 1968 और 1969 में कुछ विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने की वजह से पहली बार एक साथ चुनाव होने का चक्र बाधित हुआ था, वहीं चौथी लोकसभा भी समय से पहले भंग कर दी गई थी जिसकी वजह से 1971 में नए चुनाव हुए। बता दें कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं को सामान्य कार्यकाल से पहले भी भंग किया जा सकता है। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद अब तक कई राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो चुके हैं। अप्रैल-मई 2019 से शुरू होकर अब तक कई राज्यों के चुनाव हुए। वर्तमान में हर साल करीब 5-7 राज्यों के विधानसभा चुनाव होते हैं। बार-बार चुनाव होने की वजह से सार्वजनिक जीवन बाधित होता है। 2015 में कार्मिक, सार्वजनिक शिकायत, कानून और न्याय पर संसदीय स्थायी समिति ने कहा था कि बार-बार चुनाव होने से सामान्य सार्वजनिक जीवन में व्यवधान होता है और जरूरी सेवाओं के कामकाज पर असर पड़ता है। राजनीतिक रैलियां करने से सड़क यातायात बाधित होता है और ध्वनि प्रदूषण भी होता है।मौजूदी चुनावी चक्र में शामिल प्रमुख प्रतिकूल प्रभाव चुनाव आयोग की ओर से आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण विकास कार्यों और शासन पर असर डालते हैं। बार-बार चुनाव होने के कारण सरकार और अन्य हितधारकों को बड़े पैमाने पर खर्च करना पड़ता है। काफी लंबे समय तक सुरक्षा बलों की तैनाती करनी पड़ती है। आलोचकों की राय में एक साथ चुनाव कराने का विचार राजनीति से प्रेरित है। एक साथ चुनाव कराने से मतदाताओं का व्यवहार इस रूप में प्रभावित हो सकता है कि वे राज्य के चुनाव के लिए भी राष्ट्रीय मुद्दों पर मतदान करने लगेंगे। इससे संभावना है कि बड़ी राष्ट्रीय पार्टियां लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनावों में जीत हासिल करें। इससे क्षेत्रीय पार्टियों के हाशिए पर चले जाने की आशंका है जो अक्सर स्थानीय हितों का प्रतिनिधित्व करती हैं।कुछ आलोचकों का मानना है कि प्रत्येक 5 साल में एक से ज्यादा बार मतदाताओं का सामना करने से नेताओं की जवाबदेही बढ़ती है और वे सतर्क रहते हैं। कुछ राजनीतिक दलों और 2015 में कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसदीय स्थायी समिति ने एक बार में कराए जाने वाले चुनाव का समर्थन किया था। एआईएडीएमके ने गहन विचार-विमर्श के साथ वन नेशन वन इलेक्शन का समर्थन किया था। असम गण परिषद का कहना था कि इससे छोटी पार्टियों पर वित्तीय बोझ कम होगा। आईयूएमएल के मुताबिक ऐसा करने से समय की बचत होगी। डीएमडीके ने लोकसभा और विधानसभाओं के निश्चित कार्यकाल वाले विचार का समर्थन किया। वहीं, शिरोमणि अकाली दल ने इस विचार का समर्थन किया लेकिन कहा कि त्रिशंकु विधानसभा होने पर स्पष्टता की जरूरत है। कुछ पार्टियों ने एक साथ चुनाव कराए जाने के विचार को खारिज किया। एआईएमआईएम ने एक साथ चुनाव कराए जाने का विरोध किया। तृणमूल कांग्रेस ने इस विचार को खारिज करते हुए कहा कि चुनाव स्थगित करना अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। सीपीआई ने इस विचार को अव्यावहारिक बताकर खारिज किया। कांग्रेस ने भी इसे अव्यवहार्य बताकर खारिज किया। एनसीपी का भी कुछ ऐसा ही मत रहा। संविधान का अनुच्छेद 83 संसद के दोनों सदनों के कार्यकाल का प्रावधान करता है। अनुच्छेद 83(2) लोकसभा के लिए इसकी पहली बैठक की तारीख से पांच साल के कार्यकाल का प्रावधान करता है, जब तक कि इसे पहले भंग न किया जाए। अनुच्छेद 172 (1) राज्य विधानसभा के लिए उसकी पहली बैठक की तारीख से पांच साल के कार्यकाल का प्रावधान करता है।क्या लोकसभा और राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है? इसका जवाब है कि आपातकालीन स्थिति को छोड़कर किसी भी कीमत पर सदन का कार्यकाल बढ़ाया नहीं जा सकता है लेकिन इसे इसके कार्यकाल की समाप्ति से पहले भंग किया जा सकता है। एक साथ चुनाव पर चुनाव आयोग ने पहली बार 1983 में सुझाव दिया था। उस वर्ष प्रकाशित भारत के चुनाव आयोग की पहली वार्षिक रिपोर्ट में इसका विचार आया था। विधि आयोग की ओर से 1999 में इसका विचार आया था। 1999 में न्यायमूर्ति बीपी जीवन रेड्डी की अध्यक्षता में भारतीय विधि आयोग ने चुनावी कानूनों के सुधार पर अपनी 170वीं रिपोर्ट पेश की थी। इसने चुनाव सुधारों के एक भाग के रूप में एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी। 2015 में कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 79वीं रिपोर्ट में दीर्घकालिक (लंबे समय तक) सुशासन के लिए एक साथ चुनाव कराने का सुझाव दिया था और इसकी व्यवहार्यता की भी जांच की। 2017 में नीति आयोग ने भी एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर एक रिपोर्ट तैयार की थी।

बीजेपी से बनी चिराग की बात

काफी समय से मशक्कत चल रही थी कि एलजेपी नेता चिराग पासवान भाजपा के साथ रहेंगे या कहीं और ठौर ढूंढेंगे। तेजस्वी यादव ने तो उन पर पांसा भी फेंका था। चिराग उनके पांसे में उलझते उसके पहले ही उनकी बीजपी से बात बन गई। उन्हें मनचाही सीट तो मिली ही साथ ही उतनी सीटें भी मिल गई जितने की वे मांग कर रहे थे। चिराग पासवान के साथ सीट बंटवारे पर बनी बीजेपी की सहमति की खबर बिहार के चुनावी समीकरण को काफी हद तक बदल देगा। इसमें यदि नीतीश कुमार और एनडीए के अन्य धड़े की भागीदारी मिल जाए तो सोने पे सुहागा हो जाए। फिर भी यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि इसकी अभी औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन चिराग पासवान ने अपने स्तर पर इसकी पुष्टि कर दी है। इसलिए इसे महज अटकलबाजी कहकर टालने की कोई गुंजाइश बची नहीं है। अगर समझौते से जुडी सारी जानकारियां सही हैं तो निश्चित रूप से यह चिराग पासवान के लिए सबसे बडी जीत है। उनके इस दावे पर एक तरह की मुहर है कि पिता रामविलास पासवान के असली राजनीतिक वारिस वही हैं। यह अहम इसलिए है कि तीन साल पहले 2021 में जब चिराग के चाचा पशुपति पारस ने बगावत का झंडा बुलंद करते हुए पार्टी को दोफाड़ कर दिया था, तब बीजेपी ने भी उन्हीं को मान्यता दी थी। तब चिराग का दावा था कि सांसद और विधायक चाहे जहां चले जाएं, पार्टी और मतदाता उनके पास है क्योंकि लोग उनके पिता की विरासत उन्हें ही सौंपने वाले हैं। बिहार में एनडीए के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे का सवाल अभी सुलझा नहीं है। बीजेपी ने सबसे पहले चिराग पासवान के साथ सहमति बनाकर इस मामले को विराम देने की जरूरत महसूस की तो उसकी वजह यह थी कि विरोधी महगठबंधन की ओर से भी उन पर डोरे डाले जा रहे थे। खुद चिराग ने यह कहकर इसका संकेत दे दिया था कि सभी पक्ष उन्हें अपने साथ रखना चाहते हैं, लेकिन उनकी नीति 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की है। इसलिए उन्होंने दोनों विकल्प खुले रखे थे। इस मामले का सबसे अहम पहलू है मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार के साथ चिराग पासवान की पटरी नहीं बैठ रही है, यह किसी से छुपा नहीं है। 2019 लोकसभा चुनाव में एनडीए का हिस्सा रहते हुए चिराग ने जिस तरह से तब छह सीटें मिली थीं और सभी पर उसके प्रत्याशी जीते थे, उसका हवाला देते हुए ही उन्होंने अपनी सभी सीटों की मांग की थी, जिसे भाजपा ने लगभग स्वीकार कर लिया है। इसके बावजूद 2020 विधानसभा चुनावों में नीतीश कुमार को कथित तौर पर ज्यादा तवज्जो दिए जाने के विरोध में चिराग पासवान जदयू के साथ जिस तरह का छल किया था, उसे शायद नीतीश कुमार आसानी से नहीं भूलने वाले हैं। जदयू के खिलाफ उन्होंने अपने प्रत्याशी खड़े किए। नतीजतन जदयू की सीट संख्या घटकर (45) तक पहुंच गई जो अब तक के सबसे निचले स्तर पर रही। इसकी कसक आज भी नीतीश कुमार को खाए जा रही है। ऐसे में यह सवाल अहम हो जाता है कि नीतीश कुमार और पशुपति पारस समेत बिहार में एनडीए के अन्य धड़े इस सहमति पर किस तरह की प्रतिक्रिया देते हैं। पारस का धड़ा राज्यपाल और मंत्री पदों की कथित पेशकश पर संतुष्ट हो जाता है या चुनाव लड़ने की जिद पर कायम रहता है, यह देखना होगा। जहां तक जदयू की बात है तो बीजेपी और चिराग पासवान के बीच बनी सहमति को उनके आपसी मामले की तरह पेश किया जा सकता है। यानी चिराग को दी जाने वाली सीटें बीजेपी के कोटे की मान कर मामले को तूल देने से बचा जा सकता है। मगर इतना तो तय है कि बिहार में बीजेपी को शानदार संतुलन दिखाना पड़ेगा, जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।

जीवन के श्रेष्ठ लक्ष्य सकारात्मक श्रम और संयम से ही संभव

संजीव ठाकुर

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। निरंतर श्रम करना उच्च मनोबल बनाए रखना और सफलता की कामना और पवित्र महत्वाकांक्षा सफल मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैं। जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज में 3% नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है।

विपक्षी नेताओं के हताशा भरे बयान-भाजपा के टानिक

राज सक्सेना

भारतीय राजनीति के मैदान में जब से नरेंद्र मोदी का उदय, गुजरात और फिर वहाँ से निकलकर राष्ट्रीय पटल पर हुआ है, भारत की व्यवहारिक राजनीति का परम्परागत तौर तरीका ही बदल गया है। इस परिक्षेत्र का पहला बदलाव तो यह हुआ है कि नरेंद्र मोदी अपने और अपने साथी दलों के लिए एक बहुत बड़ी लकीर खींचकर बहुत बड़े और प्रथम दृष्टया असम्भव से लगने वाले विजय के ऊंचे लक्ष्य निर्धारित कर देते हैं। कभी कभी तो इतने ऊंचे लक्ष्य कि कईं बार तो विरोधियों की कल्पना से भी परे होते हैं। परिणाम स्वरूप वे हक्के-बक्के से रह जाकर किंकर्तव्यविमूढ़ मनःस्थिति में तक पंहुच जाते हैं। चूंकि मोदी अपने लक्ष्य पूरी तैयारी के बाद निर्धारित करते हैं और उनकी प्राप्ति के लिए अनवरत परिश्रम भी करते हैं, इसलिए उन्हें वे लक्ष्य सरलता से प्राप्त भी हो जाते हैं और विपक्षी एक बार फिर ईवीएम का रोना रोने लग जाते हैं या फिर नये नये कुतर्कों के सहारे अपनी पराजय को मोदी की बेईमानियों तक ले जाते हैं। इस बार भी संसद में मोदी द्वारा तीसरी पारी की घोषणा क्या की गयी, एक असम्भव सा इंडी गठबंधन बना कर जीत के दिवास्वप्न देख रहे विपक्ष की आशालता पर तुषारापात हो गया। इस बार मोदी ने 'तीसरी बार मोदी सरकार' का नारा देकर अपने कर्तव्य की इतिश्री नहीं की है। एक एक दिन में चार चार राज्यों का दौरा करके लक्ष्य पूर्ति की ओर कदम तो बढाये ही हैं। विपक्ष के लिए चुनौतियां भी खड़ी करके उनकी सिट्टी पिट्टी भी गुम करदी है। जगजाहिर है कि लक्ष्य की पूर्ति के लिए दोनों ओर से गठबंधन तो होंगे ही। मोदी भी गठबंधन कर रहे हैं। कांग्रेस यदि मोदी को हराने के लिए 400 पार का लक्ष्य बनाएगी तो उसे खुद अपने लिए कमसे कम 200 सीटें तो जीतनी पड़ेंगी। चुनाव विशेषज्ञों के अनुसार कांग्रेस किसी भी दशा में 60 का आंकड़ा पार करने से रही। कल्पना कीजिए कांग्रेस उप्र में 17 सीट, बिहार में 12 सीट और दिल्ली में 3 सीटों पर समझौता करके लड़ेगी तो 200 सीटों का लक्ष्य कैसे छू पाएगी। फिर विपक्ष के पास तो कोई सर्वमान्य प्रधानमंत्री का चेहरा भी नहीं है। राहुल जरूर खुद को भावी पीएम मानकर चल रहे हैं। ठीक भी है, जब कोई और चेहरा नहीं तो राहुल ही सही। चुनाव है तो हौसला तो कायम रखना ही पड़ेगा। मोदी का टेम्पो हाई है। भाजपा भी तीन राज्यों में जीत के बाद बड़े जोशो खरोश में है। रामलला मंदिर निर्माण आसमान में छेद करने के उदाहरण के रूप में एक बहुत बड़ा पावर बूस्टर है। सफल और सशक्त गठबंधन उसकी विजय की गारंटी हैं। लक्ष्य सम्पूर्ति और अधिक नजदीक लाने की तैयारी जोरों से की जा रही है। उधर ऐसा पहली बार हुआ है जब देश की सबसे पुरानी और आजादी के संघर्ष की मुखिया रही कांग्रेस पार्टी के राजपरिवार ने अपने गृह प्रदेश उप्र को अलविदा ही कह दिया है। जिस प्रदेश ने देश को लगभग सारे स्थायी प्रधानमंत्री दिए हैं, अपने खस्ता हालातों के चलते कांग्रेस यहां से अपने दिग्गजों को उतारने की हिम्मत तक नहीं जुटा पा रही है। वैसे भी सदा से स्वयं को बड़ा भाई मानती रही कांग्रेस, खुद को अब छोटा भाई मान चुकी है। तभी तो उप्र की 80 लोकसभा सीटों में से कुल 17 सीटों पर लड़ने को सहमत हो गई है। पराभव की पराकाष्ठा है यह। इसे कांग्रेस की बदहाली न कहा जाए तो क्या कहा जाय कि रायबरेली और अमेठी जैसी सीटों पर चुनाव लड़ने में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के फिलहाल तो पसीने छूट ही रहे हैं। जिस प्रदेश ने और जिन दो सीटों ने देश को जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी जैसे प्रधानमंत्री बार बार दिए हों, जिन दो सीटों ने सोनिया और राहुल के रूप में कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्षों को बार बार जिताकर भेजा हो, उन सीटों दशा देखिए। सोनिया राजस्थान से राज्यसभा चली गईं हैं, राहुल का नाम केरल के वायनाड से घोषित हो गया है। प्रियंका गांधी आज तक कोई चुनाव लड़ने की हिम्मत ही नहीं जुटा पाई हैं। यद्यपि कुछ वर्ष पहले 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' कहकर उन्होंने सनसनी जरूर फैला दी थी। पिछले लोकसभा चुनाव में तो यह भी घोषणा की गयी थी कि प्रियंका काशी से मोदी के खिलाफ़ चुनाव लड़ेंगी। ऐसा कुछ नहीं हुआ। अब उम्मीद थी कि मां सोनिया द्वारा छोड़ी गई रायबरेली से बेटी प्रियंका लड़ेगी। मगर यह खबर है कि प्रियंका ने रायबरेली से चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है। इसका खुलासा कुछ दिनों में हो जाएगा। हो सकता है कि राहुल पहले की तरह अमेठी से भी पर्चा भरें और प्रियंका भी रायबरेली से लड़ने को तैयार हो जाएं। गांधी परिवार के पलायन का असर देखिए कि सलमान खुर्शीद और प्रदेश अध्यक्ष बड़बोले अजय राय तक ने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है। हिन्दी क्षेत्र के कईं राज्यों में कांग्रेस प्रत्याशी चुनाव लड़ने से इंकार कर रहे हैं। यह स्थिति इंडी गठबंधन के सबसे बड़े दल कांग्रेस के लिए सुखद तो नहीं है। ऐसा तब, जबकि बंगाल के बाद अब कश्मीर में भी गठबंधन टूट सा गया है। माना कि बिहार और महाराष्ट्र में एनडीए का तालमेल भी आसानी से नहीं हो पा रहा है। परंतु बीजेपी में टिकटों के लिए कोई संकट नहीं है। एनडीए ने जब नारा 400 पार का दिया है, तो गठबंधन तो करने पड़ेगे। बीजेपी अगर आंध्र प्रदेश और ओडिशा में टीडीपी और बीजेडी से सीट तालमेल कर रही है, तो गलत क्या है। देश का प्रधानमंत्री यदि संसद के भीतर एनडीए 400 पार का दावा ठोकता है तो जाहिर है समान कार्यक्रमों पर लोकसभा तथा भावी विधानसभा के लिए समान विचारधारा के दलों की सीट संख्या तो निर्धारित करनी ही पड़ेगी। पीएम का दावा भाजपा के लिए 370 सीटों का भी है। 2014 के चुनाव में 282 सीट लाने वाली भाजपा यदि तमाम विपक्षी दावों को नकार कर 2019 में 303 सीटें ले आती है तो जाहिर है उसे 2024 में 303 से बड़ा लक्ष्य निर्धारित करना कोई गर्वोक्ति या दिवास्वप्न नहीं हो सकता है। अब यदि पीएम ने 370 धारा हटाकर 370 का ही लक्ष्य बना लिया है तो इसे उचित ही कहा जाना चाहिए। जीत सुनिश्चित करने के लिए ही विपक्षी दलों ने भी गठबंधन बनाया है। यद्यपि गठबंधन ने अपना कोई सीट प्राप्ति लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है, लेकिन पीएम ने 400 पार को ही नारे का रूप देकर विपक्ष को हिला दिया है। अब गठबंधन को भी सरकार बनाने के लिए 400+ का लक्ष्य बनाना पड़ेगा। यह अच्छी बात है कि गठबंधन राज्यों में सीट तालमेल में जुटा है। जब से राज्यों में क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ है और मतदाता विभाजित हुआ है तो गठबंधन तो सभी को करने पड़ेगे।

पीड़ितों और प्रताड़ितों के लिये

वीरेन्द्र सिंह परिहार

नागरिकता संशोधन विधेयक संसद में पास होकर 12 दिसम्बर 2019 को राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पश्चात यह अधिनियम भी बन गया था। अब इसे अधिसूचित कर दिया गया है और इसके क्रियान्वयन का रास्ता साफ हो गया है। इसके विरोध में वर्ष 2019 में भी देश के राजनैतिक एवं सामाजिक वातावरण में कई जगह उग्र प्रदर्शन, हड़तालों का सिलसिला देखने को मिला था। इसके विरोधियों को इस अधिनियम को लेकर सबसे बड़ी आपत्ति यह है कि यह मुस्लिम विरोधी है जो कि एक धर्मनिरपेक्ष देश के लिये कतई उचित नहीं कहा जा सकता। उल्लेखनीय है कि इस अधिनियम के माध्यम से पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के हिन्दुओं, सिखों, बौद्धों, जैनों, ईसाइयों और पारसियों को भारत की नागरिकता देने का प्रावधान किया गया है पर मुस्लिमों को इसमें शामिल नहीं किया गया है। ऐसी स्थिति में इस अधिनियम के विरोधियों का कहना है कि धर्मनिरपेक्ष भारत में धर्म के आधार पर कोई कानून कैसे बनाया जा सकता है ? कुछ तो यहाँ तक कहने लगे हैं कि यदि मुसलमानों को इस तरह से निशाने में लिया जा रहा है। कुछ लोगो के अनुसार यह अधिनियम समानता के अधिकारों का हनन करता है। इसलिए समानता का सिद्धान्त कोई निरपेक्ष सिद्धांत नहीं है। समानता वहीं तक प्रयोज्य है जब एक जैसी स्थितियाँ हों। कहने का तात्पर्य यदि भारत के नागरिकों के साथ धर्म अथवा किसी भी कारण से भेदभाव किया जाय तो वह अवश्य अनुचित कहा जा सकता है। दूसरी बात यह कि किसी भी कानून या तत्थ्य को समग्रता में देखने की जरूरत होती है। जैसा कि देश के गृहमंत्री अमित शाह का कहना था कि 1947 में देश का विभाजन धर्म में आधार पर ही हुआ था। इसी आधार पर 1947 में देश बटवारे के पश्चात पाकिस्तान से जो हिन्दू, सिख एवं दूसरे गैर मुस्लिम शरणार्थी आये उन्हें भारत की नागरिकता दी गई। 1971 में पाकिस्तानी फौज के अत्याचार एवं दमन के चलते जो हिन्दू एवं बौद्ध शरणार्थी आये, उन्हें भी बहुत हद तक भारत की नागरिकता दी गई। तो बड़ा सवाल यह कि जब इसे वैधानिक स्वरूप दिया जा रहा है तो चिल्ल-पो क्यों ? पर कुछ विपक्षी दलों को इसमें भाजपा की चुनावी राजनीति दिखती है तो ओवैसी जैसे राजनीतिज्ञों को इसमें मुस्लिम विरोध दिखाई पड़ता है। अरविंद केजरीवाल जैसे लोग यह दुष्प्रचार कर रहे हैं कि इस तरह से पाकिस्तानी और दूसरे देशों से आकर लोग यहाँ के संसाधनों पर कब्जा कर लेंगे जबकि यहाँ के नागरिकों के लिये ही बहुत सारी समस्याएं हैं। इस बात से कोई इनकार नहीं किया जा सकता कि देश के विभाजन के बाद जो हिन्दू एवं दूसरे गैर मुस्लिम समुदाय के लोग पाकिस्तान में रह गये या जिन्हें आने नहीं दिया गया, उन्हें घोर अत्याचारों का सामना करना पड़ा। वह अपने रीति-रिवाजों एवं प्रथाओं का पालन नहीं कर सकते, अपने धार्मिक उत्सव नहीं मना सकते। उनके पूजा स्थल मनमानी ढ़ंग से तोड़े और अपवित्र किये जाते रहे। उनकी बहू बेटियों का मनमानी ढ़ंग से अपहरण किया जाता रहा। यहाँ तक कि उनके जान-माल की कोई गारंटी नहीं थी और न अब ही है। ऐसी स्थिति में हिन्दू और दूसरे गैर मुस्लिम वहाँ से भागकर भारत आते रहे। खासतौर से हिन्दुओं और सिखों के समक्ष भारत आने के अलावा दूसरा विकल्प यही था कि वह हिन्द महासागर में डूब मरे। इसी का नतीजा है कि विभाजन के समय जहाँ पाकिस्तान में करीब 25 प्रतिशत हिन्दू थे, वहीं पाकिस्तान में एकाध प्रतिशत ही बचे हैं और बंगलादेश में भी मात्र 8 प्रतिशत ही रह गये हैं। चूँकि ये लोग अभिभाजित भारत के नागरिक थे, इसलिए इन्हें मानवीय कारणों से भारत की नागरिकता पाने का पूरा हक है। कुछ लोग कह सकते हैं कि अफगानिस्तान के गैर मुस्लिमों को नागरिकता क्यों दी जाना चाहिए ? अफगानिस्तान कभी बृहत्तर भारत का हिस्सा हुआ करता था। दूसरे जैसा कि अमित शाह ने कहा कि भारत से अफगानिस्तान की सीमा 106 किलोमीटर मिलती है। तीसरे वहाँ पर तालिबान के अमानवीय अत्याचारों का सामना करना पड़ा। जहाँ तक सवाल इस बात का है कि उपरोक्त तीनों देशों के मुस्लिमों को नागरिकता क्यों नहीं ? तो स्पष्ट है कि वहाँ मुस्लिम बहुमत में है, उन्हें पीड़ित और प्रताड़ित कतई नहीं कहा जा सकता। जहाँ तक रोहिंग्या मुस्लिमों का सवाल है तो उनको अपने हिंसक कारनामों के चलते बर्मा से भागना पड़ा। इनके द्वारा कई निर्दाष हिन्दुओं की हत्याएं भी की गई। अब भी उनके क्रिया-कलाप कुछ इसी ढ़र्रे पर चल रहे हैं। बड़ी बात यह कि उनके प्रति मूल जिम्मेदारी बांग्लादेश की है।इस संदर्भ में जो लोग मुस्लिमों के प्रति भेदभाव का आरोप लगाते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि जहाँ पाकिस्तान और बंगलादेश में हिन्दू क्रमशः घटते रहे, वहीं भारत में मुस्लिमों की आबादी बढ़ती रही। देश के बटवारे के बाद भारत में मुस्लिमों की आबादी जहाँ 9 प्रतिशत थी, वहीं अब बढ़कर 15 प्रतिशत तक पहुंच गई है। कभी यह सुनने को नहीं मिला कि अत्याचारों और प्रताड़ना के चलते मुसलमान पाकिस्तान, बांग्लादेश या किसी भी मुस्लिम राष्ट्र की तरफ भाग रहे हैं।

बड़े जिगरे का काम है

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

यह जानते हुए कि सभी चीज़ें महंगी होती जा रही हैं बावजूद इसके उसे सस्ता कहना, बड़े जिगरे का काम है। यह अंधभक्ति की पराकाष्ठा है। मैं इस पराकाष्ठा का मजा लेने का आदी हो गया हूँ। यह मजा बाहर से मुस्कुराने और भीतर से रोने का टू इन वन अहसास देता है। इसलिए जिनमें देशभक्ति नहीं है उन्हें यह मजा नहीं लेना चाहिए। जो महंगे को सस्ता नहीं कह सकते उनके लिए दो रास्ते हैं- देशद्रोही कहलायें या मर जाएँ। अंधभक्त होना एक महान वरदान है। अंधभक्त न हों तो देश कब का बर्बाद हो जाता। उनके होने से ही निर्बाध गति से साँस ले पा रहे हैं। सूर्य का पूर्व से उदित होना, शाम को पश्चिम में अस्त होना यह सब क्या है? क्या यह सत्तर साल पहले हो पा रहा था? नहीं। कभी नहीं। यह सब तो पिछले कुछ वर्षों से हो रहा है। अभी जो राजाबाबू हैं, वे बड़े ही निहायती और अच्छे किस्म के आदमी हैं। अंधभक्तों की नजर से देखें तो उनमें भगवान नजर आते हैं। बहुत बड़े पद पर हैं। भेष बदलने में नंबर वन हैं। पल में रोना और पल में हँसना उनके बाएँ हाथ का खेल है। खुद किसी को कोई चीज़ दें तो उसे समय की जरूरत कहेंगे और कोई दूसरा दे दे तो उसे रेवड़ी का टैग लगाकर धोबी पछाड़ का मज़ा चखायेंगे। हमारे यहाँ चुनाव के दिन चल रहे थे। राजाबाबू अपनी आदत के अनुसार भेष बदलकर हमारे यहाँ पहुँच गए। शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, सड़क आदि छोड़कर शेष सभी विषयों पर घंटों बात करने लगे। न जाने किसी अज्ञानी ने बीच में पूछ लिया कि हमारी जरूरतें कब पूरा होंगी तब उन्होंने भगवान का वास्ता देकर भजन-कीर्तन करने के लिए कहा। उस दिन जाकर पता चला कि वे भगवानों को अपनी जेब में लेकर घूमते हैं। जहाँ जिसकी जरूरत होती है वहाँ उसी भगवान को उतार देते हैं। मंदिर जाने पर पंडित, मस्जिद जाने पर मौलवी, गिरजाघर जाने पर पादरी और गुरुद्वारे जाने पर पगड़ी बांधे सबसे बड़े भक्त होने का कीर्तिमान स्थापित करते हैं। लोग नौकरी मांगते तो उन्हें दो करोड़ का खाली कटोरा थमा देते। अन्न माँगते तो 370 थमा देते। भाईचारा माँगते तो धर्मों के बीच कबड्डी करवा देते। सुख-शांति मांगते तो तीन तलाक थमा देते। केवल मांगने की देरी होती कि वे कुछ न कुछ थमाने के लिए तत्पर रहते। वे नए जमाने के अवतार थे। गीता में पाप बढ़ने पर भगवान के प्रकट होने की बात कही गई है। अब सब कुछ उल्टा है। दो-तीन दलों के नेता साथ मिल जाएं तो ईडी, सीबीआई, आईटी देवता प्रकट हो जाते हैं। यही सब देखते हुए मैंने सुखी होने का उपाय ढूँढ निकाला है। मैंने अंधभक्त शिविर केंद्र में दाखिला ले लिया है। अब मुझे रात को दिन, गधे को घोड़ा, बेरोजगार को रोजगार और भूखे को सुखी कहने में कोई गुरेज नहीं है। देशभक्त जो बन चुका हूँ। बड़े गर्व के साथ देशभक्ति का प्रमाणपत्र गले में लटकाए निडर यहाँ-वहाँ घूम सकता हूँ।

होलाष्टक की कैसे हुई शुरुआत?

होलाष्टक फाल्गुन मास की अष्टमी से शुरू होता है और पूर्णिमा यानी होलिका दहन तक रहता है। होलिका दहन के अगले दिन होली का त्योहार मनाया जाएगा। होली के पहले के 8 दिनों को होलाष्टक कहा जाता है। होलाष्टक को बहुत अशुभ माना जाता है। इस समयावधि में किसी भी तरह के शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। इस साल होलाष्टक की शुरुआत 17 मार्च से होगी और फाल्गुन पूर्णिमा यानी 24 मार्च पर यह समाप्त होगी। इस दिन होलिका दहन होगा और इसके अगले दिन यानी 25 मार्च को रंग वाली होली खेली जाएगी। आइए जानते हैं होलाष्टक कैसे शुरू हुआ और इससे जुड़ी पौराणिक कथाएं क्या हैं।

होलाष्टक से जुड़ी पौराणिक कथाएं

एक प्रसिद्ध पौराणिक कथा के अनुसार, हिरण्यकश्यप एक असुर जाति का अत्याचारी और निर्दयी राजा था। इसके अत्याचारों से वहां की प्रजा बहुत दुखी थी। वो लोगों पर अपनी पूजा करवाने का दबाव डालता था। उसका बेटा प्रहलाद भगवान विष्णु का परम भक्त था। प्रहलाद विष्णु भगवान की साधना में हमेशा मग्न रहता था। उसकी भक्ति से हिरण्यकश्यप बहुत क्रोधित रहता था। अपने पुत्र की भक्ति को भंग करने के लिए हिरण्यकश्यप ने लगातार 8 दिनों तक प्रहलाद को कई तरह की यातनाएं दीं। होलाष्टक के ये 8 दिन उन्हीं यातनाओं के दिन माने जाते हैं। यही वजह है कि इन 8 दिनों में किसी भी तरह के शुभ काम नहीं किए जाते हैं। होलाष्टक के आठवें दिन हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को प्रहलाद को गोद में लेकर उसे जलाने को कहा। होलिका को यह वरदान मिला था कि वह आग में नहीं जल सकती लेकिन भगवान विष्णु ने अपने भक्त प्रहलाद को बचा लिया और आग में होलिका जलकर खाक हो गई। तभी से इस दिन होलिका दहन मनाया जाता है।

शिव-कामदेव की कथा

होलाष्टक से जुड़ी एक और पौराणिक कथा है। इसके अनुसार, हिमालय पुत्री पार्वती भोलेनाथ विवाह करना चाहती थीं। देवताओं को यह मालूम था कि ब्रह्मा के वरदान के चलते तारकासुर नामक असुर का वध भी शिव का पुत्र ही कर सकता है परंतु शिवजी अपनी तपस्या में लीन थे। तब सभी देवताओं के आग्रह पर कामदेव ने शिवजी की तपस्या भंग करने का निश्चय किया। कामदेव ने प्रेम बाण चलाकर भगवान शिव की तपस्या भंग कर दी।

तपस्या भंग होने पर भोलेनाथ बहुत क्रोधित हुए और उन्होंने अपनी तीसरी आंख खोल दी। कामदेव का शरीर उनके क्रोध की ज्वाला में जलने लगा लेकिन फिर भी कामदेव 8 दिनों तक शिवजी की तपस्या भंग करने का पूरा प्रयास किया। अंत में शंकर भगवान ने क्रोधित होकर कामदेव को भस्म कर दिया। तबसे यह दिन फाल्गुन की अष्टमी के तौर पर मनाई जाती है।

बाद में देवी-देवताओं ने भोलेनाथ को तपस्या भंग करने का कारण बताया। शिवजी ने पार्वती को देखा और उनकी आराधना सफल हुई और शिव जी ने उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। इसीलिए होली को सच्चे प्रेम का विजय उत्सव मानकर भी मनाया जाता है।

> किसी से बात करते समय शब्दों का इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर करें, क्योंकि हमारी बोली में ही अमृत और विष दोनों हैं। गलत शब्दों से करीबी रिश्ते भी टूट जाते हैं।

> आधा रास्ता तय करने के बाद मंजिल को छोड़कर लौटने का कोई लाभ नहीं है, क्योंकि लौटने में भी उतना ही समय लगेगा, जितने समय में हम अपनी मंजिल पर पहुंच सकते हैं। जब तक काम पूरा नहीं होता है, हमें आगे बढ़ते रहना चाहिए।

> घर-परिवार में प्रेम बनाए रखना चाहते हैं तो धन से ज्यादा रिश्तों को महत्व दें। रिश्ते प्रेम, विश्वास और आपसी सम्मान पर टिके रहते हैं।

क्या हुआ जब धरती के पहले इंसान को यमराज अपने साथ ले गए

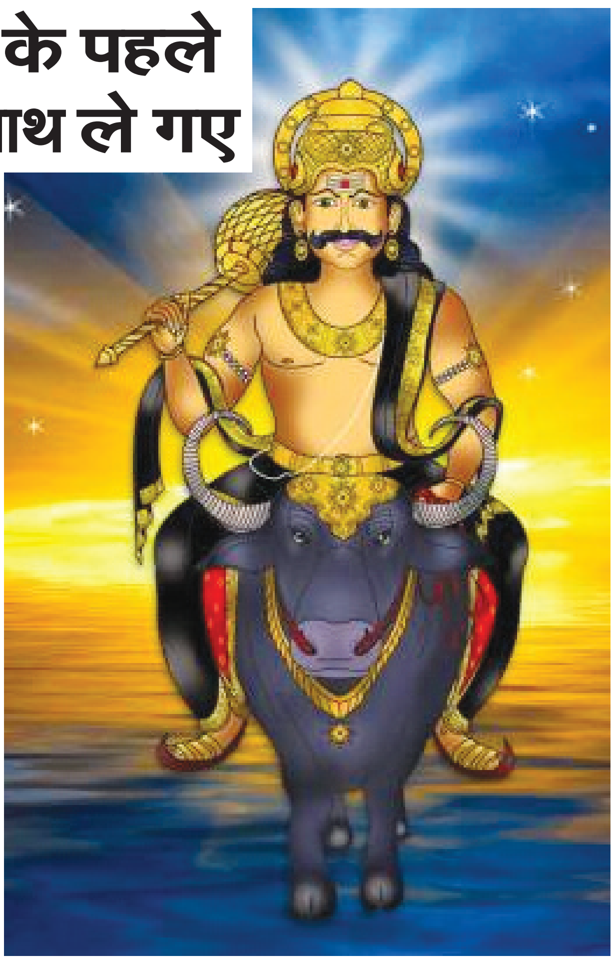

पता नहीं, घटना कितनी पुरानी है, इसलिए कहते हैं कि हजारों साल पहले धरती की एक ही संतान थी, बिंदी! एक दिन वह स्नान के लिए नदी पर गई, तो वापस घर नहीं लौटी। उसे ढूंढा जाने लगा। धरती के गुप्तचर दुनिया के कोने-कोने में बिंदी की खोज करने लगे। बड़ी मुश्किल से पता लगा कि बिंदी को यमराज उठा ले गए हैं। वजह यह है कि इस लोक में उसके रहने की अवधि समाप्त हो चुकी थी।

यह सुनते ही धरती फूट-फूट कर रोने लगी। धरती के साथ उसके आसपास बहने वाला पवन भी बिलखने लगा। धूप विलाप करने लगी। आकाश में बादल दर्द के मारे क्रंदन कर उठे। धरती पर पतझड़ छा गया।

धरती के दूतों ने यमराज से कहा कि प्रलाप से धरती दुख से मर भी सकती है। फिर तो ईश्वर की बनाई सृष्टि भी नष्ट हो जाएगी। इसलिए बिंदी को वापस भेज दें। मगर यमराज जरा भी ढील देने के लिए तैयार नहीं थे। धरती की उदासी से जो तपिश फैली, उससे गर्म हवाएं बहने लगीं, जल सूखने लगा और मिट्टी में दरारें पड़ गईं।

पशु-पक्षी और इंसान छटपटाकर मरने लगे। यमराज का सिंहासन डोल उठा। तब जाकर वह पसीजे। वह नियमों में थोड़ी ढील देने के लिए राजी तो हुए, लेकिन शर्त रखी कि बिंदी को साल में छह महीने मां के साथ बिताना होगा और शेष समय यमलोक में।

धरती ने शर्त मान ली। बिंदी की वापसी हुई, तो धरती ने खुशी में साज-श्रृंगार किया। पवन सुहाना हो उठा। धरती की हंसी के साथ सृष्टि में मानो जीवन लौट आई। बिंदी की वापसी को त्योहार की तरह मनाया गया। कहते हैं कि वंसत पंचमी से शुरू होकर होली के दिन तक धरती पूरे साज श्रृंगार से रही। और फागुन का चांद तो उस खुशी में नाच उठता है।

शनि बनाएंगे आपको मालामाल

ज्योतिष शास्त्र में शनि को एक ऐसा ग्रह माना गया है, जो रूष्ट होकर महान कष्ट का दाता बनता है और प्रसन्न होने पर व्यक्ति को अपार सुख, सुविधा का स्वामी बना देता है। शनि जब जन्म कुंडली में शुभ भूमिका में हो, तो यह सूर्य, चंद्र, बृहस्पति आदि से बढ़कर शुभ फलों को देने वाला होता है। ज्योतिष शास्त्र नवग्रहों के विलक्षण रहस्यात्मक प्रभाव के लिए विश्व विख्यात है, इनमें भी सर्वाधिक चर्चित ग्रह शनि अपनी विशिष्ट भूमिकाओं के कारण जाना जाता है, अगर जन्म कुंडली में शनि शुभ भूमिका में हो, उच्च राशि का हो, योगकारक हो, तो शनि की साढ़ेसाती ढैय्या अथवा महादशा दुख देने के बजाए व्यक्ति को जीवन में सुख ही सुख प्रदान करती है, शुभ शनि व्यक्ति को रातों-रात मालामाल कर देता है। कैसे जानें शुभ शनि है कि नहीं आपके जन्मांग जन्मकुंडली में।

तुला राशि में उच्च शनि

अगर आपकी जन्मकुंडली में जहां पर 7 नंबर अंकित है, वहां पर शनि लिखा है, तो इसका मतलब आपकी पत्री में शनि 7 नंबर अर्थात तुला राशि में बैठा है, तुला राशि में उच्च का शनि व्यक्ति को विशेष सफलता, धन-ऐश्वर्य दिलाता है।

अगर आपकी जन्मपत्री में शनि 10 अथवा 11 नंबर जहां अंकित है, वहां पर लिखा है, तो इसका मतलब आपकी कुंडली में शनि स्वराशि है, स्वराशि अर्थात अपने घर का शनि भी व्यक्ति को जीवन में विशेष सुख-सुविधा, धन आदि दिलाता है। 10 नं. का मतलब मकर राशि और 11 नं. का मतलब कुंभ राशि, यह दोनों ही शनि की प्रिय स्वराशियां हैं।

जिस व्यक्ति की कुंडली मे शनि लाभ स्थान में विराजमान हो, तो अपनी दशा-महादशा में शनि निरंतर लाभ प्रदान करता रहता है। लाभ स्थान का शनि व्यक्ति को कुशल प्रशासक, उच्चस्थ पदाधिकारी बनाता है। ऐसे व्यक्ति का व्यक्तित्व भव्य होता है और वह शनि के कारण समाज में मान-सम्मान पाता है।

भाग्य के दरवाजे खोलते हैं शनि

यदि कुंडली में शनि शुभ भावों में हो तथा शुभ युति कर रहा हो, तो शनि व्यक्ति के भाग्य का द्वार खोल देता है। व्यक्ति को जज अर्थात न्यायाधीश बनाकर जीवन में उच्चतम सफलता अर्जित कराता है।

साढ़ेसाती से नहीं होती हानि

यदि कोई जातक मकर लग्न का हो और उसके द्वितीय भाव में शनि बैठा हो तो ऐसे जातक को साढ़ेसाती में किसी भी प्रकार की हानि नहीं होती। मकर लग्न होने पर द्वितीय धन स्थान पर कुम्भ राशि आती है, जिसके कारण द्वितीय स्थान पर बैठा कुंभ राशि का शनि जिसे ज्योतिषीय भाषा में स्वराशि का शनि कहते हैं, विशेष धन लाभ कराता है।

शनि से बनते हैं ये शुभ योग

यदि जन्म कुंडली में शनि उच्च का अथवा स्वराशि का होकर केंद्र में बैठता हो, तो एक उच्च कोटि का विशेष राजयोग का निर्माण करता है, जिसे पंचमहापुरूष राजयोग में शश या शशक नामक राजयोग कहते हैं। यह राजयोग जिस व्यक्ति की कुंडली में होता है, वह व्यक्ति अपने आप में विशिष्ट होता है और उसके अधीन अनेक कर्मचारी, नौकर-चाकर कार्य करते हैं।

सब तुम्हारी आंखों पर निर्भर है

अगर ऐसे अनुभव से तुम्हारे भीतर एक प्रज्वलित अग्नि की लपट उठे, या किसी बुद्ध के सत्संग में संक्रामक हो जाए उसकी प्यास, वह तुम्हें उकसा दे, तुम्हें जला दे, तुम्हें आतुरता से भर दे, तुम्हारे भीतर एक विरह-अग्नि पैदा हो जाए, तो अभीप्सा पर्याप्त है। कुछ और चाहिए नहीं। प्यास पूर्ण हो जाए, तो परमात्मा उसी क्षण घट जाता है।

नयन नहीं मिलते नयनों से, मन का ज्वार मिला करता है। दीप नहीं जलते दीपक में, संचित नेह जला करता है।

ज्योति धूम से नेह जोड़ कर,बाती जल काजल बन जाती। दिवा रश्मि का हाथ पकड़ कर, नभ के अंतर में खो जाती। चरण नहीं चलते प्रिय पथ पर, प्यासा हृदय चला करता है। चरणों से नहीं पहुंचता कोई परमात्मा तक, प्यासे हृदय से पहुंचता है। दीपक नहीं जलते, दीपक में वह जो स्नेह का तेल जो भरा है, वह जो प्रीति जो भरी है, वह जलती है। नयन नहीं मिलते नयनों से, मन का ज्वार मिला करता है। तुम्हारे मन में ज्वार उठेगा, तो परमात्मा से मिलन होगा। आंखों से आंखें थोड़े ही मिला सकोगे।

दीप नहीं जलते दीपक में, संचित नेह जला करता है। ज्योति धूम से नेह जोड़ कर, बाती जल काजल बन जाती। दिवा रश्मि का हाथ पकड़ कर, नभ के अंतर में खो जाती। चरण नहीं चलते प्रिय पथ पर, प्यासा हृदय चला करता है। प्यास ही ले जाती है। पूर्ण प्यास पूर्ण तक ले जाती है। जगाओ प्यास को! लोभ न हो तुम्हारा प्यास,र् ईष्या न हो, महत्वाकांक्षा न हो, शुद्ध प्रेम हो। क्या बतलाऊं इन नयनों में नीर अधिक या प्यास अधिक है।

नीर भरे, ज्यों नभ आंगन में, उमड़े पावस मेघ सजीले! और तृषित ज्यों शत-शत युग के, चातक के नव बाल हठीले। नहीं जानती इन नयनों में नीर अधिक या प्यास अधिक है। क्या बतलाऊं इन नयनों में नीर अधिक या प्यास अधिक है। पल में अंकित हो जाती हैं, ओंठों पर स्वर्णिम मुसकानें। और दूसरे क्षण नयनों में, सावन की रिमझिम अनजाने। क्या बतलाऊं इस जीवन में रुदन अधिक या हास अधिक है। क्या बतलाऊं इन नयनों में नीर अधिक या प्यास अधिक है। धूप-छांह सी आश-निराशा पल में आती, पल में जाती। विगत कहानी बन रह जाता, भावी सपना बन छा जाती।

क्या बतलाऊं अधिक निराशा या उर में विश्वास अधिक है। क्या बतलाऊं इन नयनों में नीर अधिक या प्यास अधिक है।

सब तुम्हारी आंखों पर निर्भर है। प्यास को तो प्यास बनाना ही है, नीर को भी प्यास बनाना है। आंसू-आंसू प्यास बन जाए। तुम्हारी आंखें उसे तलाशने ही लगें, खोजने ही लगें। और ऐसा ही नहीं कि मंदिरों और मस्जिदों में खोजें—वह तो झूठी खोज है। मंदिर-मस्जिद में वह कभी किसी को मिला नहीं। हां, जिन्हें कहीं और मिल गया है, उन्हें मंदिर और मस्जिद में भी मिल जाता है, वह दूसरी बात। लेकिन मंदिर-मस्जिद में पहले वह किसी को नहीं मिलता। पहले तो तुम्हें तलाशना होगा इस विराट अस्तित्व में। और यहां वह खूब है। घना होकर है। **(क्रमशः)**

देवता श्रेष्ठ अधिकारी होकर भी स्वार्थपरायण

आप समरूप, ब्रह्म, अविनाशी, नित्य, एकरस, स्वभाव से ही उदासीन (शत्रु-मित्र-भावरहित), अखंड, निर्गुण (मायिक गुणों से रहित), अजन्मे, निष्पाप, निर्विकार, अजेय, अमोघशक्ति (जिनकी शक्ति कभी व्यर्थ नहीं जाती) और दयामय हैं। आपने ही मत्स्य, कच्छप, वराह, नृसिंह, वामन और परशुराम के शरीर धारण किए। हे नाथ! जब-जब देवताओं ने दुःख पाया, तब-तब अनेकों शरीर धारण करके आपने ही उनका दुःख नाश किया। यह दुष्ट मलिन हृदय, देवताओं का नित्य शत्रु, काम, लोभ और मद के परायण तथा अत्यंत क्रोधी था। ऐसे अधमों के शिरोमणि ने भी आपका परम पद पा लिया। इस बात का हमारे मन में आश्चर्य हुआ।

हम देवता श्रेष्ठ अधिकारी होकर भी स्वार्थपरायण हो आपकी भक्ति को भुलाकर निरंतर भवसागर के प्रवाह (जन्म-मृत्यु के चक्र) में पड़े हैं। अब हे प्रभो! हम आपकी शरण में आ गए हैं, हमारी रक्षा कीजिए। विनती करके देवता और सिद्ध सब जहां के तहां हाथ जोड़े खड़े रहे। तब अत्यंत प्रेम से पुलकित शरीर होकर ब्रह्माजी स्तुति करने लगे- हे नित्य सुखधाम और (दुःखों को हरने वाले) हरि! हे धनुष-बाण धारण किए हुए रघुनाथजी! आपकी जय हो। हे प्रभो! आप भव (जन्म-मरण) रूपी हाथी को विदीर्ण करने के लिए सिंह के समान हैं। हे नाथ! हे सर्वव्यापक! आप गुणों के समुद्र और परम चतुर हैं। आपके शरीर की अनेकों कामदेवों के समान, परंतु अनुपम छवि है। सिद्ध, मुनीश्वर और कवि आपके गुण गाते रहते हैं। आपका यश पवित्र है। आपने रावणरूपी महासर्प को गरुड़ की तरह क्रोध करके पकड़ लिया। हे प्रभो! आप सेवकों को आनंद देने वाले, शोक और भय का नाश करने वाले, सदा क्रोधरहित और नित्य ज्ञान स्वरूप हैं। आपका अवतार श्रेष्ठ, अपार दिव्य गुणों वाला, पृथ्वी का भार उतारने वाला और ज्ञान का समूह है। किंतु अवतार लेने पर भी आप नित्य, अजन्मा, व्यापक, एक (अद्वितीय) और अनादि हैं। **(जारी)**

खेड़ापति हनुमान मंदिर

मध्यप्रदेश में शाजापुर के बोलाई गांव में 600 वर्ष पुराना चमत्कारी श्री सिद्धवीर खेड़ापति हनुमान मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि मंदिर के सामने से निकलने वाली ट्रेन की गति अपने आप कम हो जाती है। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा हनुमान मंदिर है, जहां हनुमानजी की प्रतिमा में भगवान श्रीगणेश जी विराजित हैं। आइए जानते हैं कि क्या है इस मंदिर का रहस्य। श्री सिद्धवीर खेड़ापति हनुमान मंदिर रतलाम-भोपाल रेलवे ट्रैक के बीच बोलाई स्टेशन से करीब 1 किमी. दूर है। यहां स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा के बाएं बाजू पर श्रीसिद्ध विनायक गणेशजी विराजित हैं। दोनों भगवान एक ही प्रतिमा में विराजित होने के कारण इसे पवित्र, शुभ फलदायी माना जाता है। माना जाता है कि मंदिर में आने वाले भक्तों को भविष्य में घटित होने वाली घटनाओं का पहले ही अंदाजा लग जाता है।

मंदिर से कई चमत्कार जुड़े हैं। कहा जाता है कि मंदिर के सामने से निकनले से पहले ट्रेन की स्पीड अपने आप ही कम हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों पहले रेलवे ट्रैक पर दो मालगाड़ी आपस में टकरा गईं थी। बाद में दोनों गाडिय़ों के ड्राइवरों ने बताया था कि उन्हें घटना के कुछ देर पहले ही इस अनहोनी का पूर्वाभास हो गया था। उन्हें ऐसा लगा था मानों कोई उन्हें ट्रेन की रफ्तार कम करने के लिए कह रहा हो। लेकिन उन्होंने रफ्तार को कम नहीं किया और इस कारण टक्कर हो गई। तभी से यहां से गुजरने वाली ट्रेनों की रफ्तार कम की जाने लगी। कहा जाता है कि यदि कोई ड्राइवर इसे नजरअंदाज करता है, तो ट्रेन की स्पीड अपने आप ही कम हो जाती है। यह मंदिर करीब 300 साल पुराना है। कहते हैं कि मंदिर का निर्माण ठा. देवी सिंह ने करवाया था। यहां वर्ष 1959 में संत कमलनयन त्यागी ने अपने गृहस्थ जीवन को त्याग कर उक्त स्थान को अपनी तपोभूमि बनाया और यहां पर उन्होंने 24 वर्षों तक कड़ी तपस्या कर सिद्धियां प्राप्त की थी। इसलिए यह मंदिर बहुत ही सिद्ध मंदिर माना जाता है। मंदिर में आने वाले भक्तों की हर मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। दूर-दूर से लोग हनुमानजी के दर्शन करने आते हैं।

अमिताभ बच्चन की एंजियोप्लास्टी हुई, आज सुबह तबियत बिगड़ने के बाद अस्पताल में हुए थे एडमिट

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन से जुड़ी बड़ी खबर आ रही है. दरअसल बिग बी की तबियत खराब बताई जा रही है और उन्हें मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया जा रहा है कि अमिताभ बच्चन की एंजियोप्लेस्टी की गई है.

बिग बी ने एक्स अकाउंट पर की पोस्ट

रिपोर्ट के मुताबिक, बिग बी को कड़ी सुरक्षा के बीच आज तड़के अस्पताल में भर्ती कराया गया. उन्होंने दोपहर में एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर पोस्ट किया, हमेशा ग्रेटिट्यूडय माना जा रहा है कि सर्जरी के बाद अमिताभ ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने फैंस के प्रति आभार व्यक्त किया है. बता दें कि अमिताभ बच्चन की बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है और उनके फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं. बिग बी से मिलने के लिए उनके घर के बाहर फैंस का जमघट लगा रहता है. वहीं अमिताभ बच्चन भी हर संडे को अपने घर जलसा के बाहर फैंस के साथ मुलाकात करते हैं. बीते दिन अमिताभ बच्चन ने अपने एक्स अकाउंट पर फैंस से मुलाकात की ये तस्वीरें शेयर की थी.इसके साथ ही बिग बी ने लिखा था 'हम्बल्ड बीयोंड.'

वहीं बिग बी ने हाल ही में बेटे अभिषेक बच्चन संग आईएसपीएल में अपनी टीम का जश्न भी मनाया था. दरअसल इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) का उद्घाटन संस्करण चल रहा है.

गुरुवार, 14 मार्च को अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन की टीम माझी मुंबई ने चेन्नई सिंगम्स को हराकर फाइनल में जगह बना ली थी. इसके बाद दोनों अभिनेताओं ने अपनी टीम के साथ अपनी जीत का जश्न मनाया था.

वर्क फ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन के पास कईं प्रोजेक्ट्स हैं. वे जल्द ही प्रभास और दीपिका पादुकोण स्टारर 'कल्कि 2898 एडी' में अहम रोल प्ले करते नजर आएंगें. बिग बी की आखिरी रिलीज फिल्म टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन संग 'गणपत' थी.

मैंने हमेशा 'प्रयोग' किए हैं: भूमि पेडणेकर

भूमि पेडणेकर इन दिनों अपनी फिल्म 'भक्षक' को लेकर चर्चा में है। एक ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई इस फिल्म में भूमि की एक्टिंग को दर्शकों से लेकर समीक्षकों ने भी पसंद किया। हाल ही में भूमि की पहली फिल्म 'दम लगा के हईशा' को 9 साल पूरे हो गए। इस फिल्म की सफलता को याद करते हुए भूमि ने कहा, ₹फिल्म 'भक्षक' की सफलता मुझे अपनी हिट भी फिल्म की याद दिलाती है। मुझे अपनी पहली फिल्म के साथ बिल्कुल ऐसा ही महसूस हो रहा था, जैसा अभी मैं 'भक्षक' के साथ महसूस कर रही हूं। मैं वाकई बहुत खुश हूं। भूमि ने 'टॉयलैट- एक प्रेम कथा', 'बधाई दो' और 'शुभ मंगल सावधान' जैसी सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों को लेकर कहा, मुझे ऐसी फिल्में करना पसंद है। ऐसी फिल्में दर्शकों को भी खूब पसंद आती हैं और इनके किरदार समाज पर एक गहरा प्रभाव छोड़ते हैं। मुझे अपने काम से लोगों को प्रभावित करना पसंद है। मैं चाहती हूं कि मैं जो भी भूमिका करूं, उसमें अपना 100 प्रतिशत दूं, चाहे वह किरदार जैसा भी हो। भूमि ने आगे कहा, कई बार ऐसा होता है कि मेरी फिल्म में कोई सामाजिक संदेश नहीं होता, लेकिन फिल्म में मेरा किरदार हमेशा दमदार रहता है। मैंने हमेशा अपने करियर में प्रयोग किए हैं। अब यह मायने नहीं रखता कि मेरी फिल्म कहां रिलीज होगी।

आलोचनाओं की वजह से जया ने लिखना बंद किया बोलीं- मुझे अपनी काबिलियत पर संदेह होने लगा था

अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नंदा इन दिनों 'व्हाट द हेल नव्या' के नए सीजन को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस शो में वे अपनी नानी जया बच्चन और अपनी मां श्वेता बच्चन के साथ बेबाकी से बातें करती दिखाई देती हैं। 'व्हाट द हेल नव्या' के हालिया एपिसोड में जया बच्चन अपनी असफलता और आलोचनाओं पर बातें करती नजर आईं।

पहचान न मिले तो बुरा लगता है

अभिनेत्री जया बच्चन बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान रखती हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 'गुड्डी' फिल्म से किया था। हाल ही में अपनी नातिन नव्या के साथ उनके शो 'व्हाट द हेल नव्या' में अपने पुराने दिनों को याद करती दिखीं। उन्होंने कहा, 'जब किसी कलाकार को उसके काम लिए सराहा नहीं जाता है तब काफी बुरा लगता है। सफलता-असफलता से उतना फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन अगर अच्छा काम करने के बाद भी आलोचना ही मिले तब बुरा लगता है।'

जब नव्या ने जया बच्चन से पूछा कि वे असफलताओं से कैसे जूझती हैं। इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, 'मैं यह नहीं कहूंगी कि मुझे असफलता प्रभावित नहीं करती है। सच कहूं तो असफलता से ज्यादा मैं आलोचनाओं से प्रभावित होती हूं, लेकिन कई बार मैं मान लेती हूं कि किस्मत में यही लिखा रहा होगा इसलिए ऐसा हुआ। यह सोच कर मैं आगे बढ़ जाती हूं।'

'व्हाट द हेल नव्या' के आगामी एपिसोड में जया बच्चन और श्वेता बच्चन असफलताओं पर बातें करती नजर आने वाली हैं। शो के दौरान जया कहती हैं, 'मैंने काफी मेहनत से अपनी पहली किताब 'पैराडाइज टावर्स' को लिखा था।

हो सकता है कि लोगों को शायद वही किताब लंबी लगी हो या पसंद नहीं आई हो, लेकिन उस किताब के लिए मुझे इतनी नकारात्मक समीक्षा मिली कि मैंने लिखना छोड़ दिया। मैं खुद पर संदेह करने लगी कि शायद मैं नहीं लिख सकती हूं।'

मधुबाला की बायोपिक का एलान, 'डार्लिंग्स' की निर्देशक जसमीत करेंगी फिल्म का निर्देशन

कई महीनों से खबरें आ रही थीं कि हिंदी सिनेमा की महान अभिनेत्री मधुबाला के जीवन पर फिल्म बन रही है। अब आखिरकार निर्माताओं ने आज शुक्रवार, 15 मार्च को घोषणा कर दी कि मधुबाला के जीवन पर बनने वाली फिल्म पर काम चल रहा है। इस फिल्म का निर्देशन जसमीत के रीन इस फिल्म का निर्देशन करेंगी। जसमीत के रीन ने इससे पहले बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट की फिल्म 'डार्लिंग्स' का निर्देशन किया था। यह घोषणा निर्माता सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस और ब्रूइंग थॉट्स प्राइवेट लिमिटेड ने की है। लिमिटेड फिल्म का सह-निर्माण मधुबाला की बहन मधुर बृज भूषण और अरविंद कुमार मालवीय ने मधुबाला वेंचर्स बैनर के माध्यम से किया है।

जल्द रिलीज होगी फिल्म

उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'रोमांचक समाचार, हम शालीनता और प्रतिभा की प्रतीक महान मधुबाला के सम्मान में अपनी आगामी फिल्म की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। बॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित सितारों में से एक के महान आकर्षण और मनोरम कहानी को जानने के लिए तैयार हो जाइए। अपडेट के लिए बने रहें। मधुबाला पर बनी फिल्म जल्द आ रही है।

अफवाहों का किया गया था खंडन

दरअसल, इससे पहले चर्चा उठी थी कि फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा भी अभिनेत्री मधुबाला पर फिल्म बना रहे हैं, जिसमें अभिनेत्री कृति सेनन को मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। हालांकि, अक्तूबर 2022 में मधुबाला की बहन मधुर बृज भूषण ने इस बात से साफ इनकार कर दिया था कि किसी अन्य फिल्म पर काम चल रहा है और कहा था कि केवल एक मधुबाला की बायोपिक बनने जा रही है जो मेरे और मेरी टीम द्वारा समर्थित होगी। अपने दो दशक लंबे करियर में मधुबाला ने लगभग 60 फिल्मों में काम किया और कहा जाता है कि वे अपने दौर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली अभिनेत्रियों में से एक थीं। 'वीनस ऑफ इंडियन सिनेमा' कही जाने वाली मधुबाला को मिस्टर एंड मिसेज 55, हाफ टिकट, मुगल-ए-आजम, महल, बादल जैसी फिल्मों में उनकी खूबसूरती और काम के लिए जाना जाता था।

इसलिए चुना वह 'रोल' : ज्योतिका

दक्षिण भारतीय फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री ज्योतिका ने हाल ही में विकास बहल की फिल्म 'शैतान' से बॉलीवुड में वापसी की है। अजय देवगन के लीड रोल वाली इस फिल्म में उसने अजय की पत्नी का किरदार निभाया है और जानकी बोड़ीवाला उसकी बेटी के रोल में नजर आ रही है। फिल्म में ज्योतिका का किरदार एक किशोरवय बेटी की मां का है।

ज्योतिका अधिकतर ऐसे किरदार चुनती है, जो काफी चुनौतीपूर्ण और फिल्म की कहानी में महत्वपूर्ण होते हैं लेकिन मां का किरदार निभाने के बाद अक्सर अभिनेत्रियों को इसी तरह के रोल मिलने लगते हैं लेकिन ज्योतिका ने बताया है कि इस फिल्म में मां का किरदार निभाने के पीछे एक जरूरी वजह थी।

ज्योतिका ने रियल लाइफ और स्क्रीन पर मां बनने को लेकर बात की। उसने कहा, फिल्म में बहुत सारे सीक्वेंस हैं जो मातृत्व का भाव जगाते हैं और यह एक बड़ी वजह थी कि मैं यह फिल्म करने के लिए तैयार हुई। मुझे लगता है कि यह फिल्म लगातार याद दिलाती रहती है कि एक टीनेज बेटी हो तो आपको कितना सावधान रहने की जरूरत है और मां- बाप अपने बच्चों की सुरक्षा में क्या रोल निभाते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि एक मां के तौर पर शुरू से अंत तक इस फिल्म में इमोशन और जिम्मेदारी का एहसास जमकर है। अपने बच्चे को लगातार प्रोटैक्ट करने का भाव। मुझे लगता है कि फिल्म देख रहा हर दर्शक इस बात को महसूस करेगा।

अनन्या पांडे

उम्र बढ़ने के साथ जीवन और करियर के प्रति महत्वपूर्ण बदलाव आया है

मैं जिस भी कहानी का हिस्सा बनूं, उसमें बड़ा योगदान देना चाहती हूं। भले ही यह किसी फिल्म में एक छोटा-सा रोल हो, मैं अपनी ओर से पूरा प्रयास करते हुए लोगों को अपना एक अलग पक्ष दिखाना चाहती हूं। उम्र के साथ बढ़ती जिम्मेदारी की भावना को अपने जीवन तथा करियर के वर्तमान चरण का पूरा-पूरा आनंद ले रही अनन्या पांडे स्वीकार करती है कि उम्र बढ़ने के साथ जीवन और करियर के प्रति उसके दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। अनन्या कहती है, मैं अपने जीवन के तीसरे दशक का आधा पड़ाव पार कर चुकी हूं। मुझे लगता है कि हम हर जन्मदिन को एक बड़ी उपलब्धि मानते हैं। नए साल पर भी ऐसा होता है, आप बस एक ही दिन में एक बड़ा बदलाव देखते हैं... लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं होता।

अनन्या इस बात पर जोर देती है कि वास्तविक परिवर्तन और विकास समय के साथ धीरे-धीरे होता है। उसके अनुसार, मुझे लगता है कि केवल 25 साल का होने से ज्यादा, उससे पहले और उसके बाद का साल धीरे-धीरे मेरे जीवन में बदलाव और विकास लाने वाला वक्त रहा है। स्वीकार करने वाली अनन्या कहती है, मेरे ख्याल से मैंने बचपन के उत्साह को पीछे छोड़ दिया है और मैं अब पूरी तरह से वयस्क हो जाऊंगी, लेकिन कोई भी व्यक्ति किसी भी उम्र में अपने लिए यह निर्णय ले सकता है। अनन्या के लिए व्यक्तिगत स्तर पर 25 वर्ष की आयु तक पहुंचना इसलिए भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था क्योंकि उसने इसी उम्र में अपना घर खरीदा। उसने बताया, यह मेरा एक लक्ष्य था। मुझे लगता है कि अकेले रहना सीखना हर मायने में महत्वपूर्ण है, क्योंकि तब आप दूसरे लोगों की राय से बहुत अधिक प्रभावित नहीं होते।

अपने अब तक के करियर पर चर्चा करते हुए अनन्या अभिनय को लेकर विकसित हो रहे अपने दृष्टिकोण और आकांक्षाओं के बारे में कहती है, जब मैंने अभिनय शुरू किया तो मैं बड़े पर्दे पर आने के लिए बहुत उत्साहित थी और सपना सिर्फ नाचने- गाने तथा खुद को एंज्वॉय करने का था... अभिनेत्री बनने को लेकर मेरी सोच तब कुछ ऐसी ही थी लेकिन समय के साथ, मैं जिस तरह का काम कर रही हूं, खासकर फिल्म 'गहराइयां' और अब 'खो गए हम कहां' के साथ, मुझे अभिनय से प्यार होने लगा है। एक अभिनेत्री के रूप में वह अपनी प्रतिभा दिखाना चाहती है। उसके अनुसार, मैं जिस भी कहानी का हिस्सा बनूं, उसमें बड़ा योगदान देना चाहती हूं। भले ही यह किसी फिल्म में एक छोटा-सा रोल हो, मैं अपनी ओर से पूरा प्रयास करते हुए लोगों को अपना एक अलग पक्ष दिखाना चाहती हूं।

जल्द ही फिल्म 'दो पत्ती' में नजर आने वाली कृति सेनन

जब मैं शुरू-शुरू में दिल्ली से मुंबई आई थी, तब मुझे मुंबई में रहना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा। यह शहर एक कमाल की एनर्जी के साथ चलता है। वक्त मिलता है तो मम्मी, पापा और छोटी बहन नूपुर के साथ वक्त गुजारना मुझे अच्छा लगता है।

मॉडलिंग से करियर की शुरूआत करने वाली कृति सेनन ने साऊथ की फिल्मों के बाद 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म के बाद कृति ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। फिल्म 'मिमी' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली कृति फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' की रिलीज के बाद से चर्चा में है और जल्द ही वह फिल्म 'दो पत्ती' में नजर आने वाली है। हाल ही में कृति ने कई विषयों पर खुल कर बात की :

क्या राष्ट्रीय पुरस्कार से करियर ने कोई करवट बदली करवट बदली है या नहीं, यह कहना मुश्किल है, क्योंकि जब फिल्म 'मिमी' का ऑफर मुझे मिला तो कइयों ने कहा कि अभी- अभी तो तुम्हारा करियर उड़ान ले रहा है, क्यों इतनी जल्दी तुम 'मिमी' साइन कर रही हो। सरोगेसी जैसा विषय करियर की शुरूआत में सही निर्णय नहीं होगा। लोगों की बातों से मैं नर्वस हो गई, लेकिन मैंने अपने दिल की आवाज सुनी। इस चैलेंजिंग किरदार को दृढ़तापूर्वक निभाने की वजह से मुझे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला।' पति, पत्नी और वो', 'भेड़िया' जैसी फिल्मों में मेरे किरदार को पसंद किया गया। मुझे लगता है ये बोल्ड फिल्में थीं और उन्हें करना मेरे लिए भी एक बोल्ड स्टैप था।₹

नया क्या कर रही है?

पहले की तरह एक साथ कई फिल्में करने का यह दौर नहीं है। लगभग सभी कलाकार चुनिंदा काम करने में यकीन करते हैं। हर कोई चैलेंज भरा काम करना चाहता है। 'दो पत्ती' और 'हाऊसफुल' आएंगी। 'किलबिल', 'एन इम्पॉसिबल लव स्टोरी' जैसी फिल्में भी इसी वर्ष रिलीज होंगी लेकिन इनकी रिलीज डेट्स अभी तय होना बाकी है।

कैसे बिताती है फुर्सत के पल ?

वक्त ही नहीं मिलता, फुर्सत तो दूर की बात है। जब मैं शुरू-शुरू में दिल्ली से मुंबई आई थी, तब मुझे मुंबई में रहना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा। यह शहर एक कमाल की एनर्जी के साथ चलता है। मुंबई में आकर मैं वर्कोहॉलिक बन गई। कभी वक्त मिलता है तो मम्मी, पापा और छोटी बहन नूपुर के साथ वक्त गुजारना मुझे अच्छा लगता है।

रोबोट बनने के लिए मेरे सामने कोई किरदार या कोई फीमेल रोबोट कलाकार नहीं थी, जिसे देख कर मैं अभ्यास करूं। बस मन ही मन यह सोच बनाती गई कि एक रोबोटिक लड़की को अगर कोई लड़का प्यार करे तो उसका रिएक्शन क्या होगा। बस, रोबोट बनना एक लॉजिकल एक्शन लगे, यह महसूस करते हुए मैंने 'सिफ्रा' का किरदार निभाया। शाहिद श्यामक डावर के स्टूडेंट रहे हैं और बचपन से ही बैस्ट डांस करते आए हैं। उनको केवल डांस करते हुए देखना भी अपने आप में थ्रिलिंग अनुभव है। डांस की हर फॉर्म में शाहिद एक्सपर्ट हैं, इसलिए उन्हें मैच करूं, ऐसा डांस करना मेरे लिए बिल्कुल आसान नहीं था। शाहिद ने पिछले 8 वर्षों से फिल्मों के लिए कोई डांस नहीं किया। उनके किरदारों में डांस की कोई गुंजाइश ही नहीं थी लेकिन उन्होंने इस फिल्म में बहुत शानदार और दमदार डांस किया है। मैंने बस कोशिश की है।

शिवम वर्मा बने इंदौर के नए निगम कमिश्नर, हर्षिका सिंह का तबादला हुआ

इंदौर, 15 मार्च (एजेंसियां)। शिवम वर्मा को इंदौर नगर निगम का नया निगमायुक्त बनाया गया है। सचिवालय ने इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिए हैं। शिवम वर्मा (2013) बैच के आईएएस ऑफिसर हैं। वहीं अभी तक इंदौर नगर निगम में आयुक्त रहीं हर्षिका सिंह को मध्यप्रदेश कौशल विकास का संचालक बनाया गया है। शिवम वर्मा को नगर पालिक निगम इंदौर आयुक्त के साथ मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कंपनी लिमिटेड इंदौर का अपर प्रबंध संचालक (अतिरिक्त प्रभार) भी बनाया गया है। शिवम वर्मा अभी नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मध्यप्रदेश भोपाल में अपर आयुक्त थे। दोनों अधिकारी जल्द चार्ज संभालेंगे। राज्य सरकार ने 37 आईएएस की अस्थाई रूप से नई पदस्थापना की। इसके आदेश गुरुवार देर रात 3 बजे जारी किए गए। इसमें शहडोल और सिंगरौली कलेक्टर की नई पदस्थापना की गई है। इसके साथ बाबू सिंह को शहडोल कमिश्नर, सतेंद्र सिंह को गुना कलेक्टर और सुरेश कुमार को पन्ना कलेक्टर बनाया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू 30 मार्च को पांचों विभूतियों को भारत रत्न से करेंगी सम्मानित

राष्ट्रपति भवन में आयोजित होगा सम्मान समारोह

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 30 मार्च को विभिन्न क्षेत्रों में देश के लिए अप्रतिम योगदान करने वाले पांच विभूतियों को भारत रत्न प्रदान करेंगी। केंद्र सरकार ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पुरी ठाकुर, पूर्व प्रधानमंत्री व किसान नेता चौधरी चरण सिंह और कृषि क्रांति के प्रणेता एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय लिया था। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, भारत रत्न देने का सम्मान समारोह 30 मार्च को 11 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया जाएगा। समारोह में भारत रत्न से जुड़े मेडल और प्रशस्ति पत्र इससे सम्मानित विभूतियों के परिवार जनों को सौंपा जाएगा। लालकृष्ण आडवाणी को छोड़कर अन्य चार विभूतियों को मरणोपरांत सम्मानित किया गया है, जाहिर है ये सम्मान उनके परिवार जन ही स्वीकार करेंगे। पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के स्वास्थ्य को देखते हुए राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उनकी उपस्थिति की संभावना कम है। ऐसे में आडवाणी के लिए सम्मान भी उनके परिवार की ओर से लिए जाने की संभावना है।

इन हस्तियों का किया जाएगा सम्मान

राम जन्मभूमि आंदोलन के नायक रहे लालकृष्ण अडवाणी, समाजवादी आंदोलन के पुरोधा कर्पुरी ठाकुर, आर्थिक उदारीकरण के माध्यम से भारत के विकास के युग का सूत्रपात करने वाले नरसह राव और किसानों के सबसे बड़े नेता चौधरी चरण सिंह और किसानों की समृद्धि की राह प्रशस्त करने वाले व भारत को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले स्वामीनाथन को लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भारत रत्न देने को मोदी सरकार का राजनीतिक मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। कर्पूरी ठाकुर को सम्मानित किए जाने पर नीतीश ने पीएम की तारीफ की थी चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने के बाद उनके पौत्र जयंत चौधरी ने निरुत्तर होने और राजग के साथ जाने का एलान किया था, वहीं कर्पूरी ठाकुर को सम्मानित किये जाने के बाद नीतीश कुमार राजद से नाता तोड़कर भाजपा के साथ फिर आने का फ़ैसला किया था। इससे भारत रत्न के वृहत्तर राजनीतिक प्रभावों को समझा जा सकता है। अप्रैल में मतदान की प्रकिया शुरू होने के पहले भारत रत्न पुरस्कार देने के समारोह के आयोजन को इसी राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है।

सीएस वीरा राणा को मिला एक्सटेंशन अगले तीन महीने बनी रहेंगी पद पर

भोपाल, 15 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की 1988 बैंच की अधिकारी वीरा राणा को मुख्य सचिव के पद पर सेवा विस्तार मिल गया है। वे 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने वाली थीं। अब वे जून तक सीएस के पद पर बनी रहेंगी। सूत्रों के अनुसार केंद्र सरकार ने उनकी तीन माह की सेवा विस्तार को मंजूरी दे दी है। अब लोकसभा चुनाव वीरा राणा के कार्यकाल में ही होगा। विधानसभा चुनाव भी मतगणना भी उनके द्वारा ही कराई गई थी। अब जून तक वीरा राणा ही सीएस बनी रहेंगी। जुलाई 2024 में प्रदेश को नया सीएस मिल जाएगा। बता दें मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस की सेवा विस्तार की समयसीमा विधानसभा चुनाव के बाद खत्म हो गई थी। इसके बाद चुनाव आयोग ने वरिष्ठता के आधार पर वीरा राणा को सीएस का प्रभार दिया था। इसके बाद सरकार ने उनको पूर्णकालिक मुख्य सचिव नियुक्त कर दिया था।

पंजाब कांग्रेस को झटका

विधायक राजकुमार चब्बेवाल ने पार्टी से दिया इस्तीफा, आम आदमी पार्टी में शामिल

चंडीगढ़, 15 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस विधायक दल के उप नेता और चब्बेवाल विधायक डॉ। राजकुमार ने पार्टी और विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद वे मुख्यमंत्री निवास पहुंचे और आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। सीएम मान ने उनका पार्टी में स्वागत किया। आम आदमी पार्टी की ओर से उन्हें होशियारपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद के चुनाव में मैदान में उतारा जाएगा। राजकुमार चब्बेवाल दो बार कांग्रेस की टिकट पर चब्बेवाल से विधायक बन चुके हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से केवल राजकुमार चब्बेवाल को ही होशियारपुर हलके में जीत मिली थी। चब्बेवाल दलित समुदाय के बड़े नेता माने जाते हैं। वे लंबे समय तक पंजाब प्रदेश कांग्रेस के एससी सेल के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं। पिछला लोकसभा चुनाव वे कांग्रेस की टिकट पर लड़े थे, हालांकि उन्हें भाजपा के सोमप्रकाश से हार मिली थी। डॉ। चब्बेवाल दोआबा के जाने माने रेडियोलॉजिस्ट हैं और उनके कई सेंटर हैं। उनके पिता पूर्व सैनिक हैं।

गुजरात में छात्राओं का हिजाब उतरवाया, शिक्षा विभाग ने प्रिंसिपल के खिलाफ लिया एक्शन

अहमदाबाद, 15 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात में बोर्ड परीक्षा के दौरान हिजाब को लेकर विवाद हो गया। घटना भरूच एग्जाम सेंटर की है। यहां एक स्कूल प्रिंसिपल ने बोर्ड परीक्षा के दौरान मुस्लिम छात्राओं का हिजाब उतरवा दिया। जिसके बाद से प्रिंसिपल को एग्जाम एडमिन के पद से हटाने की मांग की जाने लगी। छात्राओं और अभिभावकों की शिकायत के बाद राज्य शिक्षा विभाग ने परीक्षा केंद्र प्रशासक इसाबेल सुरतिया (प्रिंसिपल) को तुरंत प्रभाव से हटा दिया। बता दें, छात्राओं का हिजाब उतरवाने की पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई थी। जानकारी के मुताबिक, घटना गुजरात भरूच के लायंस स्कूल अंकलेश्वर की है। बुधवार को गुजरात बोर्ड के 10वीं-12वीं की परीक्षा हुई थी। 10वीं क्लास का गणित का पेपर आयोजित किया गया था। शिकायतकर्ता का कहना था कि वह बोर्ड परीक्षा शुरू होने से पांच मिनट पहले एग्जाम हॉल में पहुंची। उसने हिजाब पहना था। प्रिंसिपल ने उसे हिजाब उतारने को कहा। उसके अलावा जो भी छात्राएं हिजाब या स्कार्फ पहने हुई थीं, उन सभी को भी यही कहा गया। सभी छात्राओं से हिजाब-स्कार्फ उतरवा दिया गया। शिकायतकर्ता छात्रा का कहना है कि परीक्षा से कुछ मिनट पहले प्रिंसिपल के इस रवैये से एग्जाम हॉल में परीक्षा देने पहुंची उन छात्राओं का मोराल डाउन हुआ। कई छात्राओं ने बताया कि इसकी वजह से उनका पेपर भी खराब हो गया।शिकायतकर्ता ने कहा कि प्रिंसिपल ने बताया कि उन्हें एजुकेशन बोर्ड के ऑफिसर से स्कार्फ या हिजाब उतरवाने का निर्देश मिले थे। यह बात छात्राओं के अभिभावकों तक पहुंची तो सभी ने मिलकर प्रिंसिपल के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की। उनका कहना था कि बोर्ड परीक्षा के दौरान इस तरह की

'भारत जोड़ो न्याय यात्रा का कुछ तो असर हुआ', जयराम रमेश ने क्यों कही ये बात

पालघर, 15 मार्च (एजेंसियां)। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर की कटौती को कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' से जोड़ दिया। महाराष्ट्र के पालघर में जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी बार-बार कह रहे हैं कि लोग महंगाई से परेशान हैं, इस पर कुछ तो सुनवाई हुई। उन्होंने कहा, 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा का कुछ तो असर हुआ जिससे 2 रुपये घटा। राहुल गांधी बार-बार कह रहे हैं कि महंगाई से लोग परेशान हैं, कुछ तो सुनवाई हुई है। चुनाव के नोटिफिकेशन आने वाले हैं इसलिए उसके पहले ये सब किया जा रहा है।'

चुनावी बांड के डेटा पर भी बोले जयराम रमेश

कांग्रेस महासचिव ने चुनावी बांड डेटा प्रकाशित होने पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। पार्टी के कद्दावर नेताओं में शुमार जयराम रमेश ने इस मुद्दे पर कहा, 'मैंने उस पर विश्लेषण किया है कि किस तरीके से चुनावी बांड का दुरुपयोग किया गया है। 60% चुनावी बांड सिर्फ बीजेपी को मिले हैं, मैंने विश्लेषण के द्वारा दिखाया है किस तरह से ईडी, सीबीआई, आयकर का दुरुपयोग किया गया है और जिन्होंने चंदा दिया है उन्हें कहां-कहां से अनुबंध मिले हैं?' कांग्रेस नेता पी। चिदंबरम ने भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती पर सरकार पर निशाना साधा और कहा कि पहले तो कीमतों में बढ़ोतरी की गई और फिर चुनाव से ठीक पहले इसमें कुछ कमी कर दी गई।

पेट्रोलियम कंपनियों ने की थी 2-2 रुपये की कटौती

बता दें कि सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने लोकसभा चुनावों की घोषणा करीब आने के बीच गुरुवार की शाम को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2-2 रुपये प्रति लीटर की कटौती कर दी। नई दरें शुक्रवार सुबह 6 बजे से लागू हो जाएंगी। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बयान में कहा कि सरकारी स्वामित्व वाली पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संशोधन करने का फैसला किया है। इन पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें करीब दो साल से स्थिर बनी हुई थीं। बता दें कि स्थानीय करों के प्रभाव के आधार पर अलग-अलग राज्यों में पेट्रोल-डीजल की दरें अलग-अलग होती हैं।

किश्तवाड़ में दर्दनाक सड़क हादसा, एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत, कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त

किश्तवाड़, 15 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला किश्तवाड़ में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जिले के भंडारकोट में किश्तवाड़-अनंतनाग मार्ग पर वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। इससे एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। हादसे का पता चलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। हादसे से किश्तवाड़ शहर में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, किश्तवाड़ से एक परिवार अनंतनाग की ओर जा रहा था। इस दौरान रास्ते में हुए सड़क हादसे के चलते कार में सवार दंपत्ति और दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य बच्चा घायल है, जिसका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। मृतक किश्तवाड़ अस्पताल में एंबुलेंस के चालक के तौर पर कार्यरत था।

बीजेपी के दिग्गज नेता और पूर्व सीएम येदियुरप्पा पर नाबालिग बच्ची के यौन उत्पीड़न का केस

पॉक्सो के तहत एफआईआर

बेंगलुरु, 15 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप में बेंगलुरु में प्राथमिकी दर्ज की गई है। 17 वर्षीय लड़की की मां की शिकायत के आधार पर बेंगलुरु की सदाशिवनगर पुलिस ने ये मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कथित यौन उत्पीड़न 2 फरवरी को हुआ, जब एफआईआर दर्ज कराने वाली महिला और उनकी बेटी धोखाधड़ी के एक मामले में सहायता मांगने के लिए येदियुरप्पा के पास गईं थीं। इस मामले में येदियुरप्पा के दफ्तर से एक बयान जारी किया गया है, जिसमें ऐसे 53 मामलों की एक लिस्ट जारी की गई है, जिसमें शिकायतकर्ता महिला ने अलग-अलग कारणों से केस दाखिल करवाया है। येदियुरप्पा के दफ्तर से जारी बयान में कहा गया है कि इस महिला को इस तरह की शिकायतें दर्ज करने की आदत है। बता दें कि येदियुरप्पा तीन बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उन्होंने 2008 से 2011 और 2019 से 2021 के अलावा अल्प अवधि के लिए मई 2018 में भी राज्य की कमान संभाली है।

'किसी ने कहा था- ना खाऊंगा ना खाने दूंगा', इलेक्टोरल बॉन्ड पर कपिल सिब्बल का पीएम मोदी पर तंज

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के पूर्व नेता कपिल सिब्बल ने इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी सार्वजनिक होने के बाद इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि इलेक्टोरल बॉन्ड की डिटेल्स से पता चलता है कि कहीं न कहीं 'लाभ के बदले लाभ देने' का काम हुआ है। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि किसी ने कहा था- 'ना खाऊंगा ना खाने दूंगा'। पीएम ने 2014 से पहले भ्रष्टाचार खत्म करने का वादा करते हुए ये बात कही थी। दरअसल, चुनाव आयोग ने गुरुवार (14 मार्च) को इलेक्टोरल बॉन्ड की डिटेल्स सार्वजनिक की। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन करते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 12 मार्च को चुनाव आयोग को बॉन्ड की डिटेल्स दी, जिसे फिर सार्वजनिक कर दिया गया। इसके सामने आते ही विपक्षी दलों ने बयानबाजी शुरू कर दी और कहा कि डिटेल्स से पता चलता है कि सबसे ज्यादा चुनावी चंदा बीजेपी को मिला है। सोशल मीडिया पर भी इलेक्टोरल बॉन्ड के स्क्रीनशॉट शेयर किए जाने लगे।

सिब्बल ने पीएम मोदी को लेकर पूछा सवाल

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने ट्वीट कर कहा, 'इलेक्टोरल बॉन्ड के दानदाता, लाभ के बदले लाभ स्पष्ट रूप से दिख रहा है।' उन्होंने आगे पीएम मोदी का नाम नहीं लिए बगैर कहा, 'एक क्विज है- किसने कहा थाः ना खाऊंगा ना खाने दूंगा?' इससे पहले उन्होंने एसबीआई की तरफ से इलेक्टोरल बॉन्ड की डिटेल्स जारी करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट से मांगे गए एक्सटेंशन पर भी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि एसबीआई ने टालने की कोशिश की, लेकिन कोर्ट मजबूती से खड़ा रहा।

कांग्रेस ने भी दोहराई

वहीं, कांग्रेस ने भी इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर कहा है कि साफ है कि लाभ के बदले लाभ देने का काम हुआ है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि ऐसी कई कंपनियों के मामले देखने को मिले हैं, जहां इलेक्टोरल बॉन्ड के तौर पर चंदा दिया गया और फिर तुरंत सरकार की तरफ से भारी लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि 1,300 से ज्यादा कंपनियों और व्यक्तियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड के रूप में चंदा दिया है, जिसमें 2019 के बाद से बीजेपी को मिला 6,000 करोड़ से ज्यादा चंदा शामिल है।

सीनियर बीजेडी नेता प्रसन्ना आचार्य का हुआ एक्सीडेंट, ट्रक से टकराई कार; गंभीर रूप से हुए घायल

भुवनेश्वर, 15 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के संबलपुर जिले में घटित एक दर्दनाक सड़क हादसे में बीजू जनता दल (बीजेडी) के उपाध्यक्ष और पूर्व सांसद प्रसन्ना आचार्य घायल हुए है। प्रसन्ना आचार्य की कार एक ट्रक से टकरा गई जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने बताया कि यह हादसा रैदाखोल में बालाडीह के समीप देर रात करीब 1 बजे हुआ।

प्रसन्ना आचार्य भुवनेश्वर से संबलपुर जा रहे थे और इसी दौरान उनकी कार ऑक्सीजन लेकर जा रहे एक टैंकर से टकरा गई। आचार्य और उनके निजी सुरक्षा अधिकारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि उनके चालक को मामूली चोटें आई हैं। संबलपुर के पुलिस अधीक्षक मुकेश भामु ने बताया कि आचार्य और उनके पीएसओ दोनों की हालत खतरे से बाहर है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए विमान से भुवनेश्वर लाया जाएगा। डॉक्टर ने बताया कि आचार्य को सिर, नाक, ठोड़ी और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। इस बीच, पुलिस ने ट्रक के चालक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

लोकसभा चुनाव की तारीखों के एलान से पहले कांग्रेस को लगा झटका, कद्दावर नेता ने पार्टी से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। असम के बारपेटा से कांग्रेस सांसद अब्दुल खालिक ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। अब्दुल खालिक ने मल्लिकार्जुन खरगे को खत लिखकर असम कांग्रेस के अध्यक्ष और सचिव के आचरण पर सवाल भी उठाए हैं।

दो बार के विधायक और एक बार के सांसद खालिक को इस बार कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं दिया था। पार्टी ने बारपेटा लोकसभा सीट से अपने राज्य सेवा दल प्रमुख दीप बायन को उम्मीदवार बनाया है। इस्तीफे पत्र में सांसद ने दावा किया कि पार्टी ने राज्य में एक अजीब रास्ता अपना लिया है, जहां जन-केंद्रित मुद्दे पीछे रह गए हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और एआईसीसी प्रभारी महासचिव के रवैये और दृष्टिकोण ने असम में पार्टी की संभावना को बर्बाद कर दिया है। बता दें कि कांग्रेस ने 12 मार्च को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए असम के 12 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। पार्टी 14 में से 13 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और एक सीट अपने सहयोगी असम जातीय परिषद (एजेपी) के लिए आरक्षित कर रही है।

अब्दुल खालिक ने खरगे को लिखे पत्र में लिखा, सबसे पुरानी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सदस्य के रूप में पिछले पच्चीस वर्षों में यह मेरे लिए एक शानदार यात्रा और सीख रही है। मीडिया में अपने कार्यकाल के दौरान मैं पार्टी की विचारधाराओं के कारण पार्टी की ओर आकर्षित हुआ। गांधी जी, नेहरू जी, मौलाना आजाद जी और स्वतंत्रता संग्राम के अन्य अग्रणी योद्धा, जिनके अथक और निस्वार्थ बलिदान ने देश को नए सिरे से बनाने के लिए प्रेरित किया।

खालिक ने कहा, यह एक गहन इतिहास और विरासत, संघर्ष और गरिमा वाली पार्टी है जिसका मैं गहराई से सम्मान करता हूं और उसे संजोता हूं। जब भी नेतृत्व की इच्छा हुई, मैंने विभिन्न पदों पर संगठन की सेवा की है। नेताओं ने असम के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी मुझ पर जिम्मेदारियों का भरोसा जताया। मैंने सौंपे गए कर्तव्यों को पूरे मन से जिम्मेदारियों के साथ निभाया।

प्लेटफार्म से पैर टकराने से ट्रेन में बैठे युवक गिरे, एक की मौके पर मौत

उज्जैन, 15 मार्च (एजेंसियां)। उज्जैन में चलती ट्रेन के गेट पर बैठे 2 युवक प्लेटफार्म से पैर टकराने से गिर गए। हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। स्टेशन मास्टर की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव बरामद किया और घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। नरवर थाना पुलिस ने बताया कि मताना बुजुर्ग स्टेशन मास्टर से दो युवकों के ट्रेन से गिरने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो एक युवक की मौत हो गई थी, जबकि दूसरा घायल हालत में था। दोनों को जिला अस्पताल लाया गया। घायल से पूछताछ में सामने आया कि वह सतना का रहने वाला अंकुश चौरसिया है। उसके साथ रीवा का रहने वाला रितिक पिता रणजीत चौरषिया (20) वर्ष था। दोनों इंदौर में काम करते हैं और रीवा से इंदौर जा रहे थे। ट्रेन में अधिक भीड़ होने पर गेट के पास बैठे थे, उन्होने पैर बाहर की ओर कर रखे थे। ट्रेन तेजगति से चल रही थी। स्टेशन से गुजरते वक्त पैर प्लेटफार्म की दीवार से टकराने से वे गिर गए। पुलिस के अनुसार अंकुश प्लेटफार्म पर पड़ा था, जबकि रितिक गिरने के बाद पटरियों के बीच चला गया, जिससे ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

'विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के बिना दर्ज नहीं कर सकते एफआईआर', डॉक्टर को मिली हाईकोर्ट से राहत

जबलपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। चिकित्सकीय लापरवाही के मामले में पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर तथा जिला न्यायालय में लंबित प्रकरण को खारिज किए जाने की मांग करते हुए डॉक्टर ने हाईकोर्ट की शरण ली थी। हाईकोर्ट जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने पाया कि पुलिस ने डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करते समय डॉक्टर की विशेषज्ञ समिति से रिपोर्ट प्राप्त नहीं की थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए एकलपीठ ने डॉक्टर के खिलाफ दर्ज एफआईआर तथा जिला न्यायालय में लंबित प्रकरण को खारिज करने के आदेश जारी किए हैं। बता दें कि कटनी निवासी डॉ। राजेश बत्रा की तरफ से दायर की गई थी। इसमें कहा गया था कि पुलिस ने विनय हलधर की शिकायत पर उसके खिलाफ चिकित्सकीय लापरवाही बरतने की धारा 338 के तहत प्रकरण दर्ज किया था। विनय का आरोप है कि वह पेट में दर्द होने के कारण उपचार के लिए धर्मलोक अस्पताल आया था। मेडिकल परीक्षण के बाद आवेदक डॉक्टर ने उसे पथरी बताई थी।

पथरी के ऑपरेशन के दौरान उसे दाहिने पैर में लापरवाही पूर्वक इंजेक्शन लगाया गया था। विनय जब डिस्चार्ज होकर घर लौटा तो उसके पैर ने काम करना बंद कर दिया। इसके कारण वह वापस धर्मलोक अस्पताल में भर्ती हुआ। अस्पताल से उसे नागपुर रेफर कर दिया। नागपुर से वापस लौटने के बाद पुनः दो दिन के वह धर्मलोक अस्पताल में भर्ती रहा। इसके बाद उसने मेडिकल कॉलेज जबलपुर में उपचार करवाया।

उपचार के दौरान डॉक्टरों को उसका पैर काटना पडा। आवेदक डॉक्टर की तरफ से तर्क दिया गया था कि पुलिस ने डॉक्टरों की विशेषज्ञ समिति से रिपोर्ट प्राप्त किए बिना ही उसके खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज कर लिया है।

'2 रुपये में क्या होता है', पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती पर संजय राउत का मोदी सरकार पर निशाना

मुंबई, 15 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार ने आम लोगों को बड़ी राहत दी है। मोदी सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो-दो रुपये प्रति लीटर की कटौती कर दी। नई दरें शुक्रवार सुबह छह बजे से लागू हो जाएंगी। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में संशोधन करने का फैसला किया गया है। इस फैसले को लेकर उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर की कटौती पर शिवसेना(यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, " ये दो रुपए में क्या होता है? चुनाव होने वाले हैं इसलिए उन्होंने दो रुपए कम कर दिए। पहले लाखों करोड़ों रुपए जनता के पॉकेट से वसूले हैं तो उसका क्या? जब मनमोहन सिंह की सरकार थी तो गैस सिलेंडर 400 रुपए थे अब 1100 रुपए हैं। अब दो रुपये कम कर दिया है।" इन पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें करीब दो साल से स्थिर बनी हुई थीं। यह कदम आम चुनाव की तारीखों का ऐलान करीब होने के बीच उठाया गया है। ऐसी संभावना है कि निर्वाचन आयोग जल्द ही चुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकता है। इस कटौती के बाद मुंबई में पेट्रोल की कीमत घटकर 104.21 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है। वहीं डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। 14 मार्च को पेट्रोल की प्रति लीटर 106.31 और डीजल की कीमत प्रति लीटर 94.27 रुपये थी। सरकार ने लगभग एक दशक पहले पेट्रोल और डीजल की कीमतों को अपने नियंत्रण से मुक्त कर दिया था

पेनकिलर से लेकर एंटीबायोटिक तक अप्रैल से महंगी हो जाएंगी 800 दवाइयां

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। बढ़ती महंगाई के बीच जनता को एक और झटका लगने वाला है। आने वाली 1 अप्रैल से जरूरी दवाओं के दाम बढ़ने वाले हैं। इसमें पेनकिलर्स से लेकर एंटीबायोटिक तक शामिल हैं। ऐसे में आम जनता जो पहले से ही महंगाई की मार झेल रही थी उसकी जेब पर बोझ और बढ़ जाएगा। एसेंशियल यानी जरूरी दवाओं की बात करें तो इसमें पेनकिलर्स, एंटीबायोटिक, दिल की 800 दवाएं शामिल हैं। एक अप्रैल से इन सब दवाओं के दाम बढ़ने वाले हैं। दरअसल, दरअसल सरकार दवा कंपनियों को एनुअल होलसेल प्राइज इंडेक्स में बदलाव के अनुरूप बढ़ोतरी की अनुमति देने के लिए पूरी तरह तैयार है। जानकारी के मुताबिक, बढ़ती महंगाई को देखते हुए फार्मा इंडस्ट्री दवाओं की कीमत बढ़ाए जाने की मांग कर रही थी।

कितनी बढ़ेंगी कीमतें?

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में वार्षिक परिवर्तन के अनुरूप, सरकार .0055% की वृद्धि की अनुमति देने के लिए तैयार है। आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) के तहत दवाओं की कीमतें पिछले साल और 2022 में कीमतों में रिकॉर्ड 12% और 10% की भारी वार्षिक वृद्धि के बाद, फार्मा उद्योग के लिए यह मामूली वृद्धि होगी। समायोजित कीमतों में आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में शामिल 800 से अधिक दवाएं शामिल होंगी। अनुसूचित दवाओं के मूल्य परिवर्तन की अनुमति वर्ष में एक बार दी जाती है।

क्या होती है एशेंशियल दवाएं?

इस लिस्ट में उन दवाओं को शामिल किया जाता है। जो अधिकतर लोगों के काम में आती हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इन दवाओं की प्राइस सरकार के कंट्रोल में होता है। इन दवाओं की कंपनी एक साल में सिर्फ 10 प्रतिशत ही दाम बढ़ा सकती है। इस लिस्ट में एंटी कैंसर की दवाएं भी शामिल है।

इन दवाइयों के बढ़ेंगे रेट

आवश्यक दवाओं की लिस्ट में पेरासिटामोल जैसी दवाएं, एज़िथ्रोमाइसिन जैसी एंटीबायोटिक्स, एनीमिया-विरोधी दवाएं, विटामिन और खनिज शामिल हैं। मध्यम से गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 रोगियों के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली कुछ दवाएं और स्टेरॉयड भी लिस्ट में हैं। उद्योग कीमतों में पर्याप्त वृद्धि की मांग कर रहा है क्योंकि वह बढ़ती इनपुट लागत से जूझ रहा है।

क्यों बढ़ेंगे दाम?

उद्योग के विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में, कुछ प्रमुख सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्रियों की कीमतें 15% से 130% के बीच बढ़ी हैं, जिसमें पेरासिटामोल की कीमत 130% और एक्सीसिएंट्स की कीमत 18-262% बढ़ी है। ग्लिसरीन और प्रोपलीन ग्लाइकोल, सिरप, सहित सॉल्वैंट्स क्रमशः 263% और 83% महंगे हो गए हैं। इंटरमीडिएट्स की कीमतें भी 11% से 175% के बीच बढ़ी हैं। पेनिसिलिन जी 175% महंगा हो गया है। इससे पहले, 1,000 से अधिक भारतीय दवा निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले एक लॉबी समूह ने भी सरकार से तत्काल प्रभाव से सभी निर्धारित फॉर्मूलेशन की कीमतों में 10% की वृद्धि करने की अनुमति देने का आग्रह किया था। इसने गैर-अनुसूचित दवाओं की कीमतों में 20% की बढ़ोतरी की भी मांग की थी।

स्टॉक मार्केट अपने निर्णय लेने में सक्षम, वित्त मंत्री ने दखलंदाजी से किया इंकार

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि दुनियाभर के बाजारों में उतार-चढ़ाव जारी हैं. हालांकि, भारतीय स्टॉक मार्केट सभी देशों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं. स्मॉल और मिड कैप कंपनियों द्वारा आईपीओ और स्टॉक प्राइस में हेरफेर को लेकर सेबी द्वारा जताई गई आशंका को लेकर पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि भारतीय मार्केट ने हमेशा एक शुचिता का परिचय दिया है. इसलिए मैं बाजारों को उनकी बुद्धिमता पर छोड़ रही हूं. भारतीय स्टॉक मार्केट अपने निर्णय लेने में पूरी तरह सक्षम हैं.

हेरफेर को लेकर सेबी चिंतित

बाजार नियामक सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने हाल ही में कहा था कि एसएमई सेगमेंट में हेरफेर के संकेत मिल रहे हैं. कई एसएमई कंपनियां न सिर्फ अपने आईपीओ बल्कि स्टॉक प्राइस में भी गड़बड़ियां करने की कोशिश कर रही हैं. इनकी धरपकड़ के लिए सेबी सभी जरूरी कदम उठा रहा है. इस संबंध में जब वित्त मंत्री से इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में सवाल पूछा गया तो निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमारे मार्केट अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. वह अपने निर्णय लेने में पूरी तरह से सक्षम हैं. मैं उसमें दखलंदाजी नहीं करना चाहती हूं.

स्मॉल और मिड कैप इंडेक्स में भारी उथल-पुथल

माधबी पुरी बुच के इस खुलासे के बाद स्मॉल और मिड कैप इंडेक्स में भारी उथल-पुथल हुई है. उन्होंने कहा था कि एसएमई सेगमेंट में इस हेरफेर से इक्विटी मार्केट में एक बुलबुले जैसी स्थिति बन सकती है, जो कि निवेशकों पर बुरा असर डाल सकती है.

इस बुलबुले को बनने देना ठीक नहीं होगा. सेबी प्रमुख ने एसएमई सेगमेंट की कुछ कंपनियों द्वारा कीमतों में हेरफेर का खेल खेलने का दावा किया था.

उन्होंने निवेशकों को इस रिस्क से दूर रहने की सलाह दी थी. उन्होंने कहा था कि हमारे पास इस हेरफेर की जानकारी है. हम किसी भी कार्रवाई से पहले पुख्ता सबूत जुटा रहे हैं. इसके लिए तकनीक की मदद भी ली जा रही है.

एसेट मैनेजमेंट कंपनियां एसएमई सेगमेंट को लेकर सतर्क हुई

सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने कहा था कि इस सेगमेंट में वैल्युएशन के मानक सही नहीं लगाए जा रहे हैं. ये तार्किक नहीं हैं. जनवरी, 2023 से ही स्मॉल और मिड कैप कंपनियों ने स्टॉक मार्केट पर शानदार परफॉरमेंस किया है. इन्होंने मेनबोर्ड कंपनियों को भी पीछे छोड़ दिया है.

कई एसेट मैनेजमेंट कंपनियों ने ऐसी स्कीम पर मासिक निवेश का कैप लगा दिया है. साथ ही इनमें एकमुश्त रकम स्वीकार करना बंद कर दिया है।

इन कंपनियों को मिली राहत, मोडिफाइड रिटर्न के लिए मिला जून तक का समय

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। टैक्स डिपार्टमेंट ने कुछ कंपनियों को इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के मामले में बड़ी राहत दी है। यह राहत उन कंपनियों के लिए है, जो बिजनेस के रिऑर्गेनाइजेशन से गुजरी हैं। ऐसी कंपनियों को सीबीडीटी ने मोडिफाइड इनकम टैक्स रिटर्न भरने के लिए अब ज्यादा समय दे दिया है।

30 जून तक का मिला समय

सीबीडीटी ने इसे लेकर गुरुवार को एक ऑर्डर जारी किया। सीबीडीटी के ऑर्डर के अनुसार, बिजनेस रिऑर्गेनाइजेशन से गुजरने वाली कंपनियां अब 30 जून तक मोडिफाइड रिटर्न फाइल कर सकती हैं। डेडलाइन बढ़ने से उन कंपनियों को राहत मिलने वाली है, जिनके बिजनेस में मर्जर, डिमर्जर या अमलगमेशन जैसे कॉरपोरेट डेवलपमेंट हुए हैं।

क्या कहता है सीबीडीटी का ऑर्डर?

सीबीडीटी के ऑर्डर के अनुसार, रिऑर्गेनाइजेशन खासकर स्कीम ऑफ अमलगमेशन, मर्जर या डिमर्जर अथवा सक्षम प्राधिकरण से मिली मंजूरी के तहत इनसॉल्वेंसी के बाद सक्सेशन की प्रक्रिया से गुजरी कंपनियां अब 30 जून 2024 तक मोडिफाइड रिटर्न फाइल कर सकती हैं। मोडिफाइड रिटर्न की डेडलाइन में विस्तार उन कंपनियों के लिए है, जिनका रिऑर्गेनाइजेशन प्रोसेस जून 2016 के बाद और अप्रैल 2022 से पहले शुरू हुआ है।

फाइनेंस बिल 2022 में हुआ प्रावधान

बिजनेस के रिऑर्गेनाइजेशन से गुजर रही कंपनियों के लिए फाइनेंस बिल 2022 में मोडिफाइड रिटर्न फाइल करने का प्रावधान किया गया था। ऐसी कंपनियों को रिऑर्गेनाइजेशन के बाद मोडिफाइड इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के लिए कहा गया था। हालांकि यह सिर्फ उन कंपनियों के ऊपर लागू था, जिनके लिए रिऑर्गेनाइजेशन का ऑर्डर 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2022 के बीच आया हो।फाइनेंस बिल 2022 में मोडिफाइड रिटर्न का प्रावधान किए जाने के बाद उन कंपनियों के सामने भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी, जिनके रिऑर्गेनाइजेशन का ऑर्डर 1 अप्रैल 2022 से पहले ही आ गया था।

हैदराबाद में आज सोने का भाव

हैदराबाद, 15 मार्च (एजेंसियां)। सोने की दर 24 कैरट के लिए रु 66110 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रु 60600/10 ग्राम। हैदराबाद शहर में सोने की दर या कीमत प्रमुख दो कारकों पर निर्भर करती हैः पहला सोने की शुद्धता है और दूसरा सोने का वजन है। 22 कैरेट और 24 कैरेट सोने के लिए विभिन्न वजन श्रेणियां उपलब्ध हैं, यह 8 ग्राम, 10 ग्राम, 100 ग्राम, 1 किलोग्राम और अधिक में उपलब्ध है। यहां आप 24 ग्राम सोने की दर प्रति ग्राम, प्रति 10 ग्राम, प्रति किलोग्राम और प्रति टोला जैसे विभिन्न वजन में सोने की कीमत और चांदी की कीमत की जांच कर सकते हैं। आज के लिए कीमत अपडेट नहीं होने के मामले में हम लास्ट अपडेटेड दिन के प्राइस को आज के गोल्ड प्राइस के रूप में दिखा रहे हैं।

रुपए में शुद्ध सोने (24 कैरट) की कीमत

हैदराबाद में 22 कैरट सोने का दाम 1 ग्राम के लिए 6611 (छह हजार छह सौ ग्यारह), 22 कैरट सोने का दाम 8 ग्राम के लिए 52888 (बावन हजार आठ सौ अट्ठासी), 22 कैरट सोने का दाम 10 ग्राम के लिए 66110 (छियासठ हजार एक सौ दस), 22 कैरट सोने का दाम 100 ग्राम के लिए 661100 (छह लाख इकसठ हजार एक सौ), 22 कैरट सोने का दाम 1 किग्रा के लिए 6611000 (छियासठ लाख ग्यारह हजार) और 22 कैरट सोने का दाम 1 तोला के लिए 77109.46 (सतहतर हजार एक सौ नौ)

रुपए में स्टैंडर्ड गोल्ड (22 कैरट) की कीमत

हैदराबाद में 22 कैरट सोने का दाम 1 ग्राम के लिए 6060 (छह हजार साठ), 22 कैरट सोने का दाम 8 ग्राम के लिए 48480 (अड़तालीस हजार चार सौ अस्सी), 22 कैरट सोने का दाम 10 ग्राम के लिए 60600 (साठ हजार छह सौ), 22 कैरट सोने का दाम 100 ग्राम के लिए 606000 (छह लाख छह हजार), 22 कैरट सोने का दाम 1 किग्रा के लिए 6060000 (साठ लाख साठ हजार) और 22 कैरट सोने का दाम 1 तोला के लिए 70682.7 (सत्तर हजार छह सौ बयासी)।

क्यों नहीं सुधरते सरकारी बैंक? आरबीआई के पास लगा है लाखों शिकायतों का अंबार

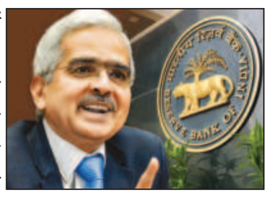

नई दिल्ली, 15 मार्च (ए जें सि यां)। सरकारी बैंक देश में करोड़ों लोगों की बैंकिंग जरूरतों को पूरा करते हैं, लेकिन कस्टमर एक्सपीरियंस और सर्विस के मामले में ये अब भी अप टू डेट नहीं हैं. यही वजह है कि जब भी भारतीय रिजर्व बैंक उसे बैंकों के खिलाफ मिली शिकायतों का डेटा जारी करता है, सबसे ज्यादा शिकायतें सरकारी बैंकों के खिलाफ ही होती हैं.भारतीय रिजर्व बैंक ने आम जनता की शिकायतों को दूर करने लिए ऑम्बुड्समैन सिस्टम बनाया है. अगर आप अपने बैंक की किसी भी सर्विस से खुश नहीं हैं, तो आप आरबीआई ऑम्बुड्समैन को उसकी शिकायत कर सकते हैं. ऑम्बुड्समैन की लेटेस्ट एनुअल रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग सर्विसेस को लेकर लोगों की शिकायतों में 68 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है.आरबीआई ऑम्बुड्समैन को देश के सरकारी और प्राइवेट दोनों के ही खिलाफ ढेर सारी शिकायतें मिली हैं. वित्त वर्ष 2022-23 में ऑम्बुड्समैन को जो कुल शिकायतें मिलीं, उसमें से 43.52 प्रतिशत सिर्फ सरकारी बैंकों के खिलाफ हैं. वहीं प्राइवेट बैंकों के खिलाफ मिली शिकायतों की 31.43 प्रतिशत है.ऑम्बुड्समैन को सरकारी बैंकों के खिलाफ कुल 1,02,144 शिकायतें मिली हैं, जबकि प्राइवेट सेक्टर के बैंकों के खिलाफ 73,764 शिकायतें आई हैं. हालांकि दोनों ही कैटेगरी में शिकायतें 2021-22 की तुलना में कम हुई हैं. तब सरकारी बैंकों खिलाफ ऑम्बुड्समैन को 1,54,725 शिकायत मिली थीं. वहीं प्राइवेट बैंक के खिलाफ मिली शिकायतों की संख्या 94,275 थी.देश में डिजिटल पेमेंट ने जहां लोगों की मुश्किलें आसान की हैं, वहीं कई लोगों की परेशानियां भी बढ़ाई हैं. आरबीआई ऑम्बुड्समैन की एनुअल रिपोर्ट में ये भी पता चलता है कि ग्राहकों की सबसे ज्यादा शिकायतें उसे मोबाइल और इलेक्ट्रोनिक बैंकिंग को लेकर मिली हैं.

गौतम अडानी ने एक दिन में कमाए 53,229 करोड़, एलन मस्क टॉप 3 से बाहर होने के कगार पर

नई दिल्ली, 15 मार्च (ए जें सि यां)। अडानी ग्रुप के शेयरों ने दो दिन की गिरावट के बाद गुरुवार को शानदार वापसी की। ग्रुप के शेयरों में इस दौरान 11 फीसदी से अधिक तेजी आई। इससे ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में भी 6.42 अरब डॉलर यानी करीब 53,229 करोड़ रुपये की तेजी आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी 98.6 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 14वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 14.3 अरब डॉलर की तेजी आई है। गुरुवार की तेजी के साथ अडानी ग्रुप की सभी लिस्टेड कंपनियों का कंबाइंड मार्केट कैप 15.66 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। \अडानी ग्रुप की सभी लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में गुरुवार को तेजी रही। बीएसई पर अडानी टोटल गैस का शेयर 11.34%, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस 11.10%, अडानी ग्रीन एनर्जी 9.66%, अडानी एंटरप्राइजेज 6.29% और अडानी पोर्ट्स 4.93% चढ़ गया। इसी तरह एनडीटीवी का शेयर 4.82%, अडानी विल्मर का शेयर 4.40%, एसीसी का शेयर 4.11%, अंबुजा सीमेंट्स का शेयर 4.04% और अडानी पावर का शेयर 1.81% की बढ़त पर रहा। पिछले कारोबारी सत्र में बुधवार को गिरावट आने से इन कंपनियों के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 1.12 लाख करोड़ रुपये की कमी आई थी। इस बीच एलन मस्क की नेटवर्थ में गुरुवार को 5.02 अरब डॉलर की गिरावट आई। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ 179 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 49.6 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

बिकवाली के चलते शेयर बाजार गिरकर हुआ बंद

एनर्जी - बैंकिंग और मिडकैप स्टॉक्स ने बिगाड़ा मूड

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र में भी भारतीय शेयर बाजार में भारी उठापटक देखने को मिली है। मिडकैप स्टॉक्स एक दिन के ब्रेक के बाद फिर से नीचे जा लुढ़का है। हालांकि स्मॉल कैप स्टॉक्स के इंड़ेक्स में तेजी देखने को मिली है। बैंकिंग, ऑटो और एनर्जी शेयरों में बिकवाली के चलते शेयर बाजार नीचे गिरकर बंद हुआ है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 453 अंकों की गिरावट के साथ 72,643 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 123 अंक गिरकर 22,023 अंकों पर क्लोज हुआ है। शेयर बाजार में बिकवाली के चलते मार्केट कैपिटलाइजेशन में कमी देखने को मिली है।

बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप घटकर 378.35 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले सत्र में 380.11 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 1.76 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आज के ट्रेड में 3936 शेयर्स में ट्रेडिंग हुई जिसमें 1811 स्टॉक्स तेजी के साथ और 2010 गिरकर बंद हुआ जबकि 115 के भाव में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है। आज के ट्रेड में बैंकिंग, एनर्जी, ऑटो, आईटी, फार्मा, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है जबकि मेटल्स और एफएमसीजी स्टॉक्स में तेजी रही।

केंद्र सरकार के पेट्रोल डीजल की कीमतों में कटौती के फैसले के चलते सरकारी तेल कंपनियों के शेयरों की जमकर पिटाई हुई है जिसमें बीपीसीएल, एचपीसीएल और आईओसी शामिल है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 6 शेयर तेजी के साथ और 24 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 14 शेयर तेजी के साथ और 36 शेयरों में गिरावट रही। आज के कारोबार में यूपीएल 2.82 फीसदी, भारती एयरटेल 2.13 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.83 फीसदी, एचडीएफसी लाइफ 1.62 फीसदी, अडानी एंटरप्राइजेज 1.45 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि कोल इंडिया, टाटा मोटर्स, लार्सन, हीरो मोटोकॉर्प एनटीपीसी के शेयर में गिरावट देखने को मिली है।

ईडी जांच; 100 से अधिक कंपनियों से कनेक्शन!

कौन हैं 1368 करोड़ के 'महादानी' सैंटियागो मार्टिन?

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अनुपालन करते हुए चुनावी बॉन्ड का विवरण प्रकाशित किया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने चुनाव आयोग को 12 मार्च को ये आंकड़े सौंपे थे। आंकड़ों के अनुसार, जो अब ईसीआई वेबसाइट पर उपलब्ध है, कोयंबटूर स्थित कंपनी फ्यूचर गेमिंग व होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम चुनावी बॉन्ड के सबसे बड़ा दानदाता के रूप में सामने आया। फ्यूचर गेमिंग की स्थापना 1991 में लॉटरी किंग ऑफ इंडिया सैंटियागो मार्टिन ने की थी।आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2019 से खरीदे गए इलेक्टोरल बॉन्ड के कुल मूल्य का आधा हिस्सा 23 कंपनियों का है। कोयंबटूर स्थित लॉटरी सेवा फर्म फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड शीर्ष खरीदार है। ईसीआई द्वारा प्रकाशित सूची में 12,155.51 करोड़ रुपये के बॉन्ड का विवरण दिया गया है, जिसे लगभग पांच वर्षों में 1,300 से अधिक कंपनियों द्वारा खरीदा गया था। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने 1,368 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे और इस तरह यह 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का दान करने वाली अकेली कंपनी है। फ्यूचर गेमिंग की स्थापना 1991 में लॉटरी किंग ऑफ इंडिया सैंटियागो मार्टिन ने की थी।तमिलनाडु की तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता द्वारा 2003 में लॉटरी पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद सैंटियागो मार्टिन ने अपना अधिकांश कारोबार कर्नाटक और केरल में स्थानांतरित कर दिया था।सैंटियागो मार्टिन का फ्यूचर गेमिंग दक्षिण भारत में मार्टिन कर्नाटक के रूप में एक सहायक कंपनी के तहत संचालित होता है, और नॉर्थ ईस्ट में, इसने मार्टिन सिक्किम लॉटरी खोली। मार्टिन को सिक्किम लॉटरी का मास्टर डिस्ट्रीब्यूटर कहा जाता था। फ्यूचर गेमिंग 13 राज्यों में 1,000 से अधिक कर्मचारियों के कार्यबल का दावा करता है। इन राज्यों में लॉटरी कानूनी रूप से वैध है। ये 13 राज्य हैं अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, सिक्किम और पश्चिम बंगाल। नागालैंड और सिक्किम में फ्यूचर लोकप्रिय 'डियर लॉटरी' का एकमात्र वितरक है। फ्यूचर गेमिंग वेबसाइट के अनुसार सैंटियागो मार्टिन लाइबेरिया के लिए कॉन्सल जनरल भी थे, वहां भी उन्होंने लॉटरी उद्योग की स्थापना की थी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-26
सूर्यास्त. - 18-22
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल --पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - 21:38 - तक उपरान्त अष्टमी
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष , शनिवार 16 March
नक्षत्र - रोहिणी- 16 - 05 - तक उपरान्त मृगशिरा
योग - प्रीति - 18 - 07 - तक उप आयुष्मान
करण- गर - 09 - 48 - तक उप- वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ अमृत सिद्ध योग -06-50 से

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मीन	में
चंद्र-	वृष	में
मंगल	कुंभ	में
बुध-	मीन	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	कुंभ	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय		
मीन ..	06-21	बजे
मेष--	07-57	बजे
वृष--	09-42	बजे
मिथुन..	11-43	बजे
कर्क...	13-55	बजे
सिंह....	16-07	बजे
कन्या..	18-14	बजे
तुला.....	20-19	बजे
वृश्चिक.	22-28	बजे
धनु.....	00-42	बजे
मकर...	02-49	बजे
कुंभ....	04-39	बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:24 से 10:55 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:26 - 07:54	अशुभ	लाभ	18:22 - 19:55	शुभ
शुभ.	07:54 - 09:24	शुभ	उत्पात	19:55 - 21:25	अशुभ
रोग	09:24 - 10:55	अशुभ	शुभ	21:25 - 22:54	शुभ
उत्पात	10:55 - 12:25	अशुभ	अमृत	22:54 - 24:24	शुभ
चंचल	12:25 - 13:55	शुभ	चंचल	24:24 - 01:54	शुभ
लाभ	13:55 - 15:25	शुभ	रोग	01:54 - 03:24	अशुभ
अमृत	15:25 - 16:55	शुभ	काल	03:24 - 04:54	अशुभ
काल	16:55 - 18:22	अशुभ	लाभ	04:54 - 06:26	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज के दिन की शुरुआत उल्लेखनीय होगी। आपको पदोन्नति या नई जिम्मेदारी की पेशकश की जा सकती है और भाग्यशाली लोगों को नयी नौकरी के अद्भुत अवसर प्राप्त हो सकते है! आपकी कड़ी मेहनत की प्रशंसा चारो और हो रही है और ये समय इसका फल पाने का समय है । वितीय स्थिति में धन के प्रवाह की वजह से मजबूती आने की संभावना है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अवलोकन और विश्लेषण की आपकी शक्ति आज अपने चरम पर होगी अतः अगर आप किसी भी नौकरी में हैं और अगर इन कौशल की आवश्यकता है , तो आज सफलता आपके कदम चूमेगी । वैज्ञानिकों , जांचकर्ताओं और शोधकर्ताओं के लिए आज एक उपयोगी दिन होगा । आज आप रचनात्मक और निष्कपट तरीके से अपने कार्यस्थल पर समस्याओं का हल खोजेंगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपको अप्रत्याशित रूप से खोया धन मिल सकता है , जिससे आसानी से आप अपनी सभी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पायेंगे । यह आपकी वर्तमान वित्तीय स्थिति को काफी राहत प्रदान करने वाला होगा , हालांकि इस धन को बहुत बुद्धिमानी से खर्च करना होगा क्योंकि हो सकता है की आपका ये धन ख़त्म या कम हो जाये लेकिन आपके दायित्वों का निर्वाह पूरा न हो पाये ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज के दिन आप अपने आप को प्रौद्योगिकी में पिछड़ा हुआ सा महसूस करेंगे । आपको अपने सहकर्मियों से आगे निकलने के लिए कुछ नयी प्रौद्योगिकी एवं कौशल सीखना होगा । आज आप एक योजनाकार और आत्मा मंथन मुद्रा में रहेंगे । अपने वरिष्ठ सहकर्मियों से मदद लें।आपकी समझाने -मनाने की शक्ति बहुत अच्छी है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन विपणन के लिए बहुत ही कारगर साबित हो सकता है जो की आपके व्यसाय को आगे की और ले जा सकता है । ये जरुरी है की आप विपणन नीतिया बनाते हुए न्यायसंगत निर्णय ले ताकि आप बेहतर नीतिया बना सके । अगर आज आपने कोई कार्यशाला या सार्वजनिक समारोह अपने व्यसाय को आगे ले जाने के लिए रखा हुआ है

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज आपका मन अटकलों और अनावश्यक चीज़ो की और भागेगा , परन्तु फिर भी आपकी केंद्रित रहने की क्षमता काफी मजबूत रहेगी । आप कम से कम समय में अधिक से अधिक काम खत्म करने के क्रम में घर पर या अपने कार्यालय डेस्क पर रहे , हालांकि घर पर काम करने में अधिक समय, ऊर्जा और पैसे का हास होगा।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपने अपने व्यक्तिगत काम में व्यस्त होने के कारण अपने पेशेवर कार्यो को कुछ समय के लिए अधर में लटका दिया था , लेकिन लोगों को कार्यस्थल पर आपकी बुरी तरह से आवश्यकता है , हालाँकि अगर आप ई-मेल पर संदेश या फोन पर जवाब न दें पाये तो इसमें कोई बुराई नहीं है । व्यय बढ़ेंगे लेकिन आपको बहुत जल्द ही कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त होने के आसार है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
अगर आप बेरोजगार हैं, तो एक अवसर आज आपके दरवाजे पर अपनी दस्तक दे सकता है। दोनों हाथों से इसे ले । आपके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपया करके मुफ्त सलाह प्रदान करने वालो से दूर रहे । आप नौकरी पाने के पश्चात अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए ।आपको एक नए क्षेत्र से अवसर प्राप्त हो सकता है। विभिन्न क्षेत्रों से आप अपने लिए नौकरियों खोजे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज बड़ी और छोटी सफलताएं आपके कार्य क्षेत्र में दस्तख़त दे रही है । आपके द्वारा एक समय में प्रदान की गई सेवाओं के लिए आपको कुछ भुगतान प्राप्त हो सकता हैं या आपको एक अप्रत्याशित बोनस मिल सकता है। एक लंबे समय से जो पदोन्नति अटकी हुई थी वह आपको मिल सकती है या आपका पद उँचा हो सकता है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप में लोगों के जीवन में एक फर्क लाने एवं उनकी सहायता का भाव रहेगा । आप धर्मार्थ कार्य में शामिल हो सकते है जो की आपका समय और प्रतिबद्धता को छीन सकता है । आपको ये निर्णय लेना होगा की धर्मार्थ कार्यो से जुड़े रहकर कुछ करना चाहते है , जिससे आपके वित्तीय स्थिति पर प्रभाव पड़े या वापस अपने कार्य क्षेत्र से जुड़कर धन की वृद्धि करना चाहते है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
यात्रा और यात्रा के व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए ये अच्छा समय है और आप इस से अच्छा धन लाभ कमा सकते है ! आप उच्च अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहे और जिससे आप जल्द ही कुछ लाभ पा सकते हैं । आप संपत्ति या कीमती धातुओं में भी निवेश कर सकते हैं।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

क्या सीएए पर अड़ंगा लगा सकते हैं राज्य

ममता बनर्जी और पिनाराई विजयन जैसे सीएम इतने आक्रामक क्यों हैं

नई दिल्ली, 15 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'पश्चिम बंगाल में सीएए को अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके जरिए मुसलमानों को निकाल दिया जाएगा। जैसे कि इन लोगों का हिंदुस्तान में कोई योगदान ही नहीं है। मैं बंगाल को डिटेंशन सेंटर नहीं बनने दूंगी। मैं लोगों के बुनियादी हक नहीं छिनने दूंगी। इसके लिए मुझे जान भी कुर्बान करनी पड़ी तो करूंगी।' ये बयान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का है। 11 मार्च को केंद्र सरकार की तरफ से सीएए (नागरिकता संशोधन कानून) का नोटिफिकेशन जारी किए जाने के बाद अगले दिन ममता की यह प्रतिक्रिया सामने आई।

कुछ ऐसा ही केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा, 'केरल सरकार ने कई बार कहा है कि राज्य में सीएए लागू नहीं किया जाएगा, ये मुस्लिम अल्पसंख्यकों को दोयम दर्जे का नागरिक साबित करता है। सांप्रदायिक तौर पर इस विभाजनकारी कानून के खिलाफ पूरा केरल एकजुट होगा।'

तमिल एक्टर और तमिलागा वेट्री कड़गम (टीवीके) पार्टी के नेता थलपति विजय ने भी सीएए का विरोध करते हुए कहा कि इसे लागू करना स्वीकार्य नहीं है। क्या सीएए को राज्यों में लागू होने से रोका जा सकता हैं, विपक्षी नेता हंगामा क्यों कर रहे हैं और क्या राज्यों की मशीनरी शरणार्थियों को नागरिकता दिलाने वाले इस कानून की प्रक्रिया में कोई अड़ंगा लगा सकती है। इसकी पडताल करती रिपोर्ट। भारतीय संविधान की 7वीं अनुसूची में तीन सूचियों के तहत राज्य और केंद्र के बीच शक्तियों का बंटवारा किया गया है और संविधान के तहत नागरिकता केंद्र का विषय है। केंद्र के बनाए कानून को राज्यों को लागू करना होता है।

सुप्रीम कोर्ट के वकील विराग गुप्ता कहते हैं, 'केरल की विधानसभा ने सीएए के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया था और सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका डाली गई थी, लेकिन संसद से पारित कानून को संसद या सुप्रीम कोर्ट से ही रद्द किया जा सकता है। केरल और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्रियों के मौखिक बयानों की कोई कानूनी अहमियत नहीं है।'

विराग के मुताबिक, 'संविधान के अनुच्छेद-256 और 257 के अनुसार राज्यों के लिए केंद्र सरकार के कानून का पालन करना जरूरी है। मुख्यमंत्री संविधान की शपथ लेते हैं जिसके अनुसार संसद के कानून का पालन करना जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर राज्यों में संवैधानिक व्यवस्था भंग होने और अनुच्छेद-356 के तहत राष्ट्रपति शासन की संभावना बन सकती है।' सीएए को इस वक्त लागू करने का सीधा उद्देश्य लोकसभा चुनावों में राजनीतिक फायदा लेना है। बीजेपी ने सीएए लागू कर एक तीर से दो शिकार किए हैं। एक भारत के हिंदुओं को ये संदेश देना कि मुस्लिम देशों में जिन अल्पसंख्यकों के साथ दुर्व्यवहार होता है, हमारे दरवाजे उनके लिए खुले हैं। दूसरा पश्चिम बंगाल और असम जैसे प्रदेशों में लंबे समय से नागरिकता मांग रहे हिंदू शरणार्थियों का समर्थन बीजेपी को मिलेगा।' बांग्लादेश से पश्चिम बंगाल में आए मतुआ समुदाय के लोग भारी तादाद में हैं और असम में भी बांग्लादेश से आए हिंदुओं की एक बड़ी आबादी रहती है। ये लोग लंबे समय से नागरिकता की मांग कर रहे थे। पश्चिम बंगाल में

लोकसभा की करीब 10 सीटों पर अनुसूचित जनजाति में आने वाले मतुआ समुदाय के लोगों का प्रभाव है। ममता बनर्जी और पिनाराई विजयन के सीएए के खिलाफ बयानबाजी करने की भी अपनी राजनीतिक वजह है। ममता बनर्जी की सीधी राजनीतिक लड़ाई बीजेपी से है। वे पहले भी कई ऐसे बड़े मामलों पर बयान देती रही हैं जिनमें आखिरकार केंद्र सरकार ही जीत की स्थिति में रहती है। इस मामले में भी उनके हाथ में कुछ नहीं है। उन्हें अपने राज्य में भी सीएए को लागू करवाना ही होगा, लेकिन उन्हें ये दिखाना है कि हम भारत में रह रहे मुस्लिम अल्पसंख्यकों के पक्ष में हैं, जबकि सरकार साफ कर चुकी है कि इस कानून का भारतीय मुस्लिमों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।'

कोर्ट के अंदर और बाहर सीएए का विरोध करने वालों के कुछ तर्क हैं। जैसे- सीएए, संविधान के आर्टिकल 14 का उल्लंघन करता है, जिसमें कहा गया है कि देश में किसी व्यक्ति को कानून के सामने समानता या समान संरक्षण से वंचित नहीं किया जा सकता और इसलिए धर्म को नागरिकता देने की एक योग्यता मानना, समानता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। इस पर सरकार का तर्क था कि मुस्लिमों को अल्पसंख्यकों के समूह से इसलिए बाहर रखा गया क्योंकि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश इस्लामिक देश हैं और वहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं। कानून का विरोध करने वालों का तर्क ये भी है कि म्यांमार जैसे देशों में रोहिंग्या, अहमदिया और हजारा समुदाय के मुस्लिम अल्पसंख्यक हैं और उन्हें धार्मिक आधार पर सताया गया है। ये भी चिंता जताई जाती है कि सीएए के तहत ये तय किया जाएगा कि अवैध प्रवासी कौन हैं, और फिर एनआरसी के जरिए इस आधार पर मुसलमानों को निशाना बनाया जाएगा। ममता बनर्जी ने 12 मार्च को यहां तक कहा, 'नागरिकता के लिए आवेदन करते ही लोग घुसपैठिए बन जाएंगे। इसकी कोई गारंटी नहीं है कि आपको नागरिकता मिलेगी या नहीं। आप अपनी संपत्ति खो देंगे।

सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाएगा। सारे नागरिक अधिकार छीन लिए जाएंगे। आवेदन करने से पहले हजार बार सोचें कि ये एनआरसी से जुड़ा हुआ है।' इस कानून से भारत के मुस्लिम नागरिकों की समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं होता। विदेशी शरणार्थियों को भारत में नागरिकता हासिल करने का कोई भी मौलिक अधिकार नहीं है। यूरोप और अमेरिका के कई देशों में शरणार्थियों की नागरिकता का फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के अनुसार होता है। इस बारे में जेनेवा की अंतर्राष्ट्रीय संधि 1961 भी है। दूसरे देशों से आए मुसलमान शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देने पर कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है। नागरिकता कानून 1955 के अनुसार म्यांमार के रोहिंग्या और अहमदिया नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं।'

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं पर नोटिस जारी करके केंद्र सरकार से दिसंबर 2019 में जवाब मांगा था। उस वक्त सरकारी वकील ने कहा था कि नियम नहीं बने हैं, इसलिए कानून लागू नहीं होगा। नए नियम अधिसूचित होने के बाद कई मुस्लिम संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दायर करके इस कानून के क्रियान्वयन पर रोक लगाने की मांग की है। इस मामले में पिछली बार तीन जजों की बेंच सुनवाई कर रही थी, लेकिन मामले की जटिलता और संवैधानिक पहलुओं को देखते हुए 5 जजों के संविधान पीठ के गठन की मांग हो सकती है।'सीऐे के क्रियान्वयन में राज्य सरकारों के पास अड़ंगे का स्कोप

देशभर में सीएए के लागू होने के बाद भी इसके तहत नागरिकता के लिए आवेदन देने वाले शरणार्थियों को राज्य सरकारों के प्रशासनिक तंत्र से गुजरना होगा। केंद्र सरकार ने ऑनलाइन पोर्टल तो जारी कर दिया है, लेकिन इसका क्रियान्वयन राज्य सरकार की मशीनरी से ही होगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों से इस कानून के तहत नागरिकता के लिए आवेदन नहीं करने की अपील की है। उनके अनुसार अगर एप्लिकेशन रद्द हो गई तो फिर आवेदनकर्ता को अवैध शरणार्थी माना जाएगा। जिस तरीके से विपक्ष शासित राज्यों में पुलिस और प्रशासन की भूमिका है उसके अनुसार नागरिकता से जुड़े मामलों में भी अवरोध के मामले बढ़ सकते हैं। जिन लोगों को प्रशासनिक अड़चन का सामना करना पड़े वे ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी शिकायत केंद्र सरकार के अधिकारी के पास दर्ज करा सकते हैं, जिससे समयबद्ध तरीके से उन्हें भारत की नागरिकता मिल सके।

साय सरकार ने 3 माह में लिया 13000 करोड़ कर्ज

वित्तमंत्री बोले- ऑनलाइन होंगे विभाग, भ्रष्टाचार रोकने बनेगी विजिलेंस टीम, कांग्रेस ने गिनाई 20 विफलताएं

रायपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार के 13 मार्च को 3 महीने पूरे हो गए। इसके अगले दिन गुरुवार को सरकार के 5 मंत्री सरकार का लेखा-जोखा लेकर जनता के सामने आए। दावा किया कि सरकार के 3 महीने का काम-काज कांग्रेस सरकार के पिछले 5 सालों पर भारी हैं। रायपुर में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिप्टी सीएम विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए। दूसरी तरफ कांग्रेस ने प्रदेश सरकार को हर मोर्चे पर फेल बताया है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कांग्रेस के आरोपों का जवाब भी दिया है। उन्होंने कहा कि, हमने जितना कर्ज लिया, उससे ज्यादा ज्ञान के तहत जनता को दे दिया। ज्ञान यानी गरीब, अन्नदाता, युवा और नारी जैसे वर्ग के लिए काम किया। कांग्रेस की मानसिकता यही रही

कि उन्होंने अपनी जेबें भरने के लिए काम किया। चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के नेता भूपेश बघेल और नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत हमसे किसी भी जगह डिबेट कर लें, हम तैयार हैं। हम कांग्रेस से बेहतर स्थिति में प्रदेश को ले जा रहे हैं। 5 साल बाद यह प्रदेश कई गुना बेहतर आर्थिक स्थिति में होगा। हमारी सरकार की नीयत साफ है। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस ने तो उलटी गंगा बहाने का प्रयास किया। जहां ऑनलाइन कामकाज होते थे, वहां ऑफलाइन कर भ्रष्टाचार किया। हम विजिलेंस के लिए टीम बना रहे हैं। विभागों को ऑनलाइन कर रहे हैं, पारदर्शी बना रहे हैं। इससे सरकार के पास पैसा आएगा। भ्रष्टाचार पर नकेल कसेगी। पूंजीगत व्यय पर हम अधिक फोकस कर रहे हैं, जिससे छत्तीसगढ़ की जीडीपी दोगुनी हो सके। और यह हम करके दिखाएंगे। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार दो-चार हजार करोड़ जनता को जारी करने के बाद कहती थी कि फाइनेंशियल सेक्टर में बूम आ चुका है।

प्रदेश की आर्थिक स्थिति बेहतर हो चुकी है। विष्णुदेव सरकार ने पिछले तीन महीने में 44000 करोड़ जनता को दिए हैं। अब इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर इसका कितना सकारात्मक असर होगा। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि जैसे मुख्यमंत्री विष्णुदेव सरल हैं, इसी तरह सरकार भी सरल है। उन्होंने कहा कि बेहद अंदरूनी नक्सल प्रभावित गांवों में 16 पुलिस कैंप खोले जा चुके हैं। सरकार उन क्षेत्रों में विकास पहुंचाना चाहती है।

पुलिस का ईडी अधिकारियों को नोटिस

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने एससी-एसटी एक्ट के तहत कराई थी एफआईआर

रांची, 15 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड पुलिस ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। पुलिस ने ईडी अधिकारियों को मार्च के तीसरे सप्ताह में जांच में शामिल होने को कहा है।

दरअसल, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से एससी-एसटी एक्ट के तहत एक एफआईआर दर्ज कराई गई थी। बता दें कि ईडी की टीम झारखंड में जमीन घोटाले में हुई कथित मनी लॉनड्रिंग मामले में हेमंत सोरेन के बंगले पर पहुंची थी। ईडी ने बंगले से नकदी के साथ ही एक हरियाणा नंबर की बीएमडब्लू कार और एक अन्य कार के साथ ही कुछ अहम दस्तावेज भी बरामद किए थे। ईडी की छापेमारी को लेकर ही एफआईआर कराई गई थी। इसी मामले में रांची पुलिस ने ईडी अधिकारियों को नोटिस जारी कर मार्च के तीसरे सप्ताह में जांच में शामिल होने को कहा है। इससे पहले ईडी ने एफआईआर के खिलाफ झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिस पर कोर्ट ने ईडी अधिकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया था। दरअसल, ईडी की टीमों ने हेमंत सोरेन के दिल्ली स्थित आवास पर छापेमारी की थी। इसी के बाद सोरेन ने रांची पुलिस से ईडी अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की और एफआईआर दर्ज कराई गई। बता दें कि सोरेन के दिल्ली आवास में छापेमारी के बाद ईडी ने भारी मात्रा में बंगले से नकदी बरामद की थी।

ईडी के अधिकारियों ने बताया था कि हेमंत सोरेन के बंगले से 36 लाख रुपये नकद बरामद किए गए, साथ ही दो लग्जरी कार भी जब्त की गईं।

आजाद भारत में कोई सीएम, हेमंत सोरेन की तरह लापता नहीं हुआ

झारखंड में बरसे रक्षा मंत्री

रांची, 15 मार्च (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज झारखंड दौरे पर हैं। इस दौरान झारखंड के चतरा में एक रैली के दौरान राजनाथ सिंह ने झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर निशाना साधा और कहा कि आजाद भारत के इतिहास में कोई भी मुख्यमंत्री, हेमंत सोरेन की तरह लापता नहीं हुआ। राजनाथ सिंह ने कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों के उलट, भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार को लेकर कोई उंगली नहीं उठा सकता।

रैली के दौरान राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए गए विकास कार्यों के दम पर भारत विश्वगुरु बनेगा और साल 2027 तक भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है, जब देश में

राम राज्य स्थापित होगा। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही देश में राम राज्य आ जाएगा। रामलला अपने महल में पहुंच गए हैं। नागरिकता संशोधन कानून लागू करने पर भाजपा को सांप्रदायिक पार्टी बताने वालों पर बरसते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि इन लोगों को पहले ये जानना चाहिए कि पाकिस्तान में किन परिस्थितियों में हिंदुओं की आबादी 23 प्रतिशत से घटकर तीन प्रतिशत रह गई है।

सीएए पर राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में हिंदू, सिख, बौद्ध, ईसाई और पारसी, जैन के खिलाफ धार्मिक उत्पीड़न हुआ और वे शरण के लिए भारत आए। हमने उन लोगों को नागरिकता देने का फैसला किया है और भाजपा को इसके लिए सांप्रदायिक पार्टी बताया जा रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वगुरु बनेगा और यह भगवान की इच्छा है कि वह (पीएम मोदी) न सिर्फ तीसरी बार बल्कि चौथी बार भी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे।

घर में घुसकर परिवार के लोगों को बंधक बनाकर पीटा

फिर लाखों के कैश और जेवरात लेकर फरार हुए लुटेरे

रायपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर के माना थाना क्षेत्र में लाखों रुपये की लूट का मामला सामने आया है। चार लुटेरों ने मिलकर एक परिवारों को बंधक बनाकर लुट की घटना को अंजाम दिया है। लुटेरे पहले घर घुसे, लेकिन उनकी आहाट सुनकर परिवार के लोग उठ गए। इसके बाद चोरों ने परिवार के लोगों को डराया धमकाया, इतना ही नहीं बंधक बनाकर पिटाई भी कर दी। फिर मास्टर चाबी से अलमारी का ताला खोलकर नगदी रकम लगभग 10 लाख रुपये और सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। मामले की जानकारी के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, यह घटना गुरुवार की है। लगभग रात तीन बजे चेहरे में नकाब पहनकर चार लुटेरे घर में घुस गए। इसके बाद उनकी आवाज सुनकर घर में मौजूद लोग उठ गए। इस दौरान चोरों डराया धमकाया और बंधक बनाकर पिटाई कर दी। इसके बाद घर अंदर रखे अलमारी को मास्टर चाबी से खोलकर लगभग 10 लाख रुपये और सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। इसके बाद घर में मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर घटना स्थल पहुंची। और मामले की जांच में जुट गई है।

स्वास्थ्य विभाग के बर्खास्त कर्मी हुए बहाल

मिला रुका हुआ वेतन, 30 हजार कर्मचारियों को मिला लाभ

रायपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बर्खास्त हुए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को बहाल कर दिया गया है। इसके साथ ही 25 हजार कर्मियों को रुका हुआ वतन भी मिला। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर आदेश जारी हुआ है। इसका लाभ 30 हजार स्वास्थ्य कर्मियों को मिला है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी 21 अगस्त 2023 से 12 सितंबर 2023 तक हड़ताल में थे। इस अवधि का अवकाश और रूका वेतन स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर जारी कर दिया गया है। इस पर छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य फेडरेशन ने स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल को अभार व्यक्त किया है। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य फेडरेशन के आंदोलन कर रहे कर्मचारियों का उस दौरान कार्यालय में अनुपस्थित रहने के कारण बर्खास्तगी और वेतन अस्वीकृत कर दिया गया था। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात की थी। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने मुलाकात के बाद स्वास्थ्य महकमे के अधिकारियों को इन विसंगतियों को दूर करने के निर्देश दिए थे। निर्देश के परिपालन में बर्खास्त पांच हजार कर्मचारियों को वापस सेवा में ले लिया गया है। साथ ही 25 हजार कर्मचारियों का अंदोलन के दौरान रूका वेतन भी स्वीकृत कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य फेडरेशन ने स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल का निज निवास कार्यालय में गत दिवस सौजन्य भेंट कर धन्यवाद दिया है।

जुआरी निकले भाजपा नेता

प्रवेश शर्मा और नागेश साहू समेत 10 गिरफ्तार, जंगल में सजी थी जुए की महफिल

दुर्ग, 15 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए जुआ खेल रहे 10 जुआरियों को पकड़ा है। इन आरोपियों में भाजपा नेता भी शामिल हैं। जिन्हें पुलिस ने रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जुआरियों के पास नगदी रकम और मोबाइल फोन समेत ताश पत्ती बरामद की है। दुर्ग एसपी जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर जुए और सट्टेबाजी के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगाता जारी है। इसी कड़ी में प्रशिक्षु डीएसपी अजय ठाकुर और नंदिनी थाना प्रभारी राजेश साहू के नेतृत्व में जुए के दो अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की गई। जिसमें मुरमुंदा चेटुवा रोड के तालाब के पास जुआ खिलाते पांच जुआरियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, दूसरी कार्रवाई में मुरमुंदा के नहर किनारे जुआ खेल रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान मिथलेश साहू, आशुतोष तिवारी, राजकुमार ठाकुर, प्रवेश शर्मा, नागेश साहू, दीपक गायकवाड़, भुनेश्वर जोशी, महेन्द्र जोशी, रोशन टंडन और खिलेन्द्र कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने इसके पास से 19 हजार नगद, मोबाइल समेत ताश पत्ती बरामद की है। सभी के खिलाफ जुआ के एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने जुआ खेलने वाले जिन 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है उनमें भाजपा नेता भी शामिल हैं। जिसमें अहिवारा मंडल के भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष प्रवेश शर्मा और भाजपा युवा मोर्चा के महामंत्री नागेश साहू को जुआ खिलाने के लिए पुलिस ने रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। नंदिनी थाना प्रभारी राजेश साहू ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग ताश पत्ती के माध्यम से पैसे का हार जीत खेल रहे हैं। सूचना के आधार पर एक टीम बनाकर दो स्थानों पर कार्रवाई को गई है। साइबर यूनिट और अम्लेश्वर पुलिस ने संयुक्त रूप से जमराव गांव के खारुन नदी के किनारे गौठान में जुआ खिलाने की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 12 जुआरियो को गिरफ्तार किया और पुलिस ने जुआरियों के पास से 85 हजार नगद और 11 मोबाइल बरामद की थी।

बड़कागांव से कांग्रेस विधायक को ईडी का समन

अंबा प्रसाद के पिता और भाई से भी होगी पूछताछ, रेड में मिले थे 35 लाख कैश

रांची, 15 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के बड़कागांव से कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद को ईडी ने समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है। पूछताछ किसी तारीख को होगी, इसे लेकर अब तक स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ सकी है। अंबा प्रसाद के पिता और पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, भाई अंकित राज और सीओ शशिभूषण सिंह को भी ईडी ने समन भेजा है। सभी को अलग- अलग तारीख पर रांची जोनल ऑफिस में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। 12 मार्च को ईडी ने विधायक अंबा प्रसाद के घर समेत राजधानी रांची, हजारीबाग समेत 20 ठिकानों पर रेड की थी। मनी लॉनड्रिंग से जुड़े मामले में विधायक के करीबी रिश्तेदार के घर भी दबिश दी गई थी। ईडी ने छापेमारी के बाद अपने ट्वीट में बताया कि पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत विधायक अंबा प्रसाद के रांची और हजारीबाग में योगेंद्र साव और उनके अन्य करीबियों के 20 ठिकानों पर रेड की गई। रेड के दौरान 35 लाख कैश, डिजिटल उपकरण, सर्किल ऑफिस, बैंकों आदि के फर्जी मुहर, हाथ से लिखी रसीद और डायरी समेत कई दस्तावेज मिले हैं। इसके साथ ही अवैध बालू खनन से संबंधित साक्ष्य भी मिले हैं। अंबा प्रसाद के परिवार पर रंगदारी और लेवी के गंभीर आरोप लगे हैं। साथ ही बालू अवैध खनन, जमीन से जुड़े मामलों में भी ईडी अंबा और उनके परिजनों से पूछताछ करेगी। दूसरी तरफ इन आरोपों से इनकार करती बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद ने कहा है कि मेरे पास मेरे नाम से एक गाड़ी है। मेरे घर से नकद राशि बरामद नहीं हुई है। 14 सौ रुपए थे वह भी ईडी वाले वहीं छोड़कर चले गए। सूत्र बनकर मीडिया में अफवाह पहुंचाने वाले मेरे दुश्मन हैं। अब ईडी इस मामले की आगे जांच करेगी। इस मामले में सभी से पूछताछ के बाद ही ईडी सबूतों के आधार पर आगे कार्रवाई करेगी। दूसरी तरफ ईडी ने रांची जमीन घोटाले की जांच भी तेज कर दी है।

लोकसभा चुनाव को लेकर मंत्री का दावा

चाईबासा, 15 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम में झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता और उत्पाद विभाग के मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने एक बार फिर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में झारखंड की सभी 14 सीटों पर इंडी गठबंधन की जीत का दावा किया है। चाईबासा दौरे पर पहुंचे मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने गांधी मैदान में आयोजित साईं महोत्सव में पहुंचकर पूजा अर्चना की। प्रसाद ग्रहण किया। बड़ी बाजार क्षेत्र में लोगों के साथ चाय पर चर्चा की।

कोल्हान के जंगल में मिले 4 आईईडी, 2 हैंड ग्रेनेड

पश्चिमी सिंहभूम, 15 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के जंगल में नक्सलियों की बड़ी साजिश को सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया है। सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए लगाए गए विस्फोटक को जब्त किया गया है। प्रधानघाट के बीच जंगल और पहाड़ी से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुए हैं।

गुरुवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने 4 आईईडी, 2 हैंड ग्रेनेड और 2 डेटोनेटर बरामद किए हैं। जिसे सुरक्षाबलों ने मौके पर जंगल में ही नष्ट कर दिया। इलाके में आज भी सर्च ऑपरेशन जारी है। विस्फोटक ऑपरेशन में बाधा डालने व सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाए गए थे। एसपी ने बताया कि नक्सलियों के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, चमन, कांडे के अपने दस्ते के साथ कोल्हान क्षेत्र में घूमने की सूचना के बाद से ज्वाइंट सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सुरक्षा बल लगातार इन इलाकों में अभियान चला रहे हैं। जंगल के इलाकों में लैंड माइंस और कई स्पाइक छिपी है। जिससे नक्सली सुरक्षा बलों का रास्ता रोकने की कोशिश करते हैं। जनवरी से ही सीआरपीएफ, झारखंड जगुआर और जिला पुलिस संयुक्त अभियान चला रहे हैं। लेकिन कोई भी शीर्ष नेता गिरफ्त में नहीं आया है। इस इलाके में नक्सलियों ने अघोषित कर्फ्यू लगा रखा है। ग्रामीणों से कहा गया है कि वे जंगल में न आएं, क्योंकि उन्होंने जगह-जगह आईईडी लगा रखी है। किसी की भी जान जा सकती है। इससे लोग जंगल में जाने से बचते हैं। जो जाते हैं, वे बम की चपेट में आकर जान गंवा बैठते हैं।

फिलिस्तीन के नए प्रधानमंत्री बने मोहम्मद मुस्तफा

2014 में गाजा के पुनर्निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी, पूर्व पीएम के इस्तीफे के 18 दिन बाद नियुक्ति

यरुशलम, 15 मार्च (एजेंसियां)। मोहम्मद मुस्तफा फिलिस्तीन के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। प्रेसिडेंट महमूद अब्बास ने उन्हें नया पीएम नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पूर्व प्रधानमंत्री मोहम्मद सातायेह समेत पूरी सरकार के इस्तीफे के 18 दिन बाद हुई है।

दरअसल, फिलिस्तीन अथॉरिटी का राष्ट्रपति ही राज्य का प्रमुख होता है। राष्ट्रपति का चुनाव वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम में लोकतांत्रिक रूप से होता है। मौजूदा राष्ट्रपति महमूद अब्बास हैं। वह 2005 से फिलिस्तीन अथॉरिटी की अगुआई कर रहे हैं। राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है, जो सरकार बनाने के लिए जिम्मेदार होता है। पीएम की नियुक्ति राष्ट्रपति के मन मुताबिक होती है। इसके लिए, संसद के अप्रूवल की जरूरत होती है।

आर्थिक मामलों के सलाहकार रह चुके हैं मुस्तफा

गाजा पर 2014 में हुए इजराइल हमले के बाद मुस्तफा ने गाजा में पुनर्निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी। वो फिलिस्तीनी अथॉरिटी के आर्थिक मामलों के सलाहकार रह चुके हैं। वो फिलिस्तीन इनवेस्टमेंट फंड के बोर्ड मेंबर भी थे। इसके अलावा वो वर्ल्ड बैंक में सीनियर पोजिशन पर भी काम कर चुके हैं। पीएम बनाए जाने के बाद मुस्तफा का पहला काम होगा मंत्रिमंडल तय करना। कतर के मीडिया हाउस 'अल जजीरा' के मुताबिक प्रधानमंत्री मोहम्मद सातायेह ने 26 फरवरी को इस्तीफा दिया था। कहा था- गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी भूख से तड़प रहे हैं। वहां लगातार इजराइली हमले हो रहे हैं। वेस्ट बैंक और यरुशलम में भी हिंसा बढ़ रही है। इसे देखते हुए मैंने इस्तीफा राष्ट्रपति महमूद अब्बास को सौंपा। अल जजीरा के मुताबिक, मोहम्मद सातायेह का इस्तीफा ऐसे समय हुआ जब अमेरिका प्रेसिडेंट अब्बास पर फिलिस्तीनी में नया पॉलिटिकल स्ट्रक्चर बनाने का दबाव बना रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल-हमास जंग खत्म होने के बाद फिलिस्तीन राज्य की स्थापना होगी। इस राज्य पर किसका शासन होगा, अमेरिका इसको लेकर इजराइल और फिलिस्तीनी अथॉरिटी से बात कर रहा है। अमेरिका का कहना है कि वहां शासन के लिए नया पॉलिटिकल स्ट्रक्चर बनाया जाना चाहिए।

फिलिस्तीनी अथॉरिटी (पीए) को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिलिस्तीनी क्षेत्रों में गवर्निंग बॉडी के रूप में मान्यता हासिल है। पीए का नेतृत्व फिलिस्तीनी राष्ट्रपति करते हैं और इसकी एक लेजिस्लेटिव बॉडी है, जिसे फिलिस्तीन लेजिस्लेटिव काउंसिल कहा जाता है। फिलिस्तीन में दो बड़ी पार्टियां हैं, जिनमें एक हमास और दूसरा फतह है। हमास एक हथियारबंद संगठन है और 2007 से हमास गाजा पट्टी में शासन कर रहा है। वहीं, फतह की अगुआई वाले फिलिस्तीनी अथॉरिटी का वेस्ट बैंक और यरुशलम में शासन चलता है, जिसे अंतराष्ट्रीय समर्थन हासिल है।

फिलिस्तीन अथॉरिटी अंतराष्ट्रीय स्तर पर फिलिस्तीनियों का प्रतिनिधित्व करता है। फिलिस्तीन में राजनीतिक व्यवस्था फिलिस्तीनी अथॉरिटी के तहत चलती है। फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (पीएलओ) और इजराइल के बीच ओस्लो समझौते के बाद 1994 में पीए को एक इंटरिम एडमिनिस्ट्रेटिव बॉडी के रूप में स्थापित किया गया था।

15 भारतीय मछुआरों को हिरासत में लिया गया

अवैध रूप से मछली पकड़ने का आरोप, अब तक 16 नाव जब्त

कोलंबो, 15 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंकाई नौसेना ने शुक्रवार को उत्तरी जाफना प्रायद्वीप में काराईनगर के तट से कम से कम 15 भारतीय मछुआरों को द्वीप राष्ट्र के जल से मछली पकड़ने के आरोप में हिरासत में लिया है। कांकेसंतुरई बंदरगाह पर श्रीलंकाई नौसेना ने मछुआरों के नावों को जब्त कर लिया और जांच के लिए मत्स्य निदेशालय में भेज दिया है। हाल ही में श्रीलंकाई मछुआरों ने श्रीलंकाई जल इलाके में अपने भारतीय समकक्षों द्वारा अवैध शिकार से अपने अधिकारों की रक्षा के लिए अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसी के साथ इस साल श्रीलंकाई नौसेना ने अबतक 16 नाव को जब्त करने के साथ 225 भारतीय मछुआरों को हिरासत में लिया है। बता दें कि मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच एक विवादास्पद मुद्दा है। यहां तक कि श्रीलंकाई नौसेना ने पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी की थी। इसके साथ ही श्रीलंकाई क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले मछुआरों के नौकाओं को जब्त भी कर लिया।

जापान ने समुद्र में जहरीला पानी छोड़ना बंद किया

फुकुशिमा प्लांट के पास आए 5.8 तीव्रता के भूकंप के बाद फैसला

टोक्यो, 15 मार्च (एजेंसियां)। जापान ने समुद्र में जहरीला पानी छोड़ना बंद कर दिया है। यह फैसला शुक्रवार सुबह फुकुशिमा प्लांट के पास आए भूकंप के बाद लिया गया। फुकुशिमा के उत्तरपूर्वी तट पर 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। यहां 2011 में सुनामी आई थी, जिससे प्लांट को काफी नुकसान पहुंचा था।

पानी छोड़े जाने की देखरेख कर रही टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने एक्स पर लिखा- भूकंप से पानी छोड़ने जाने की प्रोसेस पर असर नहीं हुआ है। हालांकि, सुरक्षा को देखते हुए पानी छोड़ना बंद किया गया है।

जापान अपने खराब हो चुके फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट में मौजूद 132 करोड़ लीटर रेडियोएक्टिव वॉटर को 24 अगस्त 2023 को पैसेफिक ओशन में छोड़ना शुरू किया था।

जापान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक पानी को महासागर में छोड़ने से पहले साफ कर दिया गया। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक सफाई के बाद भी इसमें ट्राइटियम के कण हैं। ट्राइटियम एक रेडियो एक्टिव मैटीरियल होता है। इसे पानी से अलग करना काफी मुश्किल होता है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों हो सकती हैं। पानी को पैसेफिक महासागर में छोड़े जाने का साउथ कोरिया, चीन और ऑस्ट्रेलिया ने विरोध किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, 1940 के दशक में साउथ पैसेफिक में अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों ने एक के बाद एक कई न्यूक्लियर टेस्ट किए थे। इसका खामियाजा वहां के मार्शल आईलैंड पर रहने वाले लोग अब तक भुगत रहे हैं।

हालांकि, न्यूक्लियर टेस्ट करने और न्यूक्लियर रिएक्टर्स को ठंडा रखने के लिए, इस्तेमाल किया पानी महासागर में छोड़ने में काफी फर्क है। उसके बावजूद इसके असर को नकारा नहीं जा सकता है। 2011 की सुनामी के बाद साउथ कोरिया जैसे कई देशों ने सुरक्षा के लिहाज से फुकुशिमा से सीफूड और दूसरी खाने की चीजों के इम्पोर्ट पर रोक लगा दी थी।

न्यूक्लियर प्लांट को मेंटेन करने वाली कंपनी टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर (टीईपीसीओ) ने बताया कि पानी की क्वॉंटिटी का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि ये 500 ओलंपिक साइज्ड स्विमिंग पूल को भरने के लिए काफी है। इस पानी को वहां से हटाए जाना इसलिए भी जरूरी है, ताकि न्यूक्लियर प्लांट को नष्ट किया जा सके।

मार्च 2011 में आई सुनामी की वजह से फुकुशिमा के न्यूक्लियर प्लांट का कूलिंग और इलेक्ट्रिसिटी सिस्टम ठप हो गया था। गर्मी की वजह से वहां मौजूद तीनों रिएक्टर्स के कोर पिघल गए थे, जिसके चलते काफी ज्यादा मात्रा में रेडिएशन फैला था।

अगर ईसीपी ने आंतरिक चुनावों को मंजूरी दी

तो एसआईसी में विलय करेगी पीटीआई, इमरान की पार्टी के नेता का दावा

इस्लामाबाद, 15 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के एक नेता ने कहा कि अगर चुनाव आयोग उनकी पार्टी के आंतरिक चुनाव को मान्यता देता है और चुनाव चिह्न क्रिकेट बैट को वापस लौटाता है, तो पार्टी सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के साथ विलय कर लेगी। एक मीडिया रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। पीटीआई नेता असद कैसर ने कहा, अगर पार्टी को हालिया संगठनात्मक चुनाव के बाद अपना क्रिकेट बैट का चुनाव चिह्न वापस मिल जाता है तो दोनों पार्टियों का विलय हो जाएगा और पीटीआई बनी रहेगी। एसआईसी पाकिस्तान में इस्लामी राजनीतिक और बरेलवी धार्मिक दलों का संगठन है। आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने 90 से ज्यादा सीट पर जीत दर्ज की। बाद में ये निर्दलीय सदस्य एसआईसी में शामिल हो गए। यह पूछे जाने पर कि क्या एसआईसी में विलय के बाद पीटीआई बनी रहेगी, उन्होंने कहा, हां, हम बने रहेंगे लेकिन हम इसके साथ विलय भी करेंगे। उन्होंने बताया कि अगर पार्टी को हाल के अंदरूनी चुनावों के बाद अपना चुनाव चिह्न वापस मिल जाता है, तो एसआईसी का हिस्सा होने के बजाय दोनों पार्टियों का विलय हो जाएगा और पीटीआई बनी रहेगी। पिछले साल दिसंबर में चुनाव आयोग (ईसीपी) ने पीटीआई के आंतरिक चुनाव को खारिज कर दिया था। इसके बाद इस महीने की शुरुआत में पीटीआई ने घोषणा की थी कि दोबारा हुए आंतरिक चुनाव गौहर अली खान को फिर पार्टी का अध्यक्ष चुना गया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई में पिछले दो साल में यह तीसरा आंतरिक चुनाव था।

पाकिस्तान बोला- भारत का सीएए भेदभाव वाला

अमेरिका ने भी चिंता जताई, कहा- कानून लागू करने के तरीके पर हमारी नजर

इस्लामाबाद, 15 मार्च (एजेंसियां)। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ भारत में विपक्षी पार्टियों की आलोचना के बीच पाकिस्तान और अमेरिका ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान ने सीएए कानून को भेदभावपूर्ण बताया है। वहीं, अमेरिका ने इस पर चिंता जाहिर की है।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा- सीएए कानून का लागू होना हिंदू फासीवादी देश का भेदभावपूर्ण कदम है। यह कानून आस्था के आधार पर लोगों में भेदभाव पैदा करता है। सीएए इस गलत धारणा पर आधारित है कि मुस्लिम देशों में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार किया जा रहा है और भारत अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित देश है।

इधर, अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा- हम 11 मार्च को सीएए के नोटिफिकेशन को लेकर चिंतित हैं। इस कानून को कैसे लागू किया जाएगा हम इसकी करीब से निगरानी कर रहे हैं। धार्मिक स्वतंत्रता का आदर करना और कानून के तहत सभी समुदायों के साथ बराबरी से पेश आना लोकतांत्रिक सिद्धांत है।

केंद्र सरकार ने 11 मार्च को सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए का नोटिफिकेशन जारी किया था। इसके साथ ही यह कानून देशभर में लागू हो गया। सीएए को हिंदी में नागरिकता संशोधन कानून कहा जाता है। इससे पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया।

1. किसे मिलेगी नागरिकता: 31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश से धार्मिक आधार पर प्रताड़ित होकर भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता दी जाएगी। इन तीन देशों के लोग ही नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे।

2. भारतीय नागरिकों पर क्या असर: भारतीय नागरिकों से सीएए का कोई सरोकार नहीं है। संविधान के तहत भारतीयों को नागरिकता का अधिकार है। सीएए या कोई कानून इसे नहीं छीन सकता।

3. आवेदन कैसे कर सकेंगे: आवेदन ऑनलाइन करना होगा। आवेदक को बताना होगा कि वे भारत कब आए। पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेज न होने पर भी आवेदन कर पाएंगे। इसके तहत भारत में रहने की अवधि 5 साल से अधिक रखी गई है। बाकी विदेशियों (मुस्लिम) के लिए यह अवधि 11 साल से अधिक है।

सीएए के ऑनलाइन पोर्टल को रजिस्ट्रेशन के लिए तैयार कर लिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसका ड्राई रन भी कर लिया है। सूत्रों ने कहा कि सीएए इन पड़ोसी देशों के उन शरणार्थियों की मदद करेगा जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं। मंत्रालय को लंबी अवधि के वीजा के लिए सबसे ज्यादा आवेदन पाकिस्तान से मिले हैं। गृह मंत्री अमित शाह दो महीने में दो बार कह चुके थे कि सीएए लोकसभा चुनाव से पहले लागू किया जाएगा। यह देश का कानून है। इसे कोई रोक नहीं सकता। संसद ने सीएए पर 12 दिसंबर 2019 को मुहर लगाई थी। हालांकि, सरकार इस कानून को लागू करने के लिए नियम-कायदे बनाने की समय सीमा 8 बार बढ़ा चुकी है। 11 दिसंबर 2019 को राज्यसभा में नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 (सीएबी) के पक्ष में 125 और खिलाफ में 99 वोट पड़े थे। 1 दिसंबर 2019 को इसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई।

पीटीआई की बैठक में इमरान खान को जेल से रिहा कराने की मांग

इस्लामाबाद, 15 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान फिलहाल जेल में बंद हैं। पार्टी ने फर्जी मामलों में लंबे समय से खान को हिरासत में रखने की निंदा की। इसके साथ ही जल्द से जल्द उन्हें रिहा करने की मांग की। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) पार्टी की कोर कमेटी ने कल एक बैठक की थी। इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। विशेष रूप से पार्टी प्रमुख के खिलाफ मामलों में अपील में देरी, उनकी पत्नी बुशरा बीबी की सुरक्षा और पंजाब के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मतों की फिर से गिनती पर विस्तार से चर्चा की। पीटीआई की कानूनी टीम ने खान के मामलों के संबंध में कोर कमेटी के सामने चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि खान को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले और सिफर मामले जैसे मनगढ़ंत' मामलों पर हुई सुनवाई से स्पष्ट है कि यह सब राजनीतिक प्रतिशोध है। पिछले महीने तोशखाना भ्रष्टाचार मामले में एक जवाबदेही अदालत द्वारा दंपति को 14 साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद बुशरा बीबी इस्लामाबाद में इमरान खान के बानी गाला निवास में बंद किया गया था। वहीं इमरान खान रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में बंद हैं। इन दोनों को तोशखाना महंगे उपहार मामले और इद्दत मामले में कई वर्षों की सजा सुनाई गई है, जिसने उनकी शादी को गैर-इस्लामिक घोषित कर दिया था। पीटीआई कोर कमेटी ने अदालत के फैसलों के खिलाफ अपील में देरी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति पर नाराजगी व्यक्त की। पार्टी के लोगों ने मांग की कि इमरान खान के खिलाफ सभी मामले संविधान और कानून के अनुसार आगे बढ़ने चाहिए और इन सभी मामलों को तुरंत समाप्त करके पीटीआई प्रमुख की रिहाई के आदेश जारी किए जाने चाहिए।

एफबीआई से भारतवंशियों की शिकायत

कहा- अमेरिकी धरती से भारत में आतंक फैलाया जा रहा खालिस्तानी हमारे स्कूलों-दुकानों पर आकर धमका रहे

कैलिफोर्निया, 15 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों ने एफबीआई, जस्टिस डिपार्टमेंट और कैलिफोर्निया के सिलिकॉन वैली की लोकल पुलिस के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बताया कि अमेरिकी जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंकी हमलों के लिए किया जा रहा है। इस दौरान हिंदुओं और जैन धर्म के मंदिरों के खिलाफ हेट क्राइम के मुद्दे पर भी चिंता जताई गई। बैठक में करीब 25 भारतीय-अमेरिकी नागरिक मौजूद रहे। उन्होंने कहा- मंदिरों पर अचानक हमले बढ़ गए हैं, जिसकी वजह से यहां रह रहे भारतीय और भारतवंशी डर में हैं। खालिस्तान समर्थक स्कूलों और भारतीयों की दुकानों के बाहर ट्रक खड़ा कर उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश करते हैं।

इस दौरान खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) का भी जिक्र किया गया, जिसकी स्थापना गुरपतवंत सिंह पन्नू ने की थी। बैठक में बताया गया कि पन्नू के समर्थक अमेरिका में सबसे ज्यादा हिंदू और भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल रहते हैं। भारतीय समुदाय के लोगों ने पन्नू की तरफ से बार-बार जारी किए जा रहे भड़काऊ और धमकी भरे भाषणों के खिलाफ एक्शन की भी मांग की। मीटिंग के दौरान भारतीय-अमेरिकियों ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि एफबीआई और पुलिस जैसी एजेंसियां ऐसे लोगों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं ले रही है। इनमें वो लोग भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में सैन फ्रांसिस्को में भारतीय दूतावास को जलाने की कोशिश की थी और डिप्लोमैट्स को खुलेआम धमकी दी थी।

बैठक में शामिल एक भारतवंशी ने एफबीआई को बताया कि खालिस्तान समर्थक खुलेआम एअर इंडिया के विमानों को उड़ाने की धमकी दे रहे हैं। खालिस्तानी हिंदुओं को टारगेट करने वाले मैसेज बैनर पर लिखकर घूमते हैं। दूसरी तरफ एफबीआई ने कहा कि उन्हें खालिस्तानियों की गतिविधियों के बारे में जानकारी नहीं है। मीटिंग में जस्टिस डिपार्टमेंट ने एक वर्किंग ग्रुप बनाने का वादा किया, जो धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा इंतजाम पुख्ता करने का काम करेगा। इस वर्किंग ग्रुप में भारतीय समुदाय से जुड़े कई लोगों को भी शामिल किया जाएगा।

पोलियो पॉल ने लोहे के फेफड़े में बिताए 72 साल

6 साल की उम्र में पोलियो हुआ था, 78 साल में आखिरी सांस ली

वॉशिंगटन, 15 मार्च (एजेंसियां)। 72 साल तक लोहे के फेफड़े में जीवन बिताने वाले पॉल एलेक्जेंडर ने दुनिया को अलविदा कह दिया। उन्होंने 78 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। पॉल को 6 साल की उम्र में पोलियो हो गया था, जिसके बाद से उन्होंने अपना पूरा जीवन लोहे के फेफड़े में रह कर बिताया। उन्हें पोलियो पॉल के नाम से भी जाना जाता है।

रमजान में खाना लेने पहुंचे फिलिस्तीनियों पर इजराइली एयरस्ट्राइक

29 की मौत, हूतियों की कैद में 25 क्रू मेंबर्स, रिहाई का फैसला हमास करेगा

गाजा, 15 मार्च (एजेंसियां)। गाजा के अल-नुसीरत कैंप के पास बने एड डिस्ट्रिब्यूशन सेंटर (सहायता वितरण केंद्र) पर इजराइल ने एयरस्ट्राइक कर दी। इस दौरान 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं, नॉर्थ गाजा के एक एड पॉइंट पर खाना लेने पहुंचे फिलिस्तीनियों पर इजराइली सैनिकों ने गोली चला दी। इस दौरान 21 लोग मारे गए। रॉयटर्स के मुताबिक, दोनों हमलों में कुल 29 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। इधर, 19 नवंबर को हूती विद्रोहियों ने कार्गो शिप गैलेक्सी लीडर को हाईजैक किया था। इसके 25 क्रू मेंबर्स को बंधक बनाया था। अब हूतियों का कहना है कि इन बंधकों की जिंदगी हमास के हाथ में है। दरअसल, इजराइल-हमास जंग के बीच फिलिस्तीनियों के समर्थन में हूती विद्रोही लगातार लाल सागर और अरब सागर में जहाजों पर हमला कर रहे हैं। अमेरिकी मीडिया सीएनएन के मुताबिक, हाईजैकिंग के 116 दिन बाद भी 25 क्रू मेंबर्स (17 फिलीपींस, 2 बुल्गारिया, 3 यूक्रेन, 2 मेक्सिको, एक रोमानिया) के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। फिलीपींस के अधिकारी का मानना है कि क्रू मेंबर्स को तब तक रिहा नहीं किया जाएगा जब तक इजराइल-हमास जंग खत्म नहीं होती। हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से एक कार्गो शिप गैलेक्सी लीडर को हाइजैक कर लिया था। ये जहाज तुर्किये से भारत आ रहा था। हूती विद्रोहियों ने इसे इजराइली जहाज समझ कर हाइजैक किया था। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के मुताबिक, जहाज पर बहामास का झंडा लगा था। यह ब्रिटिश कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड है। इजराइली कारोबारी अब्राहम उंगर इसके आंशिक हिस्सेदार हैं। फिलहाल यह एक जापानी कंपनी को लीज पर दिया गया था। सीएनएन के मुताबिक, फिलीपींस के विदेश मामलों के अधिकारी एडुआर्डो डी वेगा ने कहा- हम जब भी हूती विद्रोहियों से क्रू मेंबर्स की रिहाई के लिए बात करते हैं तो उनका जवाब होता है कि शिप उनके कब्जे में ही रहेगी। क्रू मेंबर्स को तब तक आजादी नहीं देंगे जब तक गाजा पर हो रहे हमले नहीं रुक जाते। 14 मार्च को हूतियों ने कहा कि गैलेक्सी लीडर के क्रू मेंबर्स की रिहाई हमास ही तय करेगा। हूतियों के प्रवक्ता नस्र अल-दीन आमेर ने कहा- शिप और क्रू मेंबर्स के बारे में जो फैसला होगा वो अल-कासिम ब्रिगेड के लड़ाके करेंगे। फिलहाल इस पर हमास से हमारी चर्चा नहीं हुई है। हमास की बेहद क्रूर मानी जाने वाली मिलिट्री विंग अल-कासिम ब्रिगेड ने इजराइल पर हमला किया था।

पृथ्वी के वातावरण में दाखिल होते हुए 'गुम' हुआ स्टारशिप

मस्क बोले- ये मानवता को मंगल पर लेकर जाएगा

वॉशिंगटन, 15 मार्च (एजेंसियां)। दिग्गज कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दरअसल स्पेसएक्स के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का तीसरा परीक्षण लगभग सफल रहा। हालांकि परीक्षण के दौरान स्टारशिप जब अंतरिक्ष की उड़ान भरने के बाद वापस पृथ्वी के वातावरण में दाखिल हो रहा था, उस दौरान स्टारशिप का संपर्क टूट गया। परीक्षण की सफलता पर एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर लिखा कि स्टारशिप,मानवता को मंगल ग्रह पर लेकर जाएगा।

स्पेसएक्स के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप ने गुरुवार को टेक्सास स्थित कंपनी के स्टारबेस बोका चिका से सुबह स्थानीय समय अनुसार, करीब 8.25 बजे उड़ान भरी। इस उड़ान का लाइव वेबकास्ट भी किया गया, जिसे सोशल मीडिया पर करोड़ों लोगों ने देखा। परीक्षण के दौरान सबकुछ ठीक रहा, सिर्फ पृथ्वी के वातावरण में फिर से एंट्री के दौरान रॉकेट से कंट्रोल रूम का संपर्क टूट गया। यह संपर्क उस वक्त टूटा, जब स्टारशिप हिंद महासागर के ऊपर था। हालांकि रॉकेट समुद्र में लैंड करने में सफल रहा। स्पेसएक्स का रॉकेट स्टारशिप दुनिया का सबसे ताकतवर रॉकेट है, जिसकी लंबाई 397 फीट है और इसमें सुपर हैवी बूस्टर लगे हैं, जो 16.7 मिलियन पाउंड का थ्रस्ट पैदा करते हैं। नासा का स्पेस लॉन्च सिस्टम दुनिया का दूसरा सबसे ताकतवर रॉकेट है, लेकिन यह भी स्टारशिप की तुलना में आधा ही थ्रस्ट पैदा करता है। हालांकि स्टारशिप अभी प्रोटोटाइप स्टेज में ही है और नासा का रॉकेट सर्टिफाइड है और संचालन में है।

एलजीबीटी क्लब के दरवाजे पर अमेरिकी अधिकारी ने पहले पेशाब की फिर कर्मियों से मारपीट

विवाद बढ़ा तो दिया इस्तीफा

वॉशिंगटन, 15 मार्च (एजेंसियां)। दुनियाभर में एलजीबीटी समुदाय के लोग अपने-अपने हक और सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। तमाम कोशिशों के बाद भी यह सामान्य लोगों की तरह जिंदगी नहीं बिता पा रहे हैं। इस बीच, अमेरिका में एलजीबीटी समुदाय के क्लब से जुड़े मामले ने तूल पकड़ लिया है।दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स को एलजीबीटी के नाइट क्लब के दरवाजे पर पेशाब करते हुए देखा जा सकता है।

वीडियो में कथित तौर पर दक्षिण कैलिफोर्निया के काउंसिल सदस्य क्रिस किलपैट्रिक को लॉस एंजिल्स में एक एलजीबीटी नाइट क्लब के दरवाजे पर पेशाब करते हुए और फिर क्लब के प्रबंधक के साथ मारपीट करते हुए दिख रहे हैं। बढ़ते विवाद को देखते हुए क्रिस ने इस्तीफा दे दिया है। इस वीडियो को नाइट क्लब प्रीसिंक्ट ने इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इसमें देखा जा सकता है कि रविवार सुबह क्लब के दरवाजे पर दो लोग आए और पेशाब करने लगे। प्रीसिंक्ट ने एलजीबीटी समुदाय के लिए एक सुरक्षित स्थान के रूप में अपनी भूमिका पर जोर दिया और दोनों पुरुषों की निंदा की। क्लब ने कहा, दो लड़के बार में आए। बीते शनिवार की रात इन दो लोगों ने सभी को यह दिखाने का फैसला किया कि प्रीसिंक्ट में क्या नहीं करना है। वह पहले शराब से भरे ग्लास को लेकर बाहर गए। उसके बाद कर्मचारियों के प्रवेश करने वाले दरवाजे पर पेशाब की।

जब एक कर्मचारी ने यह सब देखा तो उनसे ग्लास लेने की कोशिश की। लेकिन इनमें से एक ने कर्मचारी को पीट दिया और उसे जमीन पर धकेल दिया। क्लब सबके लिए सुरक्षित है।

जितेंद्र सिंह ने कहा इलेक्टोरल बॉन्ड बड़ा घोटाला

महाराष्ट्र में सुरंग बनाने का साढ़े 14 हजार करोड़ का टेंडर देकर बीजेपी ने 966 करोड़ बांड में लिए

अलवर, 15 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि देश में इलेक्टॉरेल बाँड के नाम से बड़ा घोटाला हुआ है। जिसका अब कोर्ट के जरिए खुलासा भी हो गया। मुझे लगता है दुनिया का बड़ा स्कैम है। इसमें लूट, डकैती व एक्सटॉर्शन किया गया है। जैसे महाराष्ट्र में एक सुरंग बनाने के लिए कंपनी को सोढ़ 14 हजार करोड़ का टेंडर दिया है। तीसरे दिन 966 करोड़ रुपए इलेटॉरल बांड का पैसा बीजेपी के बैंक में जमा करा दिया गया। दूसरा जहां ईडी पहुंचती है। वहां तीन दिन में पैसा जमा हो जाता है और फिर ईडी वापस नहीं आती है। यह देश के ऊपर बड़ा धब्बा लगा है। विश्व का मीडिया थू थू करने लगा है। इस चुनाव में जनता जवाब देगी। जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में यह सब कहा। कुछ सवाल-जवाब में जानिए कैसे बताया घोटाला। मीडिया से बातचीत में भी जितेंद्र सिंह ने इलेक्टोरेल बॉन्ड को बड़ा घोटाला

बताया है। वहीं कांग्रेस पार्टी के ललित यादव को सबसे बेहतर प्रत्याशी बताया। यह भी कहा कि बीजेपी के प्रत्याशी को राजगढ़ूर, रैणी, लक्ष्मणगढ़, जैसे अनेक जगहों का पता तक नहीं है। वे जीपीएस के जरिए पहुंच रहे हैं। देखिए जांच एजेंसी ईडी, सीबीआई सब बीजेपी के नेताओं की जेब में हैं। ये एजेंसियां तो कार्यकर्ता के रूप में काम करने में लगी है। अभी आपने देखा इलेक्शन कमिश्नर को रिजाइन करा दिया। जिसे चाहे उसे बना देते हैं। कितनों को एक्टेंशन दे रखी हैं। आईएएस अफसरों में दर्द है। रिटायर होने के बाद एक्सटेंशन दे देते हैं।

देखिए, पैसे से चुनाव नहीं जीता जाता। पैसे से चुनाव जीतते को अडानी व अंबानी जैसे उद्योगपति चुनाव जीतते। चुनाव जनता जिताती है। अब नारा लग गया है कि बाहरी भगाओ स्थानीय को लाओ। जो अलवर का विकास, कांग्रेस विचाराधारा के नहीं है वे जा सकते हैं। उनका सबका स्वागत है। वे सब स्वार्थवश जाने में लगे हैं। उनका अपना स्वार्थ होगा। तभी गए हैं। जो जाना चाहे जा सकते हैं। एक तरह से हमारे यहां छंटनी हो रही है। उससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। वोट जनता देती है। नेता अपने फायदे के लिए गए हैं। यह बात भी जनता को समझ आ गई है।मैं ही नहीं, पूरी जनता महसूस कर रही है। देश की सबसे बड़ी चिरंजीवी योजना, अन्नपूर्णा योजना बंद कर दी। आगे लोकसभा के चुनाव होते ही बची हुई योजनाएं भी बंद हो जाएंगी। मतलब इनको गरीब, किसान व आमजन से मतलब नहीं है। देखिए, जितेंद्र सिंह को कांग्रेस पार्टी ने बहुत कुछ दिया है। मुझे, एमएलएल, सांसद व मंत्री बनाया। अब एआईसीसी का महासचिव बनाया है। पार्टी के निर्देश पर काम करूंगा। पार्टी ने जो दिया है उससे संतुष्ट दिया है। आगे भी जो फैसला हाईकमान करेगा। उसे मानूंगा।

ललित यादव के बारे में पार्टी ने उनके संघर्ष को महसूस किया है। ललित यादव जनता के साथ लगे रहते हैं। रोजगार दिलाने के नाम पर आंदोलन किया है।

मोबाइल-टॉवर, टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन करने वालों को होगी जेल

जयपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। अपनी मांगे मनवाने के लिए मोबाइल टॉवर, पानी की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन करने वालों की अब खैर नहीं। ऐसे प्रदर्शनकारियों पर सरकार अब गैर जमानती धाराओं में मुकदमे दर्ज करवा सकती है।

इस तरह का प्रदर्शन करने वालों पर सरकार राजकार्य में बाधा, राजकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत अन्य बड़ी धाराओं में मुकदमे दर्ज करवा सकती है। इस संबंध में हाल ही में शाहपुरा कलेक्टर ने एक आदेश जारी करके पुलिस अधीक्षक के अलावा सभी तहसीलदारों, उपखण्ड अधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है। शाहपुरा कलेक्टर राजेन्द्र सिंह शेखावत की ओर से जारी आदेशों में हवाला दिया कि पानी की टंकी, मोबाइल टॉवर जन सुविधाओं के लिए बनाए गए है। कुछ व्यक्ति अपनी अवांछित मांगों को लेकर इन पर चढ़कर अगर प्रदर्शन करते है तो उनके खिलाफ कार्यवाही अमल में नहीं लाई जाती।

ब्लैकमेलिंग से परेशान 10वीं के छात्र ने की आत्महत्या

सुसाइड नोट लिखकर फंदे पर लटका, लड़की के साथ फोटो एडिट कर परेशान कर रहे थे बदमाश

धौलपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। शहर की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहने वाले 10वीं क्लास के एक छात्र ने रात को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले छात्र ने सुसाइड नोट लिखकर कुछ लोगों पर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया है। छात्र के परिजनों के मुताबिक कुछ लोग वर्ष 2022 से छात्र का फोटो लड़की के साथ ऐडिट कर ब्लैकमेल कर रहे थे। जिसको लेकर पूर्व में भी पुलिस से शिकायत की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिला अस्पताल में शव को पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

10वीं क्लास के छात्र शुभम मीणा (15) के पिता धौलपुर पुलिस में कॉन्स्टेबल ड्राइवर के पद पर तैनात है। छात्र के पिता रामनाथ मीणा ने बताया कि उनके बेटे को कुछ लोग वर्ष 2022 से लड़की के साथ फोटो एडिट कर ब्लैकमेल कर रहे थे। जिसकी एवज में आरोपियों ने उनके बेटे से करीब 70 हजार रुपए भी ले लिए थे। जिस मामले को लेकर तत्कालीन समय में कोतवाली थाने में शिकायत भी दी गई, लेकिन उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद एक बार फिर से ब्लैकमेलर ने उनके बेटे को परेशान करना शुरू कर दिया। जिसके बाद आरोपियों ने 13 मार्च को उनका बेटा घर में अकेला था तो उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हुए घर में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जिसमें ब्लैकमेल करने वाले आरोपी 37 हजार रुपए की नगदी सहित करीब 5 लाख रुपए के गहने चुरा कर ले गए। जब बच्चे के माता-पिता घर लौटे तो उन्हें बेटे ने ब्लैकमेलरों द्वारा चोरी किए जाने की जानकारी दी। जिसकी शिकायत कोतवाली पुलिस को फिर से दी गई। जिससे आहत होकर देर रात 1:30 बजे छात्र ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र द्वारा मौके पर एक सुसाइड नोट लिखा गया है। जिस सुसाइड नोट में छात्र ने ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात स्वीकार की है। मृतक छात्र हाउसिंग बोर्ड स्थित एक निजी स्कूल का छात्र था। जो ब्लैकमेलिंग के चलते मानसिक तनाव में चल रहा था।

शनिवार को देना था छात्र को पेपर

मृतक छात्र के पिता रामनाथ ने बताया कि उनके बेटे के 10वीं क्लास के बोर्ड के एग्जाम चल रहे थे। जिसको लेकर वह अपने कमरे में तैयारी करता था। उन्होंने बताया कि शनिवार को उनके बेटे का बोर्ड का पेपर होना था। वह अपने कमरे में अकेला था। जहां उसने सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या कर ली। रात को जब छात्र की मां उसे कमरे में देखने गई तो उन्हें छात्र फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। जिस आत्महत्या के लिए उसने खुद के साथ हो रही ब्लैकमेलिंग को जिम्मेदार ठहराया है।

शादी के हफ्ते भर बाद जेवरात और नकदी लेकर भागी लुटेरी दुल्हन

फोन पर 50 हजार और देने की मांग की

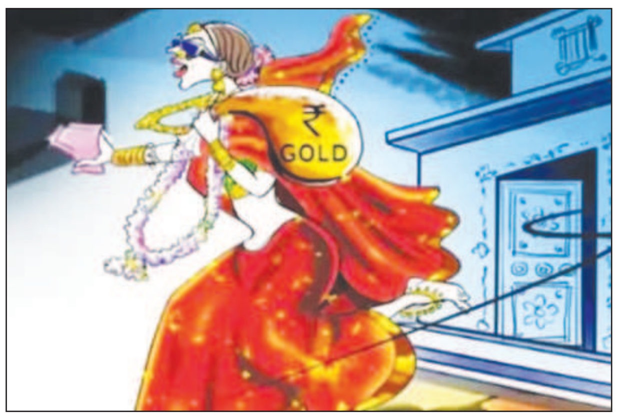

जयपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। चाकसू थाना इलाके में शादी के 8 दिन बाद ही नई नवेली दुल्हन रिश्तेदार बनकर आए युवक के साथ ससुराल से भाग गई और साथ में गहने और नकद राशि भी लूट ले गई। इसके बाद पति को झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 50 हजार रुपए की और मिंाड की। जांच अधिकारी एएसआई मनमोहन ने बताया कि वार्ड नंबर-4 चाकसू निवासी 42 वर्षीय दूल्हे ने मामला दर्ज करवाया है कि बीती 15 फरवरी को उसके पड़ोसी राकेश ने बातचीत के दौरान उसकी दूसरी शादी करवाने की बात कही। उसने बिहार निवासी नंदती से शादी करवाने की एवज में 3.70 लाख रुपए की मांग की और सौदा तय होने पर 20 फरवरी को शादी करवा दी। शादी के बाद 8 दिन तक ससुराल में रहने के दौरान 29 फरवरी की सुबह एक व्यक्ति उसके घर आया और पूछने पर दुल्हन का रिश्तेदार होना बताया।

नई नवेली पत्नी ने रिश्तेदार को नाश्ता करवाने के लिए पति को नाश्ता लेने बाहर भेज दिया और पीछे से अपने रिश्तेदार के साथ मिलकर अलमारी में रखे सोने-चांदी के गहने और 55 हजार रुपये नकद चोरी करके फरार हो गई। नाश्ता लेकर लौटे पति को घर आकर पता चला कि उसकी पत्नी अपने रिश्तेदार के साथ घर लूटकर फरार हो गई है। बार-बार फोन करने पर भी पत्नी ने मोबाइल नहीं उठाया। बाद में लूटेरी दुल्हन ने गहने और कैश लौटाने की बजाय पति को कॉल करके 50 हजार रुपये की और देने की मांग की और रुपये नहीं देने पर उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी दी।

किडनैप, हत्या के प्रयास का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

4 महीने से था फरार; पहले पकड़े जा चुके 2 बदमाश

टोंक, 15 मार्च (एजेंसियां)। टोंक की सोप थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए किडनैप और हत्या के प्रयास के मामले में करीब 4 महीने से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। बदमाश को कोटड़ी मोड़ से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को उनियारा कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 2 दिन के रिमांड पर सौंपा है। इस मामले में 2 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। सोप थाना अधिकारी राजेश तिवाडी ने बताया है कि 11 नवंबर 2023 को चाणदा खुर्द निवासी जनकराज पुत्र रामकिशन मीणा ने रिपोर्ट दी थी कि श्योदानपुरा के मनीष पुत्र राजाराम मीना व 5-6 अन्य जनों ने मिलकर उसके दोस्त राजेश पुत्र धन्नालाल मीणा को किडनैप कर ले गए थे। बाद में धारदार हथियार चाकू आदि से हमला कर राजेश की हत्या करने का प्रयास किया गया और उसे छोड़कर फरार हो गए।

राजस्थान में पेट्रोल-डीजल 7 रुपए तक हुआ सस्ता

श्रीगंगानगर में सबसे बड़ी राहत, जयपुर में पेट्रोल 104 रुपए 86 पैसे प्रति लीटर

जयपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर 2 प्रतिशत वैट कम किया है। केंद्र सरकार ने भी पेट्रोल और डीजल 2 रुपए प्रति लीटर सस्ता कर दिया है। इसके बाद राजस्थान में प्रति लीटर पेट्रोल और डीजल 3 रुपए से लेकर 7 रुपए तक सस्ता हुआ है। पेट्रोल की कीमत सबसे ज्यादा 7.16 रुपए प्रति लीटर श्रीगंगानगर में कम की गई है। शुक्रवार सुबह से प्रदेशभर में नई कीमतें लागू हो गईं। जयपुर में अब एक लीटर पेट्रोल 104 रुपए 86 पैसे और डीजल 90 रुपए 37 पैसे में मिल रहा है।

दरअसल, गुरुवार रात सीएम भजनलाल शर्मा की कैबिनेट की दूसरी बैठक में पेट्रोल डीजल के दाम कम करने का फैसला लिया गया है। ऐसे में अब राजस्थान में 31.04 प्रतिशत की जगह 29.04 प्रतिशत वैट लगेगा। पेट्रोलियम पंप डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने बताया कि देश में राजस्थान में सबसे महंगा पेट्रोल और डीजल बिक रहा था।

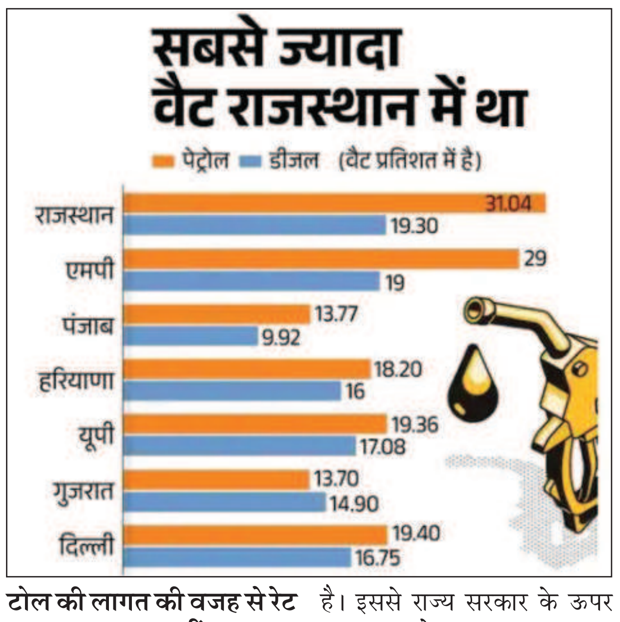

टोल की लागत की वजह से रेट समान नहीं

अभी तक राजस्थान के अलग-अलग शहरों में पेट्रोल-डीजल के रेट अलग-अलग थे, उस विसंगति को भी सरकार ने दूर कर दिया है, अब हर जिले में एक ही रेट होगा। हालांकि टोक की लागत की वजह से पेट्रोल की रेट एक समान नहीं है। इससे राज्य सरकार के ऊपर 1500 करोड़ रुपए का भार आएगा। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने बताया कि जिलों की दूरी के अनुसार पेट्रोल पंप संचालकों से टोल भी वसूला जाता है। ऐसे में टोल की लागत की वजह से फिलहाल प्रत्येक जिले में पेट्रोल की रेट एक समान नहीं हैं। बता दें कि 10 और 11 मार्च को ही प्रदेश में वैट कम करने की मांग को लेकर पेट्रोल डीलर्स ने हड़ताल की थी। साथ ही सरकार को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया था। वहीं इससे पहले पिछले साल सितंबर में प्रदेशभर के पेट्रोल पंप बंद थे।

राजस्थान के पड़ोसी राज्य गुजरात, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में दरें काफी कम हैं। पेट्रोल जहां 16 रुपए तक तो डीजल 11 रुपए तक सस्ता मिल रहा था। पंजाब से तुलना करें तो पंजाब बॉर्डर से सटे राजस्थान के जिलों में पेट्रोल की कीमत में 13 से 16 रुपए और डीजल में 8 से 11 रुपए तक का अंतर था। हरियाणा की तुलना में पेट्रोल की कीमत 12 से 13.50 रुपए और डीजल में 4 से 5.50 रुपए तक का अंतर था। यूपी की तुलना में पेट्रोल में 11 से 12.70 रुपए और डीजल में 3 से 5 रुपए तक का अंतर था। गुजरात की तुलना में पेट्रोल पर 12 से 14 रुपए और डीजल की कीमतों में 2 से 3.5 रुपए प्रति लीटर तक का अंतर था।

पाली में फर्जी बैंक अकाउंट बेचने वाली गैंग पकड़ी

रुपयों का लालच देकर खरीदते थे गरीबों से खाता, फिर हैकर करता करोड़ों का लेन-देन

पाली, 15 मार्च (एजेंसियां)। पाली में जरूरतमंदों से बैंक अकाउंट खरीदकर उसे हैकर और साइबर ठगों को बेचने वाली गैंग का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो हैकरों को बैंक अकाउंट मुहैया करवाते और इसकी एवज में हैकर से रकम प्राप्त करते।

इसके बाद इन खातों से साइबर ठग लेन-देन करते और जब पुलिस ठग को गिरफ्तार करने पहुंचती तो नियम के अनुसार खाते से होने वाले अपराध के लिए मूल खाता धारक ही गिरफ्तार होता। एसपी चूनाराम जाट ने बताया कि मामला औद्योगिक थाना क्षेत्र का है, जहां गरीबों से बैंक अकाउंट खरीदे भी गए है। आरोपियों ने अकेले पाली जिले में ही 50 से ज्यादा वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस का कहना है कि वारदातों में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। देशभर में ऐसी वारदातों की संख्या होने की आशंका है।

फर्जी कॉलसेंटर के जरिए गरीबों को फंसाते

एसपी चूनाराम जाट ने बताया- 13 मार्च को औद्योगिक थाने की एसएचओ पाना चौधरी को सूचना मिली कि भगवती विहार में एक मकान में कुछ लड़के फर्जी कॉल सेंटर चला कर फर्जी बैंक अकाउंट

खुलवा रहे है। इसके बाद थाने के उपनिरीक्षक भंवरलाल मय साइबर थाना टीम को मौके पर भेजा। इस दौरान पुलिस ने औद्योगिक थाना क्षेत्र के सोसायटी नगर निवासी 41 साल के श्रवण कुमार पुत्र जगदीश कुमार और भगवती विहार निवासी अविषेक बीके(35) पुत्र धीरज बीके को गिरफ्तार किया। अविषेक नेपाल के किम सुनर्या (बैतड़ी नगर पालिका) पाटन का मूल निवासी है।

आरोपियों के कब्जे से कई मोबाइल फोन, सिम कार्ड, अलग-अलग बैंकों की डायरियां, फर्जी व्यापारिक प्रतिष्ठान की रबर स्टांप, बैनर, घी के डिब्बे, नमकीन, खाली कार्टून आदि बरामद किए। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि इस सामग्री का उपयोग वे साइबर फ्रॉड के लिए करते थे।

अकाउंट खुलवाने की एवज में देते 30 हजार

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी गरीबों को बैंक अकाउंट खुलवाने की एवज में 10 से 30 हजार रुपए का लालच देते थे और फिर उनके दस्तावेजों में बदलाव कर अकाउंट में फोन नंबर बदलवा देते। इसके बाद पुलिस जब आरोपियों को खोजती तो गरीब व्यक्ति ही पकड़ में आते। पुलिस ने बताया कि पाली में संभवतः पहली बार ऐसी गैंग पकड़ी गई है।

जीएसटी टीम ने पकड़ी फर्जी फर्म

झुंझुनूं, 15 मार्च (एजेंसियां)। फर्जी दस्तावेज से फर्जी फर्म बनाकर जीएसटी क्रेडिट इनपुट के फर्जीवाड़े के खेल का झुंझुनूं में स्टेट जीएसटी टीम ने खुलासा किया है। इस फर्जी फर्म ने दो माह में 1 करोड़ 89 लाख का फर्जी टर्नओवर दिखा 52 लाख का बोगस क्रेडिट इनपुट दिया है। इस एड्रेस पर इस फर्म को दिखाया गया, वहां स्टेट जीएसटी टीम को कुछ नहीं मिला। स्टेट जीएसटी टीम ने पोर्टल पर जांच की। जांच में पाया कि धनुरी इमरान ट्रेंडिंग कम्पनी रजिस्टर्ड है।

दहेज के लिए पत्नी को जहर देकर मारने वाले पति को 10 साल की जेल

साढ़े 12 साल बाद आया फैसला

दौसा, 15 मार्च (एजेंसियां)। दौसा के बांदीकुई में दहेज हत्या को लेकर 12 साल बाद आए फैसले में सास-ससुर सहित पति और देवर को जेल की सजा सुनाई गई है। मामला 2011 का है, जब आरोपी नितिन ने अपनी पत्नी प्रीति को दहेज में कार नहीं लाने के चलते परिवार के लोगों के साथ मिलकर जहर देकर उसकी हत्या कर दी थी। अपर जिला एवं सेशन न्यायालय नं 2 बांदीकुई ने इस मामले में गुरुवार को फैसला सुनाते हुए आरोपियों को जेल की सजा सुनाई है।

अपर लोक अभियोजक राजेश भड़ाना ने बताया कि 7 अक्टूबर 2011 को परिवादी अनिल कुमार शर्मा, निवासी सिरसागंज, फिरोजाबाद ने पुलिस थाना बांदीकुई में एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी बेटी प्रीति की शादी 6 मई 2011 को नितिन कुमार शर्मा, निवासी नंदगांव, बांदीकुई के साथ संपन्न हुई थी। शादी में करीब 10 लाख रुपए खर्च करने के बावजूद शादी के बाद पति नितिन, सास पूनम, ससुर राजकुमार व देवर सचिन ने दहेज में कार नहीं दिए जाने के कारण प्रीति के साथ मारपीट करते थे। इसी के चलते उन्होंने 7 अक्टूबर 2011 को प्रीति को जहरीला पदार्थ खिलाकर उसकी हत्या कर दी थी। इस रिपोर्ट पर तफ्तीश अधिकारी ने चारों मुलजिमों के विरुद्ध दहेज की मांग करने व दहेज हत्या का जुर्म साबित मानकर न्यायालय में चार्जशीट पेश की थी। जिस पर आज न्यायालय अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश द्वितीय सुनील कुमार गुप्ता ने आरोपी नितिन शर्मा को दहेज हत्या में 10 वर्ष का कारावास तथा सास पूनम शर्मा, ससुर राजकुमार शर्मा, पति नितिन व देवर सचिन को दहेज की मांग करने के जुर्म में 3 वर्ष की सजा व 5 हजार जुर्माना लगाकर फैसला सुनाया।

18 साल पुराने मामले में गवाही देने पहुंचे एडीजी

29 नोटिस-अरेस्ट वारंट हुए जारी; कॉन्स्टेबल ट्रैप में अभियोजन स्वीकृति दी थी

भरतपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के नदबई थाना इलाके में साल 2006 में ट्रैप हुए कॉन्स्टेबल के मामले को लेकर एडीजी आनंद श्रीवास्तव गवाही देने के लिए एसीबी कोर्ट पहुंचे। जब कॉन्स्टेबल ट्रैप हुआ था तब आनंद श्रीवास्तव भरतपुर एसपी थे। उन्होंने ही कॉन्स्टेबल के खिलाफ जांच की स्वीकृति दी थी। मामले की गवाही के लिए कोर्ट ने एडीजी आनंद श्रीवास्तव को 29 नोटिस दिए। लेकिन वे नहीं आए। कोर्ट ने उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट भी जारी किया। इससे पहले एडीजी आनंद श्रीवास्तव 25 जनवरी 2024 को गवाही देने पहुंचे तो कोर्ट ने उनकी गवाही नहीं ली। क्योंकि एडीजी बिना सूचना दिए कोर्ट में बयान के लिए पहुंच गए थे।

क्या है मामला : 2006 में नदबई थाने पर तैनात कॉन्स्टेबल धर्म सिंह को एसीबी ने रिश्वत लेते ट्रैप किया था। इस दौरान एडीजी आनंद श्रीवास्तव भरतपुर एसपी थे। उन्होंने कॉन्स्टेबल के खिलाफ जांच के लिए अभियोजन स्वीकृति दी थी। अभियोजन स्वीकृति की गवाही के लिए कोर्ट ने एडीजी आनंद श्रीवास्तव को साल 2019 से लेकर 2024 तक 29 नोटिस भेजे गए।

अवैध हथियार फैक्ट्री पर डीएसटी ने छापा मारा

एक आरोपी समेत भारी तादाद में हथियारों का जखीरा बरामद

धौलपुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। पुलिस की डीएसटी टीम ने शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बाड़ी थाना क्षेत्र के कचेलपुरा गांव में अवैध हथियारों की फैक्ट्री पर छापा मारकर भारी तादाद में हथियारों का जखीरा बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में हथियार तस्करी के बड़े मामले खुल सकते हैं।

पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि जयपुर पुलिस मुख्यालय एवं आईजी भरतपुर रेंज राहुल प्रकाश के निर्देशन में वांछित अपराधी एवं अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए सात दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया गुरुवार रात को डीएसटी टीम प्रभारी योगेश तिवारी को मुखबिर के जरिये से सूचना प्राप्त हुई थी कि बाड़ी कोतवाली थाना क्षेत्र के गांव कचेलपुरा में जयवीर पुत्र सरनाम के पशुबाड़े में हथियार बनाने की अवैध फैक्ट्री संचालित की जा रही है। एसपी ने बताया मुखबिर की सटीक पर डीएसटी टीम एवं बाड़ी कोतवाली थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कचेलपुरा गांव पहुंचकर जयवीर के पशुबाड़े में छापेमारी की और मौके से फैक्ट्री संचालक 41 वर्षीय विनोद कुमार पुत्र सुनहरी लाल, निवासी एटा, उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इस हथियार फैक्ट्री से पुलिस ने भारी तादाद में हथियारों समेत अन्य औजार बरामद किए हैं। आरोपी विनोद कुमार को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है, वहीं फैक्ट्री संचालित करा रहा मकान मालिक जयवीर मौके से फरार हो गया है, जिसके संभावित ठिकानों पर पुलिस दबिश दे रही है। एसपी ने बताया आरोपी को शीघ्र ही गिरफ्तार कर मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हथियार तस्करी के होंगे बड़े खुलासे

पुलिस अधीक्षक ब्रजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया हथियार फैक्ट्री संचालक विनोद कुमार से पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। इस अनुसंधान में हथियार तस्करी के और भी बड़े मामले खुल सकते हैं। प्रारंभिक जांच में ज्ञात हुआ है कि गिरफ्तार किया गया हथियार तस्कर धौलपुर समेत मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश में बदमाशों को हथियार सप्लाई करता था। जांच के बाद सभी बदमाशों को चिन्हित किया जाएगा।

प्रशिक्षु आईएएस के समूह ने जीएचएमसी का दौरा किया

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज ने कहा कि हैदराबाद शहर के विकास के लिए योजना के अनुसार कदम उठाए जा रहे हैं। छह राज्यों के प्रशिक्षु आईएएस ने सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करने के लिए जीएचएमसी का दौरा किया। मसूरी में प्रशिक्षण ले रहे हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और उत्तराखंड राज्यों के 16 आईएएस दो दिवसीय दौरे के तहत शुक्रवार को जीएचएमसी पहुंचे। आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने जीएचएमसी मुख्यालय, पनवार हॉल में एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्हें जीएचएमसी की सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जानकारी दी। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सी एंड डी अपशिष्ट प्रसंस्करण, कचरा संग्रहण, जीवीपी, उन्मूलन, एसएनडीपी, एसआरडीपी, टाउन प्लानिंग, हाउस बिल्डिंग परमिट, यूबीडी हरियाली के माध्यम से, मॉडल ग्रेव यार्ड, बहुउद्देशीय समारोह हॉल, मॉडल बाजार, फ्लाई ओवर ब्रिज, स्ट्रीट लाइटिंग, यातायात सिग्नल, झीलों का विकास, पीएम स्वनिधि, एकीकृत शिकायत प्रणाली, अपशिष्ट पुनर्चक्रण, शहर के नागरिकों के लिए सेवाएं, हरियाली, धन उगाही, स्वच्छता ऊपर बताई गई है। इस मौके पर कमिश्नर रोनाल्ड रोज ने कहा कि हैदराबाद शहर के विकास के साथ-साथ स्वच्छता प्रबंधन, हरियाली बढ़ाने, टाउन प्लानिंग और इसे स्वच्छ और हरा-भरा शहर बनाने की दिशा में उठाए गए कदम रंग ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर दिन 4500 स्वच्छ ऑटो शहर के हर घर से कचरा इकट्ठा करेंगे और हर दिन 7500 मीट्रिक टन कचरा इकट्ठा करके जवाहर नगर डंप यार्ड में ले जाया जाएगा और उससे वर्मीकम्पोस्ट बनाया जाएगा। बताया गया कि निर्माण अपशिष्ट (सीएंडडी) संयंत्र स्थापित किए गए हैं और हर दिन 1500 मीट्रिक टन सीएंडडी एकत्र किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शहर के विकास के लिए राज्य सरकार की मदद से फ्लाईओवर, सड़कें, अन्य बुनियादी ढांचे और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी में 6 जोन और 30 सर्कल हैं, विशेष रूप से जीएचएमसी की आय के स्रोत बिल्डिंग परमिट, हाउस टैक्स, विज्ञापन और ट्रेड लाइसेंस के माध्यम से उत्पन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी में स्वच्छता कार्यों के प्रबंधन के लिए विभिन्न श्रेणियों के लगभग 22 हजार कर्मचारी हैं और उन्हें मुफ्त स्वास्थ्य जांच, ईएसआई, ईपीआई और बीमा सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने नाला के विकास के लिए किये गये उपायों के बारे में बताया ताकि लोगों को बारिश और बाढ़ से परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी में एक आपदा प्रतिक्रिया बल स्थापित किया गया है, जो बाढ़, आग, तेज हवाओं से पेड़ उखड़ने, इमारतों के ढहने और अन्य आपात स्थितियों के दौरान प्रवर्तन, सतर्कता और आपदा प्रबंधन सेवाएं प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि सरकार लोगों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, बस्ती दवाखानों के माध्यम से सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करना, खाद्य सुरक्षा और सड़कों के रखरखाव पर उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी पांच रुपये भोजन योजना चला रही है और हर दिन 30,000 भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्हें समझाया गया कि बजट का 10 प्रतिशत हिस्सा ग्रीन बजट के रूप में आवंटित किया जाएगा और इस धन का उपयोग पार्कों और हरियाली के रखरखाव के लिए किया जाएगा। इस मौके पर आयुक्त ने प्रशिक्षु आईएएस को उनके द्वारा पूछे गये विभिन्न मुद्दों के बारे में बताया।

शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए समिति गठित

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राज्य में सेवारत शिक्षकों की समस्याओं और सेवारत शिक्षक संघों के प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए अनुरोधों की जांच और समाधान के लिए तीन सदस्यों वाली एक समिति गठित करने का निर्णय लिया है। राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष चिन्नारेड्डी के नेतृत्व में जेएसी अध्यक्ष, सेवानिवृत्त प्रोफेसर कोदंडराम और आईएएस अधिकारी दिव्या को सदस्य नियुक्त किया गया। इसी महीने की 10 तारीख को मुख्यमंत्री ने एमसीएच आरडी में राज्य के विभिन्न कार्यरत शिक्षक संघों के साथ विशेष बैठक की थी। उस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यूनियनों के प्रतिनिधियों द्वारा की गई सभी अपीलों पर विचार करने और कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने का वादा किया। इनकी जांच करने और संभावित समाधान सुझाने की जिम्मेदारी तीन सदस्यीय समिति को सौंपी गई है। समिति को ट्रेड यूनियनों द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं को ध्यान में रखने और समाधान के लिए सुझावों के साथ एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस आयोजित

हैदराबाद, 15 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। भव्य रूप से विश्व उपभोक्ता दिवस आयोजित किया गया। जिसमें प्रिंसिपल, एसएनएस अमीरपेट डॉ. ललिता कुमारी थोटा ने कहा कि, उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाने से छात्र-छात्राएं बहुत कुछ सीख सकते है।

इस संदर्भ में, बीआयएस के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, हर वर्ष 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिसमें भारतीय मानक ब्यूरो,(बीआयएस) हैदराबाद शाखा कार्यालय द्वारा सिस्टर निवेदिता स्कूल, अमीरपेट में मानक महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अपने अधिकारों के बारे में शिक्षित करना एवं उन्हें अधिकतम लाभ प्राप्त करने में सहायता करना है। साथ ही यह सुनिश्चित भी करना है कि, उनका शोषण न हो। यह उन्हें अनुचित व्यापार प्रथाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए भी शिक्षित करता है। और हमारे जीवन में आईएसआई मार्क उत्पादों का महत्व और बीआईएस केयर ऐप का उपयोग भी बताया गया है।

चूंकि इस वर्ष भारतीय मानक ब्यूरो, हैदराबाद के अधिकारियों ने समारोह स्थल के रूप में सिस्टर निवेदिता स्कूल को चुना है। जिसमें प्रिंसिपल, एसएनएस अमीरपेट डॉ. ललिता कुमारी थोटा ने सभा का स्वागत किया और इस दिन के महत्व और उपभोक्ता आंदोलन के जनक राल्फ नादर द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वरिष्ठ सामाजिक वैज्ञानिक डॉ. डब्ल्यू.जी.प्रसन्ना कुमार ने समारोह की अध्यक्षता की और उन्होने छात्रों को उत्पादों के प्रति, सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के बारे में जानकारी दी और बताया कि उपभोक्ताओं को कोई भी उत्पाद खरीदते समय कैसे सतर्क रहना चाहिए और यदि उत्पाद मानक निर्धारित मूल्य से कम है तो अपने अधिकारों का प्रयोग करना चाहिए।.

इस अवसर पर बीआईएस, हैदराबाद के प्रमुख, संयुक्त निदेशक, पी.वी. श्रीकांत, ने निर्धारित मानकों को बनाए रखने में बीआईएस द्वारा निभाई गई भूमिका के बारे में छात्रों में जागरूक किया।, संयुक्त निदेशक, बीआईएस हैदराबाद राकेश तनेरू ने विस्तृत विवरणयुक्त पीपीटी प्रस्तुत किया।

प्रथम श्रेणी सीट के लिए छात्र का लकी ड्रा द्वारा चयन

निर्मल, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभाकक्ष में लकी ड्रा के माध्यम से प्रथम श्रेणी की निःशुल्क सीट के लिए छात्र का चयन किया गया। हैदराबाद बेगमपेट पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए प्रथम श्रेणी में प्रवेश के लिए इस सीट के लिए प्राप्त 14 आवेदनों में से नौ सामने आए हैं। इस लकी ड्रा में तुराटी गांव के गद्दम तन्वी ने सीट जीती। दो और छात्रों का चयन किया गया और उन्हें प्रतीक्षा सूची में रखा गया। अपर समाहर्ता किशोर कुमार ने कहा कि सरकार से गरीब छात्रों को मिलने वाले हर अवसर का लाभ उठाना चाहिए। सीट पाने वाले छात्र इस अवसर का सदुपयोग करके और आगे बढे। सरकार एक शैक्षणिक वर्ष में एक छात्र पर एक लाख रुपये तक खर्च करती है।

इस बैठक में जिला अनुसूचित जाति कल्याण अधिकारी राजेश्वर गौड़, अधीक्षक श्रीदेवी, निर्मल एएसडब्ल्यू लता, वरिष्ठ सहायक श्रीनिवास, मेफमा पीडी सुभाष, छात्रों के माता-पिता और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा अधिकारियों की जिम्मेदारी : किशोर कुमार

निर्मल, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अपर समाहर्ता किशोर कुमार ने कहा कि ग्राहक को गुणवत्तापूर्ण सामान व सेवा तभी मिल सकती है, जब वह सवाल पूछना शुरू करेगा। उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। इस मौके पर उन्होंने बताया कि खरीदे गए सामान से संबंधित रसीद मांगना प्रत्येक उपभोक्ता का अधिकार है। उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे बिना किसी डर के सामान की गुणवत्ता संबंधी खामियों के बारे में शिकायत करें। उपभोक्ता कानूनों के बारे में जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। ठगे गए उपभोक्ताओं की शिकायतों का समाधान कर उन्हें न्याय दिलाना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि राशन सामग्री उपलब्ध कराने में राशन डीलरों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है और सुझाव दिया कि सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण राशन सामग्री उपभोक्ताओं को पारदर्शी तरीके से प्रदान की जानी चाहिए।

इस कार्यक्रम में आरडीओ रत्ना कल्याणी, सिविल सप्लाई डीएम श्रीकला, डीएसओ नंदिनी, मेपमा पीडी सुभाष, एलडीएम चंद्रशेखर, राशन डीलर, रसोई गैस एजेंसियों के डीलर, पेट्रोल स्टेशनों के मालिक, अन्य अधिकारी आदि शामिल हुए।

जनकल्याण ही सरकार का प्रमुख उद्देश्य है : सीताक्का

मंत्री ने किया गुंडी ब्रिज का अवलोकन

आसिफाबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के पंचायत राज, ग्रामीण विकास, ग्रामीण सिंचाई और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री धनासारी अनसूया सीताक्का ने दोहराया कि लोक कल्याण राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य है। मंत्री ने जिले के अधिकारियों के साथ अधूरे गुंडी पुल का निरीक्षण किया। अधिकारियों से बात की और जल्द से जल्द पुल का निर्माण कार्य शुरू करने का आदेश दिया।

उन्होंने कहा कि संयुक्त आदिलाबाद जिले में कई घुमावदार धाराएं हैं जो परिवहन सुविधाओं में कठिनाई पैदा कर रही हैं। मानसून के मौसम के दौरान, कई लोग नदियों में लापता हो जाते हैं, और यह दुखद है कि हाल ही में अंदावेल्ली धारा में एक व्यक्ति लापता हो गया। पिछली सरकारों ने आवश्यक धनराशि स्वीकृत किए बिना पुलों को रोक दिया और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा न हो।

उन्होंने कहा कि जिले में रोड फॉरेस्ट परमिट के लिए उनकी पीसीसीएफ से बात हो चुकी है और जल्द ही सारे परमिट आ जायेंगे। जन प्रतिनिधि, संबंधित विभागों के अधिकारी और अन्य लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

मवेशियों को टीकाकरण

भैंसा, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा कस्बे की गौशाला में रेबीज रोग की रोकथाम के लिए निःशुल्क टीकाकरण किया गया। इस अवसर पर विधायक पवार रामाराव पटेल ने कहा की मवेशियों को बीमारियों से बचाने के लिए हर 6 महीने में एक बार मवेशी का चेकअप करें। कार्यक्रम में जन प्रतिनिधियों, गौरक्षकों और पशु चिकित्सा अधिकारियों, कर्मचारियों सहित कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

जापानी उद्यमियों के प्रतिनिधिमंडल ने आईआईटी हैदराबाद परिसर का दौरा किया

जापानी उद्यमों में भारतीय छात्रों को काम पर रखने में रुचि दिखाई

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न एसएमई के सीईओ और अध्यक्षों सहित 26 जापानी उद्यमियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भारत के तकनीकी और उद्यमशीलता माहौल को समझने और भारत की छात्र प्रतिभा के बारे में जानकारी विकसित करने की जापानी उद्यमियों की खोज के एक भाग के रूप में आईआईटी हैदराबाद परिसर का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल को आईआईटी हैदराबाद की विभिन्न तकनीकी और अनुसंधान उपलब्धियों से परिचित कराया गया, जिसमें इसके अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और संस्थान में भारत-जापान सहयोगात्मक प्रयास शामिल हैं। उन्हें अधिक भारतीय प्रतिभाओं को नियुक्त करने के लिए प्रेरित करने के अलावा, छात्र भर्ती और इंटर्नशिप प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई। प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान में जेआईसीए फ्रेंडशिप 2.0 प्रोजेक्ट के बारे में जानने के अलावा संस्थान में स्थित सुजुकी इनोवेशन सेंटर (एसआईसी) का भी दौरा किया। संस्थान में स्थित सुजुकी इनोवेशन सेंटर (एसआईसी), सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन, जापान (एसएमसी) और आईआईटी हैदराबाद के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है, जिसे जनवरी 2022 में आईआईटीएच में स्थापित किया गया था। दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को आईआईटीएच परिसर और तिहान सहित इसकी सभी सुविधाओं का दौरा भी कराया गया। संस्थान में उपलब्ध अभूतपूर्व तकनीकी और ढांचागत प्रगति और अनुसंधान सुविधाओं को देखकर प्रतिनिधि खुश हुए। वे आईआईटी हैदराबाद के साथ जापानी सहयोग के बारे में जानकर बेहद रोमांचित हुए। जापान मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स एसोसिएशन के श्री केंटा तानी के नेतृत्व में जापानी प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट के तहत आईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रोफेसर बीएस मूर्ति से भी मुलाकात की। जापानी प्रतिनिधियों ने आईआईटीएच प्रतिनिधियों के साथ कई दौर की बातचीत की, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के डीन, प्रो. तरुण कांति पांडा, डॉ. अभिनव कुमार और अन्य वरिष्ठ शैक्षणिक और प्रशासनिक अधिकारी, जेआईसीए फ्रेंडशिप 2.0 प्रोजेक्ट के टीम लीडर, कुनितोशी सैतो, प्रो. कोटारो कटोका और कैरियर सर्विसेज कार्यालय के संकाय प्रभारी शामिल थे। दोनों पक्षों ने आपसी हितों और भविष्य में सहयोग के अवसरों के कई मुद्दों पर चर्चा की। दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल ने आईआईटीएच के विभिन्न पहलुओं में गहरी दिलचस्पी दिखाई। साथ ही, कुछ जापानी व्यवसायियों ने भर्ती या अनुसंधान सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए आने वाले दिनों में संस्थान में व्यक्तिगत यात्राओं में रुचि दिखाई। आईआईटीएच में जापान डेस्क को जारी एक बयान में प्रतिनिधिमंडल ने कहा, हमने आईआईटी हैदराबाद को देखा और जापान के साथ संबंधों की गहराई से प्रभावित हुए और अधिक जापानी प्रौद्योगिकी और नवाचार को भारत के साथ जोड़कर व्यापार विकास का विस्तार करना चाहेंगे। यहां यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि आईआईटी हैदराबाद कई सहयोगी प्रयास करके भारत-जापान संबंधों को अगले स्तर पर आगे ले जा रहा है। संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम, जेआईसीए फ़ेलोशिप कार्यक्रम, और छात्र-विनिमय कार्यक्रम कुछ नाम हैं। संस्थान ने जापानी कंपनियों और उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने परिसर में एक समर्पित जापान डेस्क भी स्थापित किया है।

अश्विनी तानाजी वाकाडे को शुक्रवार को सचिवालय, विभाग में ग्रेटर वारंगल नगर निगम (जीडब्ल्यूएमसी) का नया आयुक्त नियुक्त किया गया। उन्होंने ने वन, पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा से सचिवालय में मुलाकात की। इस अवसर पर, आयुक्त ने मंत्री को ग्रेटर वारंगल के विकास के लिए निगम द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे कार्यक्रमों और योजनाओं के बारे में बताया।

अग्रणी महिला मंच के सदस्यों ने केंद्रीय विधि और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुचिंतल में मुलाकात की। इस अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, रितु गर्ग, संगीता जाजोदिया, सारिका गर्ग, नीता अग्रवाल, सपना जैन एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

जामबाग के नगरसेवक राकेश जयसवाल ने मल्काजगिरी संसदीय क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में भाग लिया। इस अवसर पर अमर सिंह, रामकृष्ण, राजू यादव, जगपति, नरसिंह, राम बागड़े आदि भी उपस्थित थे।

कापरा मंडल श्री आईजी गौशाला में एक शाम गौमाता के नाम जागरण के लिए नगर पधारने पर संत श्री कैलाशनाथजी महाराज, संत श्री गुलाबनाथजी महाराज, जयप्रकाशजी पुजारी सालर का शमशाबाद एयरपोर्ट पर पुष्प-माला से स्वागत करते हुए श्री सालासर बालाजी भक्त मंडल के महेश बगड़ी, विकाश शर्मा, आनन्द शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, किशोर शर्मा, नरेश खंडेलवाल, रुपेश चारण, दामोदर शर्मा, सुनिल शर्मा व अन्य।

राज्य में आंधी-तूफ़ान की संभावना : आईएमडी

हैदराबाद, 15 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। आईएमडी ने पूरे राज्य में आंधी-तूफान की भविष्यवाणी की है, जिसका चरम प्रभाव 19 और 20 मार्च को होने की उम्मीद है। हैदराबाद में इस अवधि के दौरान छिटपुट बारिश होने की उम्मीद है, जिससे निवासियों को प्रचलित शुष्क मौसम से राहत मिलेगी।

मौसम की गतिशीलता को समझाते हुए, आईएमडी ने कहा कि पूर्वी विदर्भ से उत्तरी तमिलनाडु तक फैली एक ट्रफ रेखा अब निचले क्षोभमंडल स्तर में आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु के माध्यम से मराठवाड़ा से कोमोरिन क्षेत्र तक चलती है। इस ट्रफ के प्रभाव से 16 मार्च से 20 मार्च के बीच तेलंगाना में छिटपुट हल्की वर्षा होने की उम्मीद है।

इसके अलावा, आईएमडी ने कहा कि 20 मार्च तक तेलंगाना में हीटवेव की संभावना कम है। आईएमडी-हैदराबाद कार्यालय ने भी शहर में अगले पांच दिनों में बादल छाए रहने का अनुमान लगाया है, अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

इंटर के नतीजे अप्रैल के दूसरे सप्ताह में आने की संभावना

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चल रही इंटरमीडिएट सार्वजनिक परीक्षाओं के परिणाम अप्रैल के दूसरे सप्ताह में घोषित होने की संभावना है।

तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीएस बीआईई) ने पहले ही 4 मार्च को संस्कृत उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शुरू कर दिया है। मूल्यांकन चार चरणों में किया जा रहा है, पहला चरण शनिवार को राज्य भर में गठित 16 स्पॉट मूल्यांकन शिविरों में शुरू होगा। इतिहास, वनस्पति विज्ञान और प्राणीशास्त्र विषयों के पेपर I और II की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने का अंतिम चरण 24 मार्च से शुरू होगा।

सूत्रों के अनुसार, बोर्ड राज्य में आम चुनाव के मतदान दिवस से पहले मूल्यांकन प्रक्रिया को पूरा करने का इरादा रखता है और परिणाम प्रसंस्करण दैनिक आधार पर किया जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'भाजपा ने करोड़ों ...

बेंगलुरू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इलेक्टोरल बॉन्ड्स मामले पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि ना खाऊंगा और न खाने दूंगा। आज सुप्रीम कोर्ट ने इसका पर्दाफाश कर दिया है कि किस तरह से भाजपा ने चुनावी बॉन्ड से पैसे बनाए। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के बैंक खाते सीज कर दिए गए हैं। उन्होंने (भाजपा) आयकर विभाग को ऐसा करने का निर्देश दिया। हमारे करीब 300 करोड़ रुपये जब्त हैं। ऐसे में हम चुनाव कैसे लड़ेंगे? हमारे खाते बंद है और उनके खुले हुए हैं। ऐसे में बराबरी का मुकाबला कैसे होगा? हम इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हैं। जब तक सच बाहर न आए, तब तक उनके खाते भी सीज होने चाहिए। खड़गे ने इलेक्टोरल बॉन्ड्स की 50 प्रतिशत से ज्यादा रकम सिर्फ भाजपा को मिलने पर गंभीर सवाल उठाए और इसकी जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए और सच बाहर आना चाहिए। क्या चंदे के बदले कोई लाभ पहुंचाया गया।

हो गया बिहार ...

उनके साथ भाजपा के दो उप मुख्यमंत्री और एक मंत्री बने थे। उनके साथ जदयू के तीन मंत्री बने थे। इनके अलावा जीतन राम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा के एक और एक निर्दलीय विधायक ने मंत्रीपद की शपथ ली थी। शुक्रवार शाम मंत्रीपद की शपथ लेने वालों में सबसे आगे पूर्व उप मुख्यमंत्री रेणु देवी रहीं। मंत्री बने नीरज कुमार बबलू ने शपथ लेने के बाद जय श्रीराम का जयघोष किया। भाजपा की रेणु देवी और जदयू की लेशी सिंह औ शीला मंडल को मिलाकर इस मंत्रिमंडल में महिलाओं की संख्या तीन हो गई। सरकार गठन के समय किसी भी महिला ने मंत्रीपद की शपथ नहीं ली थी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपाई उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बिहार विधान परिषद् के सदस्य हैं। एमएलसी सम्राट चौधरी के आसपास बैठने वालों की संख्या इस शपथ ग्रहण के बाद अच्छी बढ़ गई है। विधानसभा कोटे से एमएलसी मंगल पांडेय, हरी सहनी, मनोनीत एमएलसी जनक राम, रोहतास-कैमूर स्थानीय प्राधिकार से एमएलसी संतोष कुमार सिंह और पूर्णिया-अररिया-किशनगंज स्थानीय प्राधिकार के एमएलसी डॉ. दिलीप जायसवाल अब मंत्रिमंडल के सदस्य हैं। यह सभी भाजपा से हैं। जदयू की ओर से सीएम नीतीश कुमार तो थे ही, अब एमलएसी डॉ. अशोक चौधरी भी मंत्रिमंडल में हैं। इनके अलावा पहले से मंत्रिमंडल में हम-सेक्युलर के संतोष कुमार सुमन भी एमएलसी हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कोहली नहीं खेलेंगे टी-20 वर्ल्ड कप-2024 वाली खबर को पूर्व क्रिकेटर ने बताया बकवास

कहा-जीतना है तो उन्हें टीम में रखो

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने बेटे की जन्म की वजह से इग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के छुट्टी ली थी और इस टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं बने थे। वहीं इसके ठीक बाद कुछ रिपोर्ट सामने आई जिसमें कहा गया था कि विराट कोहली को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा। यानी वह अमेरिका और वेस्टइंडीज में आयोजित होने वाले इस वर्ल्ड कप में नहीं खेलेंगे।

अब कोहली को लेकर ऐसी खबर सामने आने के बाद टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज श्रीकांत ने अपनी प्रतिक्रिया दी और इस खबर को पूरी तरह से बकवास करार दिया।

कोहली को लेकर कौन फैला रहा है अफवाह

श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि कोई चांस नहीं है, टी20 वर्ल्ड कप में विराट कोहली के बिना जाना संभव नहीं है। विराट कोहली वो खिलाड़ी हैं जिन्होंने हमें टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में पहुंचाया था और वह मैन ऑफ द टूर्नामेंट बने थे और आखिर यह सब कौन कह रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की अफवाह फैलाने वाले के पास और कोई काम नहीं है किया। इन सारी बकवास बातों का आधार क्या है और अगर भारत को टी20 वर्ल्ड कप जीतना है तो विराट कोहली का टीम में होना जरूरी है।

टीम को कोहली की है 100 फीसदी जरूरत

श्रीकांत ने कहा कि आपको एक ऐसे खिलाड़ी की जरूरत है जो वहां टिक सके और भारत को इस शीट एंकर की जरूरत है चाहे वह टी20 वर्ल्ड कप हो या फिर वनडे वर्ल्ड कप हो। विराट कोहली के बिना भारतीय टीम आगे नहीं बढ़ सकती है और हमें उनकी 100 फीसदी जरूरत है। मेरा अब भी मानना है कि विराट कोहली को उसी तरह सम्मानित किया जाना चाहिए जैसा सम्मान 2011 में सचिन तेंदुलकर को मिला था। भारतीय टीम को विराट के लिए विश्व कप जीतना चाहिए और यह एक उपलब्धि होगी। वहीं आईपीएल की बात करें तो विराट कोहली इस सप्ताह के अंत में आरसीबी कैंप में शामिल हो सकते हैं और इस टीम को आईपीएल 2024 में अपना पहला मैच 22 मार्च को सीएसके के साथ खेलना है।

मधुमक्खियों के हमले के कारण अल्काराज-ज्वेरेव का मैच सस्पेंड

खेल डेस्क, 15 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन वेल्स ओपन के डिफेंडिंग चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्काराज और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला मधुमक्खियों के हमले के बाद कुछ समय के लिए सस्पेंड कर दिया गया था। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो गया है। वीडियो में अल्काराज को कोर्ट से बाहर भागते हुए देखा जा सकता है।

तब तक 18 मिनट का खेल हो चुका था और स्कोर 1-1 की बराबरी पर था। तभी अल्काराज को चेयर अंपायर के पास जाते देखा गया। रास्ते में ही उन पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया और वह भागकर छुप गए। हालांकि, कुछ समय बाद फिर मैच शुरू हुआ और अल्काराज ने ज्वेरेव को 6-3, 6-1 से शिकस्त दी।

वहीं, महिला एकल में एमा नवारावो ने दूसरी वरीयता की आर्यना सबालेंका को बीएनपी परिबास ओपन के चौथे दौर में 6-3, 3-6, 6-2 से हरा दिया। यह युवा अमेरिकी खिलाड़ी के करिर की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। वर्जीनिया की 22 साल की खिलाड़ी इस साल चौथी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं।

विरोधी चाहते हैं कि स्मिथ बतौर ओपनर खेलें : टिम पेन

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। डेविड वॉर्नर के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी बैटिंग लाइनअप को नया आकार देने में जुट गई है। इस बीच स्टीव स्मिथ को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टीम पेन ने चौंकाने वाला बयान दिया है।

टिम पेन ने स्टीव स्मिथ के सलामी बल्लेबाज के रूप में उनके सफल होने की क्षमता पर भरोसा जताया है। वॉर्नर के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने स्टीव स्मिथ को बतौर ओपनिंग बल्लेबाज खिलाने का फैसला किया था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के न्यूजीलैंड दौरे के दौरान स्मिथ के प्रदर्शन ने सलामी बल्लेबाज के रूप में उनकी काबिलियत पर सवाल उठाए। पेन ने चिंताओं को स्वीकार करते हुए कहा कि विरोधी टीमें स्मिथ के पारी की शुरुआत में उनकी कमजोरियों का फायदा उठाने के अवसर के रूप में देख सकती हैं।

न्यूजीलैंड में स्मिथ के संघर्षों पर बात करते हुए, जहां वह 12.75 की औसत से केवल 51 रन बना सके, पेन ने स्मिथ को नई भूमिका में अपनी लय खोजने के महत्व पर जोर दिया। टिम पेन ने ईएसपीएन अराउंड द विकेट को दिए अपने बयान में कहा, मैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेल रहा होता तो मैं चाहूता कि स्टीव स्मिथ ओपनिंग बल्लेबाजी करें। इससे मेरे बेस्ट गेंदबाजों को उन्हें आउट करने का पूरा मौका मिलेगा, वह भी नई गेंद के साथ।

साल 2019 की एशेज सीरीज में जब मैं उनके साथ इंग्लैंड के दौरे पर था, उस समय वह नंबर 4 की पोजीशन में खेले थे और स्मिथ को खेलते देख ऐसा लगा था कि कोई भी उनको आउट नहीं कर पाएगा। मैं उन्हें बतौर ओपनर सफल होते देखना चाहता हूं और मुझे लगता है कि वह ऐसा करने में भी कामयाब होंगे, लेकिन एक विरोधी टीम के खिलाड़ी के तौर पर मैं चाहूंगा कि वह शीर्ष क्रम पर बल्लेबाजी पर उतरें ताकि उनको जल्दी आउट करने का मौका मिल सके।

भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की आगामी टेस्ट श्रृंखला को देखते हुए, पेन ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव के सुझावों को खारिज कर दिया। उन्होंने शीर्ष पर स्मिथ की पुष्टि करते हुए कहा कि स्मिथ ने अपनी काबिलियत और क्षमता के दम पर किसी भी क्रम में बल्लेबाजी करने का अधिकार अर्जित कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया का अगला मुकाबला नवंबर में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत से होगा।

41 वर्षीय शरत ने विश्व नंबर 13 और 22 को हराया

सिंगापुर स्मैश टीटी के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

सिंगापुर, 15 मार्च (एजेंसियां)। 41 वर्षीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने सिंगापुर स्मैश में पहले विश्व नंबर 13 स्लोवानिया के डार्को जोर्गिच और बाद में विश्व नंबर 22 मिस्र के ओमार असार को हराकर दो बड़े उलटफेर किए। इन दो जीत के साथ शरत ने इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व नंबर 88 शरत ने इस जीत के साथ पेरिस ओलंपिक के एकल में खेलने की अपनी संभावनाओं को प्रबल कर लिया है।

'यहां तक पहुंचने का नहीं सोचा था'

शरत का इस टूर्नामेंट में पिछला रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। यहां भी उन्होंने क्वालिफाइंग में खेलकर मुख्य दौर में खेलने का हक हासिल किया। उन्होंने असार को सीधे गेमों में आसानी से 11-4, 11-8, 12-10 से हराया। इससे पहले उन्होंने जोर्गिच को 8-11, 11-6, 11-8, 11-9 से पराजित किया था। पहले दौर में उन्होंने विश्व नंबर 31 चिली को निकोलस बर्गोस को 11-5, 11-4, 11-6 से हराया था। शरत ने कहा कि उन्होंने यह नहीं सोचा था कि वह यहां तक पहुंचेंगे, क्यों कि यहां उनका पिछला रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है।

फ्रांस के फेलिक्स से खेलेंगे

शरत क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के फेलिक्स लेब्रन से भिड़ेंगे। टेबल टेनिस की विश्व रैंकिंग में हरमीत देसाई 64 और मानव ठक्कर 83 नंबर पर चल रहे हैं। महिला और पुरुष टीम ने पहली बार एक साथ पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल किया है। एकल में शीर्ष दो खिलाड़ी खेलने हैं। अगले सप्ताह जारी होने वाली रैंकिंग में शरत मानव को पछाड़ सकते हैं। ऐसे में उनके एकल में खेलने की संभावनाएं प्रबल हैं।

व्हाइट बॉल क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक रूल होगा परमानेंट

अगला ओवर शुरू करने के लिए मिलेंगे 60 सेकेंड; गलती पर 5 रन की पेनल्टी

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट यानी वनडे और टी-20 फॉर्मेट में स्टॉप क्लॉक रूल परमानेंट होने जा रहा है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने फैसला लिया कि दोनों फॉर्मेट में टाइम मैनेज करने के लिए इस रूल को अप्लाय किया जाएगा।

स्टॉप क्लॉक रूल में बॉलिंग टीम को पारी का अगला ओवर शुरू करने के लिए 60 सेंकेड का टाइम मिलेगा। ऐसा नहीं करने पर टीम पर पेनल्टी लग जाएगी। आईसीसी के टी-20 वर्ल्ड कप के साथ यह रूल यूनिवर्सल हो जाएगा। यानी सभी तरह के व्हाइट बॉल क्रिकेट में इसे अप्लाय किया जाएगा।

हर तीसरी गलती पर 5 रन की पेनल्टी

फील्ड अंपायर 60 सेकेंड में ओवर शुरू करने के लिए 2 बार वॉर्निंग देगा। तीसरी बार गलती करने के बाद बॉलिंग टीम पर 5 रन की पेनल्टी लग जाएगी। फिर पारी में हर तीसरी गलती पर बॉलिंग टीम पर 5 रन की पेनल्टी लगती जाएगी। यानी एक वनडे पारी में अगर किसी टीम ने 9 बार ओवर शुरू करने में 60 सेकेंड से ज्यादा का समय लिया तो बैटिंग टीम के खाते में 15 रन जुड़ जाएंगे।

थर्ड अंपायर शुरू करेगा टाइमर

ओवर खत्म होने पर मैदान में लगी टीवी स्क्रीन पर 60 सेकेंड का काउंटडाउन शुरू हो जाएगा। थर्ड अंपायर कंट्रोल रूम से इसे शुरू करेगा। 60 सेकेंड का टाइम पार होने पर फील्ड अंपायर फील्डिंग टीम के कप्तान को वॉर्निंग देगा और हर वॉर्निंग का ध्यान भी रखेगा। यह बिलकुल उस तरह होगा, जैसे इन दिन डीआरएस लेने के लिए दोनों ही टीमों को 15 सेकेंड का टाइम मिलता है। अपील होने के बाद थर्ड अंपायर स्टॉप क्लॉक शुरू कर देता है, जो मैदान की स्क्रीन पर नजर आती है। इसी को देखकर खिलाड़ी रिव्यू लेने के बारे में फैसला करते हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप से परमानेंट होगा रूल

आईसीसी ने फैसला किया है कि जून में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के साथ स्टॉप क्लॉक रूल परमानेंट हो जाएगा। अगर बैटर या डीआरएस के कारण ओवर शुरू करने में देरी हुई तो अंपायर के पास स्टॉप क्लॉक को रोकने का अधिकार भी होगा, ताकि फील्डिंग टीम पर बगैर गलती के पेनल्टी न लगे।

दिसंबर में शुरू किया था टी-20 फॉर्मेट में ट्रायल

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने दिसंबर 2023 में स्टॉप क्लॉक रूल का ट्रायल शुरू किया था। तब इसे टी-20 फॉर्मेट में ही अप्लाय किया गया।

वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने इस रूल के साथ पहला मैच खेला। इस साल के अप्रैल तक रूल का ट्रायल होना था, लेकिन अच्छे नतीजों को देखते हुए आईसीसी ने मार्च से ही इसे परमानेंट करने का फैसला कर लिया। आईसीसी के बोर्ड मेंबर्स इस वक्त दुबई स्थित हेडक्वार्टर में मीटिंग कर रहे हैं। इसी मीटिंग में स्टॉप क्लॉक रूल को परमानेंट बनाने का फैसला किया गया। यह सिर्फ टी-20 ही नहीं, आईसीसी के वनडे फॉर्मेट में भी लागू होगा। दोनों ही फॉर्मेट में टाइम मैनेज करने के लिए इसे लाया गया। टेस्ट क्रिकेट में ओवर रेट पूरा नहीं करने पर टीमों के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में पॉइंट्स काट लिए जाते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू पर चर्चा नहीं

आईसीसी की बोर्ड मीटिंग शुक्रवार को भी होगी। हालांकि, क्रिकबज की रिपोर्ट अनुसार, मीटिंग में 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू पर डिस्कशन नहीं होगा। टी-20 वर्ल्ड कप खत्म होते ही चैंपियंस ट्रॉफी का मुद्दा गरमाने लग जाएगा, क्योंकि टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है और 2 बार की चैंपियन टीम इंडिया ने पॉलिटिकल कारणों के चलते यहां जाने से मना कर दिया है। भारत के मना करने के बाद ही पिछले एशिया कप को पाकिस्तानी की मेजबानी में श्रीलंका में कराना पड़ा था। भारत ने फाइनल समेत अपने सभी मैच श्रीलंका में ही खेले थे। टीम इंडिया ने टूर्नामेंट जीता भी था, जबकि मेजबान पाकिस्तान फाइनल में भी नहीं पहुंच सका था।

डच फुटबॉलर क्विंसी प्रॉम्स दुबई में गिरफ्तार

हेग, 15 मार्च (एजेंसियां)। ड्रग्स की तस्करी और अपने चचेरे भाई पर चाकू से हमला करने के दोषी डच फुटबॉलर क्विंसी प्रॉम्स को डच अधिकारियों के अनुरोध पर दुबई में गिरफ्तार कर लिया गया है। एक प्रेस विज्ञप्ति में दुबई के सरकारी वकील ने इसकी जानकारी दी। बयान के अनुसार, गिरफ्तारी यूएई और नीदरलैंड के अधिकारियों के बीच ज्वाइंट ऑपरेशन की मदद से हुई। यह गिरफ्तारी नीदरलैंड द्वारा जारी रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर की गई। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नीदरलैंड अब दुबई पुलिस से क्विंसी प्रॉम्स को उन्हें सौंपने का अनुरोध करेगा।

रेड नोटिस दुनिया भर में कानून प्रवर्तन से प्रत्यर्पण, आत्मसमर्पण या इसी तरह की कानूनी कार्रवाई के लिए लंबित किसी व्यक्ति का पता लगाने और उसे अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने के लिए जारी किया जाता है। यह अनुरोध करने वाले देश में न्यायिक अधिकारियों द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट या अदालती आदेश पर आधारित है। किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करना है या नहीं, यह तय करने में सदस्य देश अपने स्वयं के कानून लागू करते हैं।

पिछले महीने एम्स्टर्डम की अदालत ने कोकीन की एक बड़ी खेप की तस्करी में शामिल होने के लिए प्रॉम्स को उसकी अनुपस्थिति में छह साल जेल की सजा सुनाई थी। हालांकि, डच सरकारी वकील ने नौ साल की सज़ा की मांग की थी। वहीं पिछले साल एक फैमिली पार्टी में अपने चचेरे भाई को चाकू मारने के आरोप में भी प्रॉम्स को 1.5 साल की जेल हुई थी। 32 वर्षीय प्रॉम्स, जिन्होंने डच राष्ट्रीय टीम के लिए 50 मैच खेले, फरवरी 2021 में अजाक्स से स्पार्टक मॉस्को चले गए और मॉस्को के निवासी के रूप में वह अब तक डच पुलिस की पकड़ से दूर रहे। हालांकि, अपने रूसी क्लब के साथ यूएई में एक प्रशिक्षण शिविर के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि फिलहाल जांच चल रही है और ज्यादा जानकादी नहीं दी जा सकती।

34 साल के मिचेल स्टार्क 9 साल बाद करेंगे वापसी

24.75 करोड़ पाने वाले इस बॉलर का ऐसा है आईपीएल रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल 2024 में अपने अभियान की शुरुआत 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ करेगी। केकेआर ने आईपीएल के इस सीजन के लिए कई नए खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा था, लेकिन इन सबमें जो नाम सबसे बड़ा था वह ऑस्ट्रेलिया के 34 साल के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क का था।

मिचेल स्टार्क का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में इस वजह से आया क्योंकि उन्हें खरीदने के लिए केकेआर ने पूरा जोर लगा दिया था और 24.75 करोड़ रुपये खर्च कर दिए थे। इसके बाद स्टार्क आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी बन गए थे। मिचेल स्टार्क अब आईपीएल में 9 साल के बाद वापसी करने के लिए तैयार हैं और वह आईपीएल 2024 में केकेआर के लिए गेंदबाजी करते हुए नजर आएंगे। हालांकि स्टार्क को केकेआर ने साल 2018 में 9.40 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन वह इस सीजन में नहीं खेल पाए थे और बाहर हो गए थे। अब एक बार फिर से केकेआर ने उन पर बड़ा दांव खेला है और उन्हें लेकर इस टीम के मेंटर गौतम गंभीर ने भी कह दिया है कि स्टार्क हमारे लिए एक्स फैक्टर साबित होंगे यानी केकेआर को उनके काफी उम्मीदें हैं।

स्टार्क का आईपीएल करियर

मिचेल स्टार्क हालांकि पहले भी आईपीएल में खेल चुके हैं, लेकिन उन्हें इस लीग में ज्यादा खेलने का तजुर्बा नहीं है। उन्होंने 2014 और 2015 में आरसीबी टीम का प्रतिनिधित्व किया था। इन दो सीजन में स्टार्क ने आरसीबी के लिए गेंदबाजी की थी। साल 2014 में उन्होंने इस टीम के लिए 14 मैच खेले थे और इन मैचों में उन्होंने 14 विकेट हासिल किए थे। स्टार्क का इस सीजन में बेस्ट प्रदर्शन 21 रन देकर 2 विकेट रहा था। इसके बाद यानी साल 2015 में उन्होंने 13 मैच खेलकर 20 विकेट लिए थे और उनका बेस्ट प्रदर्शन 15 रन देकर 4 विकेट रहा था। स्टार्क ने ओवरऑल इस लीग में 17 मैच खेले हैं और कुल 34 विकेट हासिल किए हैं। अब एक बार फिर से 9 साल के बाद वह इस लीग में गेंदबाजी करते हुए नजर आ सकते हैं।

ओब्लैक के दो बचाव से एटलेटिको सेमीफाइनल में

पेनल्टी शूटआउट में इंटर को 3-2 से हराया

मैड्रिड, 15 मार्च (एजेंसियां)। गोलकीपर जेन ओब्लैक के दो शानदार बचाव की बदौलत स्पेनिश क्लब एटलेटिको मैड्रिड ने इटैलियन क्लब इंटर मिलान को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। पहले चरण में गत उपविजेता इंटर के हाथों 0-1 से हार के बाद बुधवार की रात एटलेटिको ने निर्धारित समय में 2-1 से जीत हासिल कर गोल औसत 2-2 कर दिया। परिणाम के लिए अतिरिक्त समय का सहारा लिया गया, यहां गोल नहीं होने पर पेनाल्टी शूटआउट में एटलेटिको ने बाजी मार ली। ओब्लैक ने एलेक्सिस सांचेज और डेवी क्लासेन की किक को रोका, जबकि लाउतारो मार्टिनेज पेनाल्टी किक को क्रास बार के ऊपर मार बैठे। निर्धारित समय में एटलेटिको के लिए एंटोनी ग्रीजमैन (37), मेंफिस डीपे (87) ने और इंटर के लिए फेडेरिको डिमारको (35 मिनट) ने गोल किए।

डीपे ने शूटआउट में भी किया गोल

मैच के बाद मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम जश्न में डूबा था और एटलेटिको के कोच डिएगो सिमोन की आंखों में आंसू थे। सिमोन ने कहा कि वह खिलाडिय़ों और प्रशंसको केलिए बेहद खुश हैं। हम एक बार फिर यूरोप की श्रेष्ठ आठ टीमों में हैं।

शूटआउट में एटलेटिको के लिए डीपे, रोड्रिगो रीकुएल्मे, एंजेल कोरिया ने गोल किए। निगुएज की किक को इंटर के गोलकीपर यान सोमेर ने बचाया। इंटर के लिए शूटआउट में कालहानोग्लू, फ्रांसेस्को असेरबी ने गोल किए। एटलेटिको बीते सत्र में ग्रुप दौर में ही बाहर हो गया था, जबकि 2021-22 के क्वार्टर फाइनल में उसे मैनचेस्टर सिटी ने हराया था।

डॉर्टमुंड भी क्वार्टर फाइनल में

जर्मनी के क्लब बोरसिया डॉर्टमुंड ने डच क्लब पीएसवी आइंडहोवेन को 2-0 से हराकर चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दोनों के बीच पहला चरण 1-1 की बराबरी पर रहा था। दूसरे चरण में डॉर्टमुंड के लिए जाडोन सांको (3) और मार्को रीस (90+5 मिनट) ने गोल किए। तीन वर्षों में पहली बार डॉर्टमुंड ने लीग के अंतिम 8 में जगह बनाई है।

मुशीर खान रणजी फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच टाइटल जीतने वाले सबसे युवा प्लेयर बने, तोड़ा श्रेयस अय्यर का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 15 मार्च (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट 2024 का फाइनल मुकाबला मुंबई और विदर्भ के बीच खेला गया था और इस मैच में मुंबई को जीत मिली थी। इस जीत के साथ मुंबई ने 42वीं बार यह खिताब जीतने का गौरव हासिल किया था और फाइनल मुकाबले में मुंबई के खिलाड़ी मुशीर खान को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया था। इसके बाद मुशीर खान रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के फाइनल में सबसे कम उम्र में यह खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बने और उन्होंने अपने साथी खिलाड़ी श्रेयस अय्यर के रिकॉर्ड को तोड़ने में सफलता हासिल की। विदर्भ के खिलाफ फाइनल मुकाबले में मुशीर खान ने दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी की थी और 326 गेंदों का सामना करते हुए 136 रन की पारी खेली थी। दूसरी पारी में उन्होंने कप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ मिलकर 130 रन की साझेदारी की थी जबकि श्रेयस अय्यर के साथ उन्होंने 168 रन की पार्टनरशिप निभाई थी। वहीं बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी करने वाले मुशीर खान ने फाइनल मैच में दो अहम विकेट भी लिए थे और इसकी वजह से ही उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था।

बीआरएस नेताओं में मुख्यमंत्री से हाथ मिलाने की होड़

बीआरएस सांसद दयाकर, विधायक दानम ने रेवंत से मुलाकात की

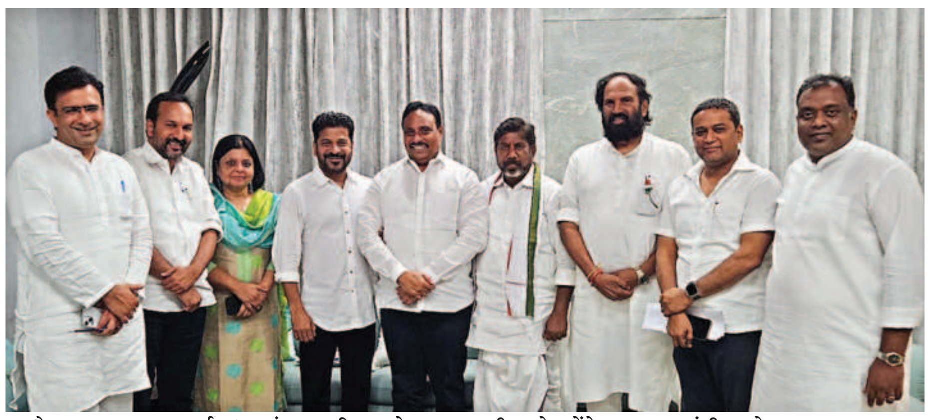

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस पार्टी, जिसने लोकसभा चुनाव में प्रतिष्ठा हासिल की है, प्रतिद्वंद्वी पार्टी के नेताओं, खासकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से संबंधित नेताओं को आकर्षित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की हालिया सनसनीखेज टिप्पणी कि यदि वे गेट खोलेंगे तो बीआरएस में केवल पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के परिवार के सदस्य ही बचे रहेंगे। अपनी कार्य योजना के तहत, कांग्रेस पार्टी ने प्रतिद्वंद्वी दलों के अधिक नेताओं को आकर्षित करने के लिए अपना अभियान तेज कर दिया है।

अब बीआरएस नेता मुख्यमंत्री से हाथ मिलाने की होड़ में लग गए हैं। शुक्रवार को पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक दानम नागेंद्र और बीआरएस सांसद पसुनुरी दयाकर ने शहर में मुख्यमंत्री से अलग-अलग मुलाकात की। जहां खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र ने मुख्यमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की, वहीं वारंगल के सांसद पसुनुरी दयाकर ने सचिवालय में रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि दोनों बीआरएस नेताओं ने जल्द ही कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की इच्छा जताई है।

अंत में बीआरएस में केवल वे चार ही बचे : मंत्री कोमाटिरेड्डी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकटरेड्डी ने कहा कि हर दिन बीआरएस से नेता कांग्रेस और भाजपा में जा रहे हैं और अंत में बीआरएस में केवल वे चार ही बचे हैं। मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद, उन्होंने पहली बार नलगोंडा जिले में अपने पैतृक गांव ब्राह्मणवेल्लम का दौरा किया। मंत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी ताकत और शक्ति ब्राह्मण वेल्लम गांव के लोग है। उन्होंने स्थानीय विधायक वेमुला वीरेशम के साथ मिलकर 67 करोड़ रुपये की लागत से कई विकास कार्यक्रमों की आधारशिला रखी। इसके बाद उन्होंने ग्रामीणों के साथ सामूहिक भोजन किया।

इस मौके पर मंत्री ने कहा कि जब वह अपने गृहनगर ब्राह्मणवेल्लम आए तो उन्हें खुशी का एहसास हुआ। उन्होंने कहा कि वह अपने गृहनगर में लोगों की समस्याएं जानने के लिए यहां आये हैं। मंत्री ने शिकायत की कि हर दिन बीआरएस से नेता कांग्रेस और भाजपा में जा रहे हैं और अंत में बीआरएस में केवल वे चार ही बचे हैं।

पीएम मोदी ने मल्काजगिरी में रोड शो किया

हैदराबाद, 15 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मल्काजगिरी निर्वाचन क्षेत्र में एक रोड शो के साथ राज्य में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपने अभियान की शुरुआत कर दी है। मिर्जालगुडा चौराहे से मल्काजगिरी चौराहे तक 1.3 किलोमीटर के रोड शो में सड़कों के दोनों ओर बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

रोड शो में उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सिकंदराबाद लोकसभा उम्मीदवार जी. किशन रेड्डी और मल्काजगिरी लोकसभा सीट के उम्मीदवार इटेला राजेंदर भी थे। ढोल-नगाड़ों के बीच रोड शो के दौरान महिलाओं और बच्चों सहित स्थानीय लोगों ने प्रधानमंत्री पर फूलों की वर्षा की। मोदी ने अपने वाहन से हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया।

जिस पूरे इलाके में प्रधानमंत्री का रोड शो गुजरा, वहां यातायात रोक दिया गया और वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट कर दिया गया। इससे पहले प्रधानमंत्री विशेष विमान से बेगमपेट हवाई अड्डे पहुंचे।

मिर्जालगुडा जंक्शन से मल्काजगिरी क्रॉस रोड तक अपना रोड शो शुरू करने से पहले उनका काफिला बेगमपेट, पीएनटी जंक्शन, रसूलपुरा, सीटीओ प्लाजा, सेंट जॉन्स रोटरी, संगीत चौराहा, अलुगादाबावी, मेट्टुगुडा, रेलवे अस्पताल और मेट्टुगुडा रोटरी से गुजरा।

रोड शो के बाद प्रधानमंत्री राजभवन की ओर रवाना हुए जहां वह रात्रि विश्राम करेंगे। शनिवार सुबह वह नागरकर्नूल में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे और फिर 18 मार्च को जगतियाल में एक बडी रैली को संबोधित करेंगे।

भाजपा नेता करुणा गोपाल नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिष्ठित भाजपा राष्ट्रीय नेता और फाउंडेशन फॉर फ्यूचरिस्टिक सिटीज की अध्यक्ष और केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड की बोर्ड निदेशक सुश्री करुणा गोपाल वर्ताकवि को एमिटी द्वारा प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सुश्री गोपाल को आज यहां 'अद्राजा-नारी शक्ति सम्मान' सम्मान प्रदान किया गया। इस पुरस्कार का उद्देश्य उन अनुकरणीय महिलाओं को सम्मानित करना है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे युवाओं को उनकी उपलब्धियों से प्रेरणा मिली है। शहरी सुधार, शहरी नवाचार, शासन और नीति के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक समय से चली आ रही सुश्री गोपाल की सराहनीय सेवा ने टिकाऊ और समावेशी शहरों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विकासात्मक और सामाजिक क्षेत्रों में उनके योगदान ने उन्हें यह विशिष्ट पहचान दिलाई है। सुश्री गोपाल के उल्लेखनीय योगदान के लिए उनकी प्रशंसा व्यक्त करते हुए, एमिटी ग्लोबल यूनिवर्सिटी के निमंत्रण पत्र में कहा गया है, समाज के प्रति आपकी उदारता हमारे देश के लिए बेहद गौरवपूर्ण साबित हुई है। इस शुभ अवसर पर आपको सम्मानित करना हमारे लिए बेहद सौभाग्य की बात होगी। सुश्री करुणा गोपाल के साथ पुरस्कार विजेताओं में सुश्री लक्ष्मी सिंह, सुश्री रूपा गांगुली, पूर्व सदस्य राज्य सभा और पद्म श्री शोवना नारायण, कथक नृत्यांगना है।

विभिन्न समुदायों के निगम स्थापित करने के आदेश जारी

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने तेलंगाना में विभिन्न समुदायों के लिए कुछ निगम स्थापित करने के आदेश जारी किए हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने लिंगायत, मुदिराज, यादव कुरुमा, पेरिका (पुरागिरी क्षत्रिय), मेरा और गंगापुत्र समुदायों के लिए अलग-अलग निगम स्थापित करने के आदेश जारी किए। राज्य सरकार ने विशिष्टता और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक पिछड़े वर्गों के लिए एक विशेष विशेष कल्याण बोर्ड स्थापित करने का भी निर्णय लिया। राज्य मंत्रिमंडल ने हाल ही में तेलंगाना में विभिन्न समुदायों के कल्याण और विकास के लिए 16 निगमों की स्थापना को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, राज्यपाल तमिलिसाई सौदरराजन, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्रियों और अधिकारियों ने हैदराबाद आगमन पर शमशाबाद हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया।

सौ दिन की सरकार ने 6 गारंटी की उपलब्धि पूरी तरह से हासिल की

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नवनिर्वाचित कांग्रेस सरकार 4 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं और आशाओं को पूरा करके कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में तेजी से आगे बढ़ रही है। सरकार ने अपने कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर ही मील के पत्थर हासिल कर लिए हैं। यहां सीएमओ की एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, तेलंगाना ने वास्तविक स्वतंत्रता और मुक्ति उस दिन देखी, जब मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने 7 दिसंबर, 2023 को राज्य की बागडोर संभाली। तेलंगाना राज्य, जो लंबे लोगों के संघर्ष के माध्यम से हासिल किया गया था। नई सरकार के पहले दिन, जनता की सरकार ने ऊंची दीवारों को गिराकर और लोहे की बाड़ हटाकर प्रगति भवन को मुक्त करा लिया। इस भवन का नाम महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन के नाम पर रखा गया है। लोगों को भवन में हर सप्ताह में दो दिन सरकार के समक्ष आवेदन जमा करने और अपनी शिकायतें रखने की अनुमति है।

उन्होंने आधिकारिक विज्ञप्ति में उपलब्धि का जिक्र किया जिसमें छह गारंटियों का कार्यान्वयन शामिल है। पहले 100 दिनों में ही ध्वस्त प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित कर पांच गारंटी लागू की जा चुकी है। प्रजा पालन 28 दिसंबर से 6 जनवरी तक आयोजित किया गया और ग्राम सभाओं में लोगों से आवेदन प्राप्त किए गए। महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, आरोग्यश्री की सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये, 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर, योग्य गरीब परिवारों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली की आपूर्ति के लिए गृह ज्योति योजना और इंदिराम्मा आवास योजना पहले ही शुरू की जा चुकी है। सरकार बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान करने के वादे को पूरा करने के लिए कदम उठा रही थी। तीन महीने के भीतर 29,384 सरकारी नौकरियां भरी जा चुकी हैं और चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति आदेश जारी किए जा चुके हैं। नई सरकार ने परीक्षाएं रद्द कर दीं और 563 पदों को भरने के लिए ग्रुप वन की नई अधिसूचना जारी की और सरकारी स्कूलों में 11062 रिक्त शिक्षक पदों को भरने के लिए मेगा डीएससी की भी घोषणा की। बीआरएस सरकार के कथित भ्रष्टाचार को भी उजागर किया और राज्य में आर्थिक स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी किया। मेडीगड्डा बैराज की क्षति पर एक सतर्कता रिपोर्ट सार्वजनिक की गई। सरकार ने आउटर रिंग रोड (ओआरआर) टोल टेंडरों में अनियमितताओं की व्यापक जांच, भेड़ वितरण और मछली पकड़ने की आपूर्ति में सतर्कता और प्रवर्तन जांच, धरणी पोर्टल एजेंसी और गांवों में मिशन भागीरथ योजना के कार्यकर्ताओं की जांच के भी आदेश दिए। सरकार पहले से ही फोन टैपिंग मामले में एसआईबी अधिकारियों की भूमिका की जांच कर रही थी और वाणिज्यिक कर विभाग में सैकड़ों करोड़ रुपये की वैट चोरी की जांच चल रही थी।

अपनों ने मुंह मोड़ा, अनाथ आश्रमवालों ने किया अंतिम संस्कार

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अनाथाश्रम में रह रहे एक वृद्ध का अपनों ने अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। इसके बाद सहृदया अनाथ वृद्धाश्रम के प्रशासकों ने वारंगल के भद्रय्या का अंतिम संस्कार किया। मिली जानकारी के अनुसार विकलांग भद्रय्या, 75 वर्ष के अविवाहित थे। वह बुढ़ापे के कारण चलने में असमर्थ थे। बताया जाता है कि परिवार में भाई के साथ उनका भी संयुक्त संपत्ति में हिस्सा था। एक दिन वे अकेले सड़क पर पाए गए। वे चल फिर नहीं पा रहे थे। लोगों ने पास में स्थित हनमाकोंडा प्रशांत नगर में सहृदय अनाथ बुजुर्ग आश्रम के प्रशासक याकूबी छोटू को सूचित किया। आश्रम वाले उनको लाकर देखभाल की। बीते 13 मार्च को भद्रय्या की तबीयत बिगड़ी और सुबह 7:30 बजे

निधन हो गया। जब आश्रम संचालकों ने भद्रय्या के परिवार के सदस्यों को उनके मृत्यु की सूचना दी, तो व्यंग्यात्मक ढंग से उत्तर दिया कि हमें आश्रम संचालकों से कोई लेना-देना नहीं है। अंतिम संस्कार आने को लेकर कोई जवाब नहीं दिया। अंतिम संस्कार हिंदू परंपरा के अनुसार हनमाकोंडा नईम नगर पोचम्मा कुंटा श्मशान में आश्रम संचालकों द्वारा आयोजित किया गया।

ठेकेदारों के बिलों का चार अप्रैल तक भुगतान किया जाए : हाई कोर्ट

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य परियोजनाओं के ठेकेदारों को भुगतान में अत्यधिक देरी के लिए सरकार को दोषी ठहराया। अदालत ने कहा कि जब अधिकारी सेवा मामलों से परेशान थे तो वे अदालतों से राहत पाने के लिए उत्साहित थे, लेकिन दूसरों की शिकायतों को हल करने में इतनी दिलचस्पी नहीं दिखाते हैं। न्यायमूर्ति बोलम विजयसेन रेड्डी आईवीआरसीएल-नवयुग-एसईडब्ल्यू संयुक्त उद्यम द्वारा सिंचाई और वित्त विभागों के खिलाफ उनके द्वारा किए गए कार्यों के भुगतान में देरी के लिए दायर एक अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। जेवी फर्म ने तत्कालीन करीमनगर जिले के रामागुंडेम मंडल के येलमपल्ली में श्रीपद सागर परियोजना के चरण-1 में आवंटित कार्यों को पूरा कर लिया था, जिसके लिए सरकार को 76,53,43,801 रुपये के साथ-साथ 28,97,47,2651 रुपये का भुगतान करना पड़ा था। खानापुर, महबूबनगर में कलवाकुर्थी लिफ्ट सिंचाई योजना के लिए किए गए कार्यों के लिए। 2023 में हाई कोर्ट द्वारा सरकार को बकाया भुगतान करने का आदेश देने के बाद भी अधिकारियों ने कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं किया। इसलिए, कंपनी ने अवमानना का मामला दायर किया जिसके बाद उच्च न्यायालय ने जनवरी और फरवरी में अधिकारियों को बकाया भुगतान करने का निर्देश दिया। ऐसा नहीं किया गया और विशेष सरकारी वकील ने अतिरिक्त महीनों की मांग की। कोर्ट ने 4 अप्रैल की डेडलाइन तय कर दी है।

बीएसपी प्रमुख आरएस प्रवीण कुमार नगरकर्नूल एमपी सीट से मैदान में

हैदराबाद, 15 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में विपक्षी बीआरएस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के साथ गठबंधन किया है। गठबंधन के हिस्से के रूप में, बीआरएस ने बसपा को दो सीटें आवंटित की हैं। बीआरएस ने शुक्रवार को इस संबंध में एक बयान जारी किया। गठबंधन के हिस्से के रूप में, बसपा राज्य में नगरकर्नूल और हैदराबाद लोकसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ेगी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने घोषणा की है कि तेलंगाना पार्टी प्रमुख आर एस प्रवीण कुमार नागरकर्नूल सीट से चुनाव लड़ेंगे। हैदराबाद सीट से कौन चुनाव लड़ेगा, इस पर बसपा ने अभी तक फैसला नहीं लिया है। अब तक, बीआरएस ने 17 लोकसभा सीटों में से 11 के लिए उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दे दिया है। बीआरएस पार्टी को अभी चार और सीटों के लिए उम्मीदवारों को अंतिम रूप देना है क्योंकि गठबंधन के हिस्से के रूप में नगरकर्नूल और हैदराबाद लोकसभा सीटें बसपा को आवंटित की गई हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.